फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 264 प्रभात जयपुर, रविवार 27 अप्रैल, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Unspoilt Kashmir

Bernier asserts they have fairer complexions and more European-style features than other Indians, with the striking beauty of even lower-class women. He playfully recounts his covert efforts to catch glimpses of the city's exquisite but cloistered ladies through tricks like distributing sweets via a learned guide

Are Twins Alike in Their Allergies?

सुरक्षा विशेषज्ञों की राय में, अभी भारत-पाक युद्ध की संभावना नहीं है

उनकी इस राय का आधार यह तथ्य है, कि दोनों देशों में सेना का वह ''मोबिलाइज़ेशन'' (भारी गतिविधि) नहीं दिख रहा, जो युद्ध के पहले देखा जाता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम की हाल ही की तनाव की घटनाओं और ''लाइन ऑफ कन्ट्रोल (एलओसी)'' पर चल रहे तनाव के बावजूद, आतंकवाद एवं सुरक्षा मामलों के प्रमुख विशेषज्ञों ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच किसी बड़े युद्ध की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देते हुये कहा है कि स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन आशा की जाती है कि आगामी दिनों में स्थितियाँ स्थिर हो जायेंगी।

मीडिया से बात करते हुये, जाने-माने आतंकवाद -विश्लेषक अजय साहनी ने दावे के साथ कहा कि ऐसी संभावना नहीं है कि पाकिस्तान संघर्ष को और बढ़ायेगा। साहनी ने कहा, ''पाकिस्तान भारत के साथ सैन्य टकराव को कायम रखने की स्थिति में नहीं है। उसकी कमज़ोर आर्थिक स्थिति और घरेलू राजनैतिक चुनौतियों के

- पर, इन्टैलिजैन्स एजेंसियों का मानना है कि कुछ समय के लिये आतंकवादी हरकतें, जैसे सीमा पर घुसपैठ आदि, की संख्या बढ़ने की जरुर आशंका है। पर अभी तक भारत के सुरक्षा बल ने सख्ती से इन पर कंट्रोल कर लिया है।
- इस संदर्भ में रिटायर्ड ले.जनरल राकेश शर्मा के अनुसार, स्थानीय स्तर पर घुसपैठ के प्रयास कोई अनहोनी बात नहीं है, पर अभी तक दोनों तरफ से प्रतिक्रिया संयम बरतने की है, न कि ''टैन्शन'' (तनाव) को बढ़ाने की।
- गिरती आर्थिक स्थिति, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अकेला पड़ने की संभावना व देश के अन्दर अस्थिरता की स्थिति के कारण, पाकिस्तान लम्बी लड़ाई लड़ने की स्थिति में नहीं है और भारत के विदेश मंत्रालय के इस वक्तव्य से, कि भारत का विश्वास इस पूरे क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाये रखने में है, आनन-फानन में युद्ध होने की संभावना क्षीण लगती है।

चलते, ऐसी आशा की जा रही है कि पाकिस्तान दुश्मनी को बढ़ाने के बजाय, अपने कदम पीछे हटायेगा।'' उन्होंने आगे कहा कि दोनों ही देश मौजूदा भू-राजनैतिक स्थिति में, किसी बड़े युद्ध के भयंकर परिणामों को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।

तनाव में हाल ही हुई जबरदस्त वृद्धि की शुरुआत के पीछे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुई उग्रवादी गतिविधि तथा सीमा पर हुये युद्ध-विराम के उल्लंघन की विभिन्न घटनाएं हैं। भारतीय सुरक्षा बलों ने सीमा पर हुये युद्ध विराम -उल्लंघनों का जवाब पूरी तत्परता एवं दृढ़ता से दिया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि घुसपैठ या उत्तेजना पैदा करने वाली कोशिशों का जवाब असरदार तरीके से दिया जाये। लेकिन रक्षा अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि हमारा जवाब संयत एवं संतुलित रहता है ताकि तनाव में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट के 1996 के दिशा निर्देशों की पालना करें'

जयपुर, 26 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि आपराधिक मामले में व्यक्ति की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से साल 1996 में दिए दिशा-निर्देशों की कड़ाई से पालना की जाए। इसके साथ ही आयोग ने इस आदेश की पालना के लिए आदेश की कॉपी मुख्य सचिव, डीजीपी, एसीएस गृह और दौसा कलेक्टर व एसपी को भेजी है। इसके साथ ही आयोग ने एक

- सूर्योदय से पूर्व महिला पुलिस कर्मियों की गैर-मौजूदगी में महिलाओं को गिरफ्तार करने में तत्कालीन सैंथल थानाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिये कहा।

प्रकरण में परिवादी के परिजनों से मारपीट करने और महिला पुलिसकर्मी की गैरमौजूदगी में महिलाओं को सूर्योदय से पूर्व गिरफ्तार करने के दोषी तत्कालीन सैंथल थानाधिकारी एसआई अजीत बडसरा और कांस्टेबल धर्मसिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है। आयोग सदस्य आरसी झाला ने यह आदेश विजेन्द्र की ओर से पेश परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में विजेन्द्र सिंह ने कहा कि सैंथल में पट्टाशुदा जमीन खरीद कर उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को चीन से सबक लेना पड़ेगा, पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने के लिये

चीन दशकों से यह काम कर रहा है, ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को भारत में प्रवेश करने से पहले ही ऊपर ही रोक कर अपने मैदान व फार्म लैण्ड्स तक पहुंचाने के लिये

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पानी में भी आग लग सकती है, वो भी बड़ी आसानी से। जब बात सिंधू नदी के जल की होती है, तो हम देख सकते हैं कि यह कितना ज्वलनशील हो सकता है - फिलहाल तो शब्दों में ही सही पर इसमें आग लगी हुई है।

यह एक व्यापक संघर्ष, यहां तक कि एक सशस्त्र युद्ध की चिंगारी भी बन सकता है। लेकिन कुछ सोचने योग्य बातें भी हैं। जहां तक सिंधू जल संधि की बात है, उसे अस्थायी रूप से निलंबित करना एक राजनैतिक दृष्टि से फायदेमंद हो सकता है। इसे वास्तव में लागू करना मुश्किल हो सकता है। और यहीं से इस कहानी की असली चुनौती शुरू होती है।

यदि इस संधि को दरकिनार कर दिया जाए और जल का प्रवाह बदला जाए, तो यह पाकिस्तान की जीवन रेखा को काटने जैसा होगा। वह देश पूरी तरह से इन नदियों के जल पर निर्भर है।

लेकिन यह फैसला पाकिस्तान को तभी कष्ट पहुंचा सकेगा, जब वास्तव में

- भारत व बांगलादेश की इस बारे में सभी आपत्तियों को चीन लगातार नज़र अन्दाज़ करता आ रहा है।
- भारी मेहनत, धन व तकनीकी क्षमता का उपयोग कर चीन अब दशकों बाद अपने इस प्रयास में कुछ सफलता प्राप्त करता दिख रहा है।
- पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिये, भारत ने कभी सोचा ही नहीं था, अब तक, अतः भारत के पास आधारभूत ढांचा (बांध, स्टोरेज टैंक, नहरों का जाल नहीं है, पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोकने के लिये।
- तो क्या, पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने की धमकी केवल धमकी तक ही सीमित रह जायेगी, या भारत तकनीकी क्षमता झोंक कर, पर्याप्त पैसा लगाकर यह क्षमता विकसित कर लेगा, जिससे इस पानी को पाकिस्तान जाने से रोका जाए और इसका उपयोग उत्तर भारत के गांव व शहरों के घरों में पेय जल उपलब्ध कराने व खेतों में सिंचाई के लिए किया जाए।

भारत से पाकिस्तान की ओर जाने वाले जल का प्रवाह रोका जाए। इसका अर्थ है कि भारत को इस लक्ष्य को पाने के लिए ठोस आधारबूत संरचना और उपकरणों की ज़रूरत होगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल अधिकारियों ने कश्मीर में नए रेल प्रोजैक्ट्स का सुरक्षा की दृष्टि से पुनः मुआयना शुरु किया

इन नए प्रोजैक्ट्स में शमिल है भारत का सबसे बड़ा 12.77 किलोमीटर टनल (सुरंग), विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल। इस क्षेत्र का 87 प्रतिशत हिस्सा सुरंग से ही तय किया जा सकता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम हमले के बाद, कश्मीर में कटरा-श्रीनगर रेल-लाइन पर कॉमर्शियल ऑपरेशन शुरू करने को लेकर अधिकारियों में अनिश्चितता व्याप्त हो गई है, क्योंकि ऊधमपुर श्रीनगर बारामुला रेल लिंक परियोजना के तहत सुरक्षा उपायों को सख्त किया गया है।

कटरा-संगलदन रेल लाइन, जो कटरा से कश्मीर घाटी तक रेल लिंक को पूरा करेगी, अब तैयार है और रेल सुरक्षा आयुक्त (कमिश्नर ऑफ रेल सिक्युरिटी) ने कॉमर्शियल ऑपरेशन्स शुरू करने की मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19 अप्रैल को रेल लिंक का उद्घाटन करना था, लेकिन उद्घाटन की तिथि को कथित तौर पर खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया।

पहलगाम हमले के बाद के तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए, रेलवे और सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीमों ने क्षेत्र में सुरक्षा खतरों का पुनः आकलन करने की प्रक्रिया शुरू की है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बुधवार को कुछ सुरंगों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढ ांचों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान

- मुआयने के बाद आर.पी.एफ., जी.आर.पी., तथा राज्य की पुलिस के जवान, जो यहां तैनात हैं, को हिदायत दी गई है कि इन नई रेलवे लाइन्स पर सुरक्षा की दृष्टि से हर घंटे अपना ''इनपुट'' आपस में साझा करें।
- इन सुरंगों पर लगे सी.सी.टी.वी. फुटेज को मॉनिटर करने के लिये नए सेन्टर बनाये व सक्रिय किये गये हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पी.डब्ल्यू.डी. प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता को अवमानना नोटिस जारी

जयपुर, 26 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतन वृद्धि और अन्य सेवा परिलाभ नहीं देने पर पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता सहित अन्य अफसरों को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी

- हाईकोर्ट ने 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतनवृद्धि व अन्य लाभ नहीं देने पर ये आदेश दिये।

ने यह आदेश भूरसिंह की अवमानना याचिका पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि राज्य सरकार ने रिवाइज़ वेतन स्केल नियम 2008 व 2017 के तहत प्रदेश के सभी अफसरों व कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि में समानता लाने के लिए सालाना वेतन बढ ोतरी के लिए एक जुलाई की तारीख तय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी ''इन्सैन्टिव'' देने के बावजूद विदेशी मुद्रा व कम्पनियों का पलायन रुक नहीं रहा चीन से

''फॉरन डाइरैक्ट इन्वेस्टमेंट'' (विदेशी पूंजी निवेश) गत वर्ष की तुलना में 27.1 प्रतिशत कम हुआ

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रेल। बीजिंग द्वारा विदेशी पूंजी को फिर से आकर्षित करने के आक्रामक प्रयासों के बावजूद, अमेरिकी कंपनियाँ पीछे हट रही हैं, और भारत जैसे बाजारों की ओर रुख कर रही हैं, जहाँ राजनीतिक स्थिरता और बढ़ता उपभोक्ता वर्ग उन्हें अधिक सुरक्षित और लाभकारी भविष्य के लिए आश्वस्त करता है।

भारत एक प्रमुख विकल्प बनकर उभर रहा है, खासकर निर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। इसकी अंग्रेजी बोलने वाली बड़ी आबादी, बेहतर हो रहा बुनियादी ढाँचा, और सरकार की पीएलआई योजनाओं जैसी प्रोत्साहन नीतियाँ, एप्पल, गूगल और टेस्ला जैसी बड़ी कम्पनियों के सप्लायर्स को आकर्षित कर रही हैं।

अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन चाइना (एम चैम चाइना) की एक कड़ी चेतावनी दर्शाती है कि राजनीतिक बाधाएं, नियामक अनिश्चितता और व्यापारिक टकराव उन फायदों से भारी पड़ रहे हैं, जिनके कारण कभी चीन दुनिया के सबसे आकर्षक बाजारों में से एक था। यूएस-चीन के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में बीजिंग की 20-बिंदु की निवेश योजना भी कंपनियों की आशंकाओं को कम करन में असफल रही है।

एम चैम चाइना के 2025 का श्वेतपत्र जारी करते हुए चैम्बर के अध्यक्ष माइकल हार्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा: ''हमारी कंपनियाँ केवल दोनों देशों के बीच के राजनीतिक जोखिमों को लेकर ही चिंतित नहीं हैं, बल्कि व्यापारिक अवरोधों और चीन में निवेश को लेकर अनिश्चितताओं को लेकर भी परेशान हैं।'' यह रिपोर्ट 350 से अधिक अमेरिकी कंपनियों का सर्वे कर बनाई जाती है।

बिगड़ते यूएस-चीन संबंध लगातार पांचवे वर्ष व्यापारिक चिंताओं की सूची में शीर्ष पर रहे, जिसमें 63 प्रतिशत प्रतिभागियों ने भू-राजनीतिक तनाव को उनके काम करने में सबसे बड़ी चुनौती बताया। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब दोनों देशों के बीच संबंध और अधिक कटु हो गए हैं, विशेषकर तीव्र टैरिफ युद्ध के कारण। वर्ष 2024 के अंत से वॉशिंगटन और बीजिंग ने एक-दूसरे के उत्पादों पर शुल्क दोगुने से भी अधिक टैरिफ लगा दिया है, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर दबाव और बढ़ गया है।

हालांक हार्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पर्दे के पीछे दोनों देश नुकसान

- ये कम्पनियां भारत के अलावा वियतनाम, मैक्सिको, फिलिपीन्स, मलेशिया, थाइलैंड, पोलैण्ड, व चैक गणराज्य को वैकल्पिक ''लोकेशन'' के रुप में देख रही हैं, अपने नए उद्योग व पूंजी लगाने के लिये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मस्जिद पर पोस्टर विवाद : जौहरी बाजार में दुकानें बंद कराने वालों को पुलिस ने खदेड़ा

विधायक बाल मुकुंद आचार्य के खिलाफ दर्ज मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी

जयपुर, 26 अप्रैल। जौहरी बाजार में शुक्रवार देर रात हुआ पोस्टर लगाने का विवाद शनिवार की शाम उस समय और बिगड गया जब कुछ लोग जौहरी बाजार में प्रदर्शन के नाम पर जबरन दुकानें बंद कराने लगे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जबरन दुकानें बंद करवाले वालों को समझाया। प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और दुकानें खुलवाईं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही यातायात को चालू करवाया गया। इसके साथ ही पुलिस ने जगह-जगह फ्लैग मार्च कर शांति बनाए रखने की अपील की। विवाद को लेकर माणक चौक थाने में हवामहल विधायक बालमुकदांचार्य खिलाफ दर्ज मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी गई है।

जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि नारेबाजी करने के बाद उपजे विवाद के कारण इलाके में पुलिस और सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। शांति व्यवस्था कायम है। इलाके में एसटीएफ के अलावा भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस के अधिकारी लगातार गश्त कर स्थिति पर निगरानी कर रहे हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त, माणकचौक पीयूष कविया ने बताया कि इलाके में शांति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर पुलिस व सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। प्रशासन लगातार हालात पर नज़र रखे हुए है और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की गई है। जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़ और आसपास के इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

- पुलिस ने जगह-जगह फ्लैग मार्च कर शांति बनाये रखने की अपील की।
- सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद शांति व्यवस्था कायम हुई। पुलिस अधिकारी लगातार गश्त लगाकर स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं।

गौरतलब है कि शुक्रवार देर रात पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में विधायक बालमुकुंद आचार्य अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन के लिए बड़ी चौपड़ पहुंचे। यहां 'जय श्री राम' के नारे लगे और कई दीवारों पर पोस्टर चिपकाए गए। प्रदर्शनकारियों का काफिला जब जामा मस्जिद के सामने पहुंचा तो विवाद हो गया।

आरोप है कि विधायक आचार्य ने मस्जिद की सीढ़ि यों पर 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' लिखे पोस्टर खुद चिपकाए और उन पर पैर भी रखा। उस वक्त मस्जिद के अंदर रात की नमाज चल रही थी, जिससे वहां मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर जमा हो गए और विधायक के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। मस्जिद प्रशासन की शिकायत पर विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ जयपुर के माणक चौक थाने में धार्मिक भावनाएं आहत करने, धार्मिक स्थल के सम्मान का उल्लंघन करने और शांति भंग करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि रात करीब 10 बजे एक पक्ष के लोग इकट्ठा होना शुरू हुए। बड़ी चौपड़ के पास नारेबाजी कर पोस्टर लगाकर विरोध जताने लगे। इस दौरान अन्य लोग भी एकत्रित हो गए। देखते ही देखते दोनों में विवाद हो गया।

इस पूरे प्रकरण को लेकर शनिवार को जामा मस्जिद कमेटी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पहलगाम हमले की कडे शब्दों में निंदा करते हैं। इस तरह का कायराना कृत्य करने वालों को कतई भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन शुक्रवार रात को हवामहल विधायक ने मस्जिद में जिस तरह से नारेबाजी और पोस्टर लगाए हैं वह सरासर गलत है। इस प्रेस वार्ता के दौरान मुस्लिम समाज के कई संगठनों के पदाधिकारी, विधायक अमीन कागजी और आदर्श नगर विधायक रफीक खान भी मौजूद रहे। इस दौरान मस्जिद के अंदर और बाहर बड़ी तादाद में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद थे। एहतियात के तौर मस्जिद के बाहर पुलिस बल भी तैनात किया गया।

राजस्थान मुस्लिम फोरम महासचिव नाजीमुद्दीन ने कहा कि विधायक को इलाके के विकास पर काम करना चाहिए। इस तरह से धर्म विशेष के लोगों को टारगैट करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जौहरी बाजार में शुक्रवार देर रात हुए विवाद के बाद शनिवार शाम को कुछ लोग जौहरी बाजार में जबरन दुकानें बंद कराने लगे, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ दिया।

विचार बिन्दु

आत्मा ही अपना स्वर्ग और नरक है। -उमर खैयाम

सुखायु और हितायु का वैज्ञानिक प्रमाण-आधार

आयुर्वेद में दीर्घायु का अर्थ सुखकारी व हितकारी आयु है, सिर्फ लम्बा जीना नहीं। दीर्घायु का तात्पर्य उस आरोग्य से है जिसके रहते हम जीवन में वह सब प्राप्त कर पाते हैं, जो प्राप्त करना चाहते हैं। जिस विद्या में सुखकारी आयु और हितकारी आयु तथा दुःखकारी और अहितकारी आयु का विचार हो तथा इन सबके उचित मानदण्डों का अध्ययन हो वह आयुर्वेद कहलाता है। स्वास्थ्य-रक्षण के द्वारा निरोगी बने रहना उपयोगी है, क्योंकि आरोग्य के बिना धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कुछ नहीं मिल सकता। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है या बीमारियों को रोक नहीं पाये, तो ना तो वह अपनी मूल प्रकृति के अनुसार कुछ धारण कर सकता है, ना ही धन कमा सकता है, ना ही खाने-पीने, सोने या जीवन का कोई आनन्द ले सकता है, और ना ही शन्तिपूर्वक संसार से विदा हो सकता है। अतः भौतिकतावादी युग में भी स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

आयुर्वेद के 8 अंगों में काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, शालाक्य, भूतविद्या (मनोचिकित्सा), कौमारभृत्य, अगदतंत्र, रसायन तथा वाजीकरण हैं। आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्यों में प्रथम स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है और दूसरा आतुर या बीमार के विकारों का प्रशमन या बीमारियों की चिकित्सा है। यहाँ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में कुछ मूल सिद्धान्त, दर्शन या विवेचन हैं। इस चर्चा का महत्व यह है कि संहिताओं, वैज्ञानिक अध्ययनों, और अनुभवजन्य ज्ञान से प्राप्त प्रमाण हमें इस बात से आश्वस्त करने के लिये उपयोगी रहेंगे कि वर्तमान जनजीवन को स्वस्थ रखने के लिये संहिताओं, साइंस, तथा अनुभवजन्य-ज्ञान में प्रमाण-आधार सुदृढ़ है।

जहाँ तक सिद्धान्तों की समठाता का प्रश्न है, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण एवं चिकित्सा से जुडे मूल सिद्धांतों और निर्देशों की संख्या बहुत अधिक है। तथापि, कुछ सिद्धांत और निर्देश जो स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में प्रत्यक्ष रूप से लागू होते हैं, उनमे से कुछ प्रमुख हैं: 1. सामान्य-विशेष, 2. गुण-कर्म, 3, त्रिदंड, 4. त्रिविध-हेतु, 5. त्रिदोष, 6. षड्रस, 7. पंचकर्म, 8. आहार मात्रा, 9. हिताहितसंसर्जनक्रम, 10. आदान-विसर्ग, 11. स्वस्थवृत्त, 12-धारणीय-अधारणीय वेग, 13. सद्वृत्त, 14. अन्नपान-विधि, 15. धातु-पोषण, 16. आहार विधिविशेषायतन, 17. आहार विधिविधान, 18. त्रिविध कुक्षीय, 19. रसायन, 20. जनपदोद्धंश आदि प्रमुख हैं। वस्तुतः इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत, विचार-विमर्श में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या सहित, अनेक विस्तृत विषय समाहित हैं जिन पर विस्तृत चर्चा आगे यथासमय होगी।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि आयुर्वेद की संहिताओं में उपरोक्त समस्त सिद्धान्तों का वर्णन तथा प्रयोग में लाये जाने की विधियाँ और उनकी उपयोगिता का विवेचन उपलब्ध है, परंतु आज समकालीन वैज्ञानिक युग में यह मानने का प्रमाण क्या है कि उक्त सलाह विज्ञान-सम्मत ही है। इस प्रश्न का उत्तर कई स्त्रोतों से दिया जा सकता है, जिनमें देश-विदेश के आयुर्वेदाचार्यों द्वारा की गई शोध से प्राप्त प्रमाण, आयुर्वेद का संदर्भ दिये बिना भी समान विषयों में विश्वभर में हुई शोध के निष्कर्षों का प्रमाण, और आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान शामिल है।

प्राचीन ग्रन्थों के विपुल भण्डार की उपलब्धता के बावजूद आज हमें आधुनिक विज्ञान की ओर देखने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। दरअसल, वर्ष 2010 के अनुमान बताते हैं कि लगभग 15 लाख शोध-पत्र प्रति वर्ष विश्व की महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे थे। सभी प्रकार के जर्नल्स को लें तो मैक्स प्लैंक सोसायटी और स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिच में कार्यरत वैज्ञानिक लुत्ज़बॉर्नमान के अनुमान बताते हैं कि ज्ञान में वृद्धि की दर इतनी है कि अब विश्व का साइंटिफिक आउटपुट हर 9 साल में दोगुना हो रहा है। वर्ष 1600 के मध्य से वर्ष 2012 तक ज्ञान के उत्पादन को तीन चरणों में देखा जा सकता है। प्रत्येक चरण में पिछले चरण की तुलना में ज्ञान उत्पादन में तीन गुना वृद्धि पायी गयी है। प्रथम चरण, 16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के मध्य तक, ज्ञान उत्पादन में वृद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत थी। उसके बाद दो विश्वयुद्धों के मध्यवर्ती काल में 2 से 3 प्रतिशत, तथा अंतिम विश्वयुद्ध के बाद से लेकर वर्ष 2012 तक यह वृद्धि दर 8 से 9 प्रतिशत रही।

आज विश्व के अनेक डाटाबेस जैसे स्कोपस, वेब ऑफ नॉलेज और गूगल स्कॉलर आदि में सभी विषयों के कुल 4 से 5 करोड़ शोध पत्रों का भण्डार है। आयुर्वेद में भी नये ज्ञान का उत्पादन हो रहा है।वर्ष 1923 से 2022 के दौरान प्रकाशित कुल 46,616 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है। इनमें से 12,906 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, समग्र-पद्धति या होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हुआ है।

यहाँ कुछ उदाहरण उपयोगी होंगे। स्कोपस डेटाबेस, जो शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च कोटि के शोधपत्रों का विश्व में सबसे बड़े डेटाबेस में से एक है, में अकेले शहद पर ही 250 से अधिक क्नीनिकलट्रॉयल्स सहित विभिन्न पहलुओं पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शहद पर आयुर्वेद का कथन कथनमधु श्लेष्मपित्तप्रशमनानाम् (च.सू. 25.40) को देखने पर ज्ञात होता है कि मूलतः आयुर्वेद के इस द्रव्य पर आयुर्वेद के सन्दर्भ सहित 122शोधपत्र हैं, जबकि विश्व भर में शहद पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से 2900 से अधिक शोधपत्र शहद के औषधीय गुणों पर, व 8,000 से अधिक भोजन के रूप में शहद की उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

मेटा-एनालिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम त्रिदोष शामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है।

इसी प्रकार आमलकंवयःस्थापनानाम् (च.सू. 25.40) चरकसंहिता का एक महावाक्य है। अनेक शताब्दियों बाद आचार्य वाग्भट ने इसी वाक्य को वयसःस्थापने धात्री (अ.हृ.उ. 40.56) दोहराया है। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाओं में आमलकी पर 2,000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इन शोध पत्रों में इन-वाइट्रो और इन-वाइवो अध्ययनों के अलावा कुछ क्लीनिकल ट्रायल्स भी हैं जो निर्विवाद रूप से आँवला में रसायन गुणों को प्रमाणित करते हैं।

इसी प्रकार रक्तशालि या लाल चावल पर 4,849 शोधपत्र विश्व की प्रमुख शोध पत्रिकाओं में 2022 तक प्रकाशित हो चुके हैं। वैज्ञानिकों ने लाल चावल को कैंसररोधी, डायबिटीज-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीजीनोटॉक्सिक, हिपेटोप्रोटेक्टिव, कार्डियोप्रोटेक्टिव, एंटीइन्फ्लेमेटोरी, एंटीडायबिटीज, एवं इम्यूनोमोड्युलेटरी पाया है।

वर्ष 2016 में विश्व-प्रसिद्ध शोध पत्रिका लैंसेट में 10 लाख से अधिक लोगों के संदर्भ में एकत्र आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित एक मेटाएनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्रायः कुर्सी में बैठे-बैठे काम करने वाले लोग यदि रोजाना 60 से 75 मिनट व्यायाम करें तो उनके असमय मरने का जोखिम कम हो जाता है। बात यदि मोटापा प्रबंध के सन्दर्भ में की जाये, तो समुचित खानपान के साथ ही सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का व्यायाम लाभकारी है। मेटा-एनालिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम त्रिदोष शामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंक्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंक्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये। व्यायाम और चंक्रमण ना तो बलार्ध से अधिक हो और ना ही पीड़ादायक हो, अन्यथा हानिकारक होता है। आयुर्वेद और समकालीन विज्ञान यहाँ एक जैसी सलाह के समीप आते दृष्टिगोचर होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, उम्रदराज लोगों में पांच वर्ष तक चले क्लिनिकल ट्रायल में व्यायाम की 'तीव्रता' व 'मृत्यु-दर' के बीच सम्बन्ध नहीं मिला। इसलिये 'तीव्रता' के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने बल के आधे तक व्यायाम करते रहिये। समय की बात करें तो 30 मिनट प्रतिदिन से कम व्यायाम नहीं रहना चाहिये। सप्ताह में व्यायाम करते समय अगर 120 मिनट गार्डेन, पार्क या हरियाली वाली जगह में बिताया जाये तो व्यायाम का मानसिक स्वास्थ्य पर धनात्मक प्रभाव और भी बेहतर रहता है।

तीन सूत्र जो दवाई की आवश्यकता कम कर देते हैं, उनमें कालभोजन, व्यायाम और सत्वावजय प्रमुख हैं। कैलोरी व कदम गिनने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं। काल-भोजन और बलार्ध-व्यायाम कीजिये: ऊर्जस्प्रक्रम गणनातिनिष्ठानास्ति आयुर्वेदविषयः। समाचरेत्काल भोजनंबल स्यार्धव्यायामश्च। मोटापा की समस्या देखें तो यह गोलियां खाने से नहीं छंटता। आचार्य चरक कहते हैं कि मोटापा छांटने के लिये भोजन की मात्रा घटाने से उत्तम और कुछ नहीं है। आचार्य सुश्रुत कहते हैं इस काम के लिए व्यायाम से बेहतर कुछ नहीं है। दोनों मिलाकर तो मोटापा कम कर ही सकते हैं। बात साधारण है: हितकारी भोजन मात्रापूर्वक नियतकाल में दिन में केवल दो बार लीजिए और नित्य व्यायाम कीजिए। बस इस ज्ञान को काम से जोड़ने का पचड़ा है!

यही स्थिति सद्वृत्त में समाहित विविध विषयों की है। शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 2 लाख शोधपत्र ऐसे हैं जहाँ मंगलकार्य, त्याग, उपहार, हवन, नियम, प्रायश्चित, उपवास, सस्वर पाठ, आध्यात्मिक लगाव, तीर्थाटन, क्षमा, दान आदि विषयों तथा इनका स्वास्थ्य रक्षण एवं रोगमुक्ति के संदर्भ में विश्लेषण है। योग के यम और नियम में भी सद्वृत्त के ही विविध विषय समाहित हैं। इन पर 25,000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या के रूप में समाहित विविध विषयों में पृथक पृथक शोध भी है। इनमें सबसे अधिक वैज्ञानिक शोध भोजन, भोजन द्रव्य, नस्य, पंचकर्म, मुख-स्वास्थ्य, कवल-गंडूष, अभ्यंग, मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यायाम, पर्सनल-हाइजीन आदि पर उपलब्ध है। सारांश यह है कि भले ही शोध आयुर्वेद का नाम लेकर न की गई हो, लेकिन आहार स्वस्थवृत्त, सद्वृत्त, रसायन एवं पंचकर्म आदि में समाहित प्रयोगों एवं परिणामों को आधुनिक शोध के प्रकाश में देखने पर इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व क्या है? मुख्य रूप से संहिताओं, साइंस एवं आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि यदि कोई व्यक्ति आज कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग, मनोरोग या श्वसन तंत्र जैसी गैर-संचारी बीमारियों से पीड़ित नहीं है तो वह इन बीमारियों से आगे भी अपने आपको बचाये रख सकता है, बशर्ते आयुर्वेद की सलाह मानकर अपने जीवन में इस ज्ञान का उपयोग करे। हाँ, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण के सिद्धान्त और उन सिद्धान्तों का क्रियान्वयन योग्य आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से ही किया जाना चाहिये ताकि समुचित परिणाम प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद में लगभग 300 प्रकार की सलाह केवल सद्वृत्त में ही उपलब्ध हैं, और समकालीन वैज्ञानिक शोध में उन्ही विषयों पर 7 लाख से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध में उपलब्ध प्रमाणों के इस संक्षिप्त वर्णन, जो आयुर्वेद की समकालीन वैज्ञानिकता को दर्शित करता है, के बाद आगे यथासमय यहाँ प्रत्येक विषय पर पृथक-पृथक चर्चा तथा उपयोग-योग्य ज्ञान प्रस्तुत किया जाता रहेगा होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

क्या भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में ग्लोबल पहचान बना पाएगा?

अविनाश जोशी

भारतीय युवाओं के लिए अगला दशक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसरों का दशक है, जिसे प्रधानमंत्री ने 'इंडिया डेकेड' का नाम दिया है। भारत को सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनाने की दिशा में बीते सालो में हुई प्रगति उल्लेखनीय है। भारत आज बदलाव के महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे रोमांचक काल है, जब देश के युवाओं और छात्रों के लिए चाहे अंतरिक्ष का क्षेत्र हो या इलेक्ट्रानिक्स, इंटरनेट, एआइ या सेमीकंडक्टर, हर जगह जबर्दस्त अवसर हैं। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी तकनीकी विकास की नई ऊंचाइयां अमेरिका प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर के अगले दशक के लिए भारत के साथ साझेदारी कर रहा है। यह बताता है कि भारत की प्रौद्योगिकी क्षमताएं कितनी बढ़ गई हैं, खासकर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में, जहां दशकों से हमारी मौजूदगी अत्यल्प या बिल्कुल नहीं रही है। अवसर गंवाने, राजनीतिक और रणनीतिक दूरदर्शिता की कमी और अक्षमता के कारण इलेक्ट्रानिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की दास्तान दशकों तक निराशाजनक रही। मसलन, 1960 के दशक में, भारत ने सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई स्थापित करने के लिए 'फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर्स' जिनके संस्थापकों ने 'इंटेल' बनाया था के एक प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया, जो बाद में मलेशिया चला गया।

सेमीकंडक्टर को सिलिकॉन चिप के नाम से भी जाना जाता है। यह किसी भी इलेक्ट्रोनिक उत्पादक का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसके बिना कोई भी इलेक्ट्रोनिक उत्पाद नहीं बनाया जा सकता है। एलईडी बल्ब से लेकर मिसाइल और कार से लेकर मोबाइल और लैपटॉप में इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह चिप की इलेक्ट्रोनिक आइटम की मेमोरी को ऑपरेट करने का काम करती है। सेमी कंडक्टर का इस्तेमाल स्मार्ट वॉच, मोबाइल, टीवी, लैपटॉप, ड्रोन, एविएशन सेक्टर से लेकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में होता है।

सेमीकंडक्टर बनाना एक जटिल प्रक्रिया है। एक छोटे से सेमीकंडक्टर या चिप को बनाने की प्रक्रिया में 400-500 चरण होते हैं। इनमें से एक भी चरण अगर गलत हो गया तो करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। इसको बनाने के लिए जो जिन धातु और अन्य चीजों की जरूरत होती है वह कुछ ही देशों के पास है। वहीं इसकी डिजाइन की तकनीक भी चुनिंदा देशों के पास है। सेमीकंडक्टर माइक्रोचिप्स बनाने में इस्तेमाल होने वाली धातु पैलेडियम का सबसे बड़ा सप्लायर रुस है। भारत की बात करें तो दुनियाभर की सभी बड़ी आईटी और चिप निर्माता कंपनियों में भारतीय इंजीनियर काम करते हैं। यह इंजीनियर इन कंपनियों के लिए चिप डिजाइन करते हैं।

सेमी कंडक्टर बनाने के लिए एक चुनौती यह भी है कि कई कंपनियों ने अपने-अपने तरीके से कई तकनीकों का पेटेंट कराया है। यह कंपनियों अन्य कंपनियों से चिप का निर्माण कराती हैं। चिप निर्माण सेक्टर में तीन तरह की कंपनियां होती हैं। इनमें से कुछ कंपनियां चिप तैयार करती है। कुछ चिप बनाने के लिए जरूरी मशीन और सामान मुहैया कराती हैं और कुछ कंपनियां रिसर्च और डिजाइन का काम करती हैं। जिन कंपनियों में चिप का निर्माण होता है उन्हें फैब्स कहा जाता है। भारत में फिलहाल रिसर्च और डिजाइन से जुड़ी कंपनियां पहले से मौजूद हैं। भारत उपादन से जुड़ी कंपनियों पर अब जोर दे रहा है। पूरी चिप सप्लाई चेन के रेवेन्यू में चिप डिजाइनिंग, असेंबलिंग, टेस्टिंग, पैकेजिंग और मार्किंग की 50 फीसदी हिस्सेदारी है। ऐसे में भारत का फोकस इस क्षेत्र पर है।

दुनिया में जंगें अब सिर्फ देशों की सीमाओं पर नहीं लड़ी जातीं, आर्थिक मोर्चे पर भी होती हैं। अब जंग उच्च तकनीक के माध्यम से बाजार की ताकतों को अपने नियंत्रण में करने के लिए कौशल रूपी हथियार से लड़ी जा रही है। इस जंग में कई देश शामिल हैं, पर अमेरिका और चीन तकनीकी जंग के मोर्चे पर आमने-सामने खड़े हैं। यह जंग 'सेमीकंडक्टर' को लेकर है। यह एक चिप है, जो वास्तव में हमारे दैनिक जीवन की एक ताकत है। भविष्य में अमेरिकी, ताइवानी, चीनी और दुनिया की बाकी कंपनियों के बीच काफी रस्साकशी चलने वाली है। यह सब अत्याधुनिक 'लाजिक' और 'मेमरी चिप' उत्पादन के क्षेत्र में देखने को मिलेगा। अमेरिका चीन को नई खोज के संजाल से दूर रखना चाहेगा। वहीं चीन उन जगहों पर अपनी आपूर्ति शृंखला बनाने की कोशिश करेगा, जो अमेरिकी दबाव से मुक्त हैं।

सिलिकान का यह एक छोटा-सा टुकड़ा पांच सौ अरब डॉलर के उद्योग का केंद्र है, जिसकी कीमत 2030 तक दोगुनी होने का अनुमान है। इसकी आपूर्ति शृंखला को कौन नियंत्रित करेगा, इसको लेकर जंग जारी है। इन्हें बनाने वाली कंपनियों और देशों का एक पेचीदा संजाल है। इसकी आपूर्ति शृंखला का नियंत्रण ही वह कुंजी है, जो किसी को एक बेजोड़ महाशक्ति बना सकता है। चीन ये चिप बनाने की तकनीक चाहता है, पर अमेरिका, जो इस तकनीक का अधिकतर स्त्रोत अपने पास रखे हुए है, उसे पीछे धकेल रहा है।

सेमीकंडक्टर' का आविष्कार अमेरिका में हुआ था, लेकिन समय के साथ-साथ पूर्वी एशिया इसके 'उत्पादन केंद्र' के तौर पर उभर कर सामने आया। इसके लिए वहां की सरकारों की प्रोत्साहन राशि और सबसिडी जिम्मेदार थी। अमेरिका ने भी इस क्षेत्र में व्यापार विकसित करने के लिए रणनीतिक साझेदारियां कीं, क्योंकि रूस के साथ शीत युद्ध के समय से उसके इस क्षेत्र से संबंध कमजोर थे। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे के बाद यह अब भी अमेरिका के लिए महत्त्वपूर्ण है। अब दौड़ इन चिपों को बड़े पैमाने पर अधिक छोटा और कुशल बनाने की है। अब चुनौती यह है कि एक छोटे से सिलिकान वेफर पर कितने 'ट्रांजिस्टर' फिट हो पाएंगे, जो अपने आप चालू और बंद हो सकें। खासकर समय के साथ ट्रांजिस्टर के घनत्व को दोगुना करना एक बहुत मुश्किल लक्ष्य है।

यह हमारे फोन को अधिक तेज बनाता, डिजिटल फोटो संग्रह को और बड़ा करता, 'स्मार्ट होम डिवाइसेस' को समय के साथ अधिक 'स्मार्ट' बनाता और सोशल मीडिया सामग्री का दायरा फैलाता है। 2022 के मध्य में सैमसंग ऐसी पहली कंपनी बनी, जो तीन नैनोमीटर की चिप बनाने में सफल हुई थी। इसी साल के आखिर में ताइवान 'सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी' भी यह करने में सफल रही। यह दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी होने के साथ-साथ एप्पल की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता है। यह चिप इंसानी बाल के किनारे से भी छोटी होती है, जो कि पचास से एक लाख नैनोमीटर बारीक होती है। यह छोटी 'खास धार' वाली चिप बेहद शक्तिशाली होती है।

'सेमीकंडक्टर' को लेकर तकनीक के मोर्चे पर नई जंग, अमेरिका और चीन आमने-सामने

भविष्य में अमेरिकी, ताइवानी, चीनी और दुनिया की बाकी कंपनियों के बीच काफी रस्साकशी चलने वाली है। यह सब अत्याधुनिक 'लाजिक' और 'मेमरी चिप' उत्पादन के क्षेत्र में देखने को मिलेगा। अमेरिका चीन को नई खोज के संजाल से दूर रखना चाहेगा। वहीं चीन उन जगहों पर अपनी आपूर्ति शृंखला बनाने की कोशिश करेगा, जो अमेरिकी दबाव से मुक्त हैं। जब भी कोई ताकतवर देश 'एडवांस्ड कंप्यूटिंग' तकनीक हासिल करता है, तो वह उसका प्रयोग 'इंटेलिजेंस' और सैन्य प्रणाली में करता है। ताइवान और दूसरे एशियाई देशों पर निर्भरता के कारण अमेरिका इसे बनाने में अब तेजी ला रहा है। बाइडन प्रशासन चिप बनाने की तकनीक में चीन के आगे रोड़ा अटकाने की कोशिश कर रहा है। उसने इसे नियंत्रित करने के लिए पिछले साल कुछ नियमों की घोषणा की थी, जिनमें चीन को चिप्स बेचने, चिप बनाने के उपकरण और अमेरिकी साफ्टवेयर बेचने पर रोक थी।

भारत की बात करें तो सेमीकंडक्टर की मांग लगभग 24 बिलियन डॉलर है। 2026 तक यह मांग बढ़कर 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। 2030 तक ये आंकड़ा 110 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स के लिए भारत फिलहाल पूरी तरह आयात पर ही निर्भर है। देश में पेट्रोल और गोल्ड के बाद सबसे ज़्यादा आयात इलेक्ट्रॉनिक्स का होता है। इनमें भी करीब 27 फीसदी आयात सिर्फ सेमीकंडक्टर का ही होता है। दुनियाभर के लिए चिप का कारोबार कितना बड़ा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है 2026 तक भारत अपने इस मिशन पर 10 बिलियन डॉलर खर्च कर रहा है। वहीं अमेरिकी अगले दो साल में 208 बिलियन डॉलर और चीन इस पर करीब 1.4 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करेगा।

-अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

नानूवाली बावड़ी में कुंभाराम लिफ्ट परियोजना की पाइप लाइन लीकेज

पाइप लाइन लीकेज होने से रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के नानूवाली बावड़ी में पानी की लाइन लीकेज होने से पानी बर्बादी का मामला सामने आया है। यहां कुंभाराम लिफ्ट परियोजना की पाइपलाइन लीकेज होने से रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या दो-तीन महीने से चल रही है और इसके कारण वार्डवासी काफी परेशान हैं। ग्रामीण अशोक सैनी ने बताया कि कुंभाराम लिफ्ट परियोजना का पाइप लाइन लीकेज होने से एक किलोमीटर तक पानी व्यर्थ बहता है, जो रास्ते में आने से आमजन को भी काफी परेशानी होती है। खेतड़ी में पानी की कमी और बढ़ गई है। एक तरफ जहां हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है, वहीं खेतड़ी में आठ से दस दिनों में एक बार पानी आता है। ग्रामीण चंदगीराम सैनी ने बताया कि

कुंभाराम लिफ्ट परियोजना की पाइपलाइन लीकेज होने से रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है।

खेतड़ी में दस रोज से एक बार पानी आता है और वह पानी भी पर्याप्त मात्रा में नहीं आता है, जिससे कस्बेवासी बहुत परेशान है। कस्बेवासी अपने स्तर पर पानी की व्यवस्था करते हैं और महंगे भाव से पानी के टैंकर डलवाकर अपना काम चला रहे हैं। सरकार की ओर से कुंभाराम लिफ्ट परियोजना के तहत पानी की आपूर्ति की जा रही है, लेकिन पाइपलाइन लीकेज होने से यह पानी व्यर्थ बह रहा है। यह अधिकारियों की ओर से बड़ी लापरवाही है और इससे आमजन को काफी परेशानी हो रही है। पानी की बर्बादी से ग्रामीणों में आक्रोश है। वहीं ग्रामीण अधिकारियों से इस समस्या का समाधान करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों को पाइपलाइन की मरम्मत करनी चाहिए और पानी की बर्बादी को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

- **खेतड़ी में आठ से दस दिन में एक बार पानी आता है, कस्बेवासी परेशान**

कक्षा नौ और ग्यारह के परीक्षा कार्यक्रम में फेरबदल

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के नौंवी और ग्यारहवीं क्लास की राज्य स्तरीय समान परीक्षा के कार्यक्रम में फेरबदल कर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने दो और तीन मई को होने वाली परीक्षा को अब सात से दस मई के बीच कराने का निर्णय किया है। पहली बार प्रदेशभर में नौंवी और ग्यारहवीं की परीक्षा एक साथ हो रही है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि दो मई को सुबह पौने आठ बजे से ग्यारह बजे तक होने वाली कक्षा नौ का सामाजिक विज्ञान का पेपर अब इसी समय में सात मई को होगा। इसी तरह कक्षा नौ का स्वास्थ्य शिक्षा का पेपर अब गुरुवार आठ मई को सुबह पौने आठ बजे से ग्यारह बजे तक होगा। इसी तरह कक्षा 11 के पेपर में भी फेरबदल किया गया है। कक्षा ग्यारह का दो मई को होने वाला कृषि रसायन, रसायन विज्ञान, व्यावसायिक अध्ययन और इतिहास का पेपर अब सात मई को सुबह की पारी में होगा। इसी तरह तीन मई को होने वाला ग्यारहवीं का गृह विज्ञान का पेपर अब दस मई शनिवार को सुबह की पारी में होगा। सुबह की पारी सुबह पौने आठ बजे से ग्यारह बजे तक है। ये फेरबदल क्यों किया गया है इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। इससे पहले शिक्षा विभाग ने पांचवीं और आठवीं के बोर्ड पैटर्न एग्जाम करवाए थे, इसमें भी बार-बार फेरबदल किया गया।

- **2-3 मई को होने वाला पेपर अब 7 से 10 मई के बीच होगा, यह फेरबदल क्यों किया गया है, इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है**

राशिफल रविवार 27 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 1:01 तक, प्रीति योग रात्रि 12:19 तक, चतुष्पद करण दिन 2:55 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मेश, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 11:34 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:33 से 9:10 तक, लाभ अमृत 9:10 से 12:24 तक, शुभ 2:02 से 3:38 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 6:53

मेष

मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

वृष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
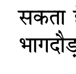

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क
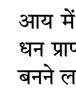

अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
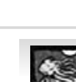

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
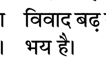

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
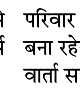

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
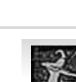

आत महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मकर
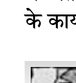

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
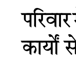

आवश्यक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मीन
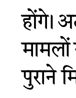

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

शादी-पार्टियों में सप्लाई को जा रहे नकली पनीर और घी पकड़ा

- पुलिस ने नौ आरोपियों को किया गिरफ्तार
- आरोपियों के पास से करीब 2 हजार 800 किलो मिलावटी पनीर और 35 किलोग्राम घी बरामद किया

जयपुर। बस्सी थाना पुलिस ने मिलावटी पनीर और घी को ले जाते पांच पिकअप जब्त कर नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से करीब 2 हजार 800 किलो मिलावटी पनीर और 35 किलोग्राम घी बरामद किया है। इनकी सप्लाई जयपुर में होने वाली शादी और पार्टियों में की जा रही थी।

आईपीएस अभिजीत पाटिल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि मिलावटी डेयरी उत्पादों की खेप जयपुर की ओर जा रही है। इस पर बस्सी थाना पुलिस ने टीम का गठन किया। टीम ने राजाधोक टोल प्लाजा के पास देर रात नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान पुलिस ने पांच पिकअप गाड़ियों को रोका और चेक किया। चेकिंग के दौरान पिकअप में करीब 2800 किलोग्राम मिलावटी पनीर और 35 किलोग्राम नकली घी भरा हुआ था। इस पर पुलिस ने पांचों पिकअप जब्त कर मिलावटी उत्पाद बरामद कर लिए। पुलिस ने शिवदयाल, अरमान, साहिब खान, अंगद राम, हसन खान, रोहिताश, इरशाद, वारिश खान व मुस्तकीम मेव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मेवात व आस पास के इलाकों में मिलावटी पनीर व घी तैयार कर जयपुर शहर में सप्लाई करते है।

पुलिस गिरफ्त में चल रहे आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वे पहले भी इस तरह की सप्लाई कर चुके हैं। ये लोग शादी का ऑर्डर लेते हैं। माल एक- दो दिन में खप जाता है। किसी को पता भी नहीं चलता। दुकानों में सप्लाई इसलिए नहीं करते क्योंकि अगर माल काफी दिनों तक रुक जाता है। वह सड़ने लगता है। इसलिए मिलावटी पनीर की सप्लाई केवल शादी पार्टी के लिए ही किया जाता है।

बुजुर्ग दम्पत्ती का ध्यान भटका कर रुपये छीने

जयपुर। जयपुर घूमने आए बुजुर्ग दंपत्ति का ध्यान भटका कर दो युवक 10 लाख रुपए से भरा बैग ले गए। पीडित के पौत्र ने कानोता थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार रायपुर छत्तीसगढ़ निवासी गगनदीप अरोडा ने मामला दर्ज करवाया कि उसके दादा व दादी जयपुर घूमने आए थे। इस दौरान वे आगरा रोड पर स्थित एक होटल व गेस्ट हाउस में रुके थे। वहां पर दादा के मित्र का बेटा राहुल शर्मा और राजू प्रजापति आए और उनका ध्यान बंटा कर 10 लाख रुपए का भरा नीले रंग का बैग ले गए।

भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह ताड़केश्वरजी मंदिर में हुई महाआरती

सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की ओर से मनाये जा रहे भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह के अन्तर्गत शनिवार को भगवान ताड़केश्वर मंदिर में 5100 दीपकों से महाआरती का आयोजन किया गया।

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ द्वारा मनाये जा रहे भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह के अन्तर्गत आज चौड़ा रास्ता स्थित भगवान ताड़केश्वर मंदिर में 5100 दीपकों से महाआरती का आयोजन किया गया।

सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम की संयोजक पूजा शर्मा ने बताया कि महासभा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में विप्रजनों ने महाआरती में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा को और अधिक बढ़ा दिया। वहां उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं विप्रजन ने भगवान परशुराम एवं ताडकेश्वर नाथ के जयकारे लगाकर महाआरती के महोत्सव को और अधिक मंलगमय बना दिया। मंदिर में शंख, घंटी, घडियाल बज रहे थे एवं पण्डित सस्वर पाठ कर रहे थे।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री नीलम मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव और भगवान परशुराम का शास्त्रों में अलग-अलग चित्रण मिलता है जो कि प्रेरणास्पद है और भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह में आयोजित सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज का हित एवं कल्याण स्वरूप कदम उठाना है। इस अवसर पर भगवान ताड़केश्वर जी का विशेष श्रृंगार भी किया गया और बाबा के जयकारे लगाये।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा कि राष्ट्रीय महामंत्री सविता शर्मा जयपुर शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत हवामहल अध्यक्ष लक्षण शर्मा युवा प्रकोष्ठ जयपुर शहर अध्यक्ष दिनेश शर्मा के महामंत्री मनोज जोशी प्रमोद शर्मा राजेश शांडिल्य एडवोकेट कमलेश शर्मा हवामहल पार्षद प्रत्याशी कमला शर्मा ,सुनीता शर्मा, ब्रजलता शर्मा, मधु मिश्रा, ज्योति शर्मा, सरोज शर्मा, अनीता शर्मा , सोनू शर्मा मधु शर्मा संगीता शर्मा तारकेश्वर मंदिर पिंकी शर्मा शशि शर्मा सुनीता शर्मा सुशीला शर्मा प्रियंका शर्मा शोभा शर्मा स्वामी ने मिलकर तारकेश्वर भगवान की महाआरती की।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान अव्वल रहा

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के संबंध में किये गये प्रयास रंग लाए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को कड़ी मेहनत से हासिल की गई इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयास रंग लाए हैं, राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के सम्बन्ध में 3 अप्रैल को बैठक आयोजित कर उनके द्वारा आईसीडीएस (महिला एवं बाल विकास विभाग) के अधिकारियों को दिए गए निर्देशो ने साकार रूप लिया है।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए थे कि 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक आयोजित हो रहे राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर अपने पिछले प्रदर्शन चौथी रैंक में सुधार करते हुए इस बार पहला स्थान प्राप्त करने हेतु कड़ी मेहनत करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा उक्त निर्देशों की पालना में की गई कड़ी मेहनत रंग लाई है। इस बार 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक आयोजित राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस बार राजस्थान के मुकाबले छत्तीसगढ़ 9 लाख एंट्रीज से पीछे छूट गया है। पहले स्थान पर रहें राजस्थान के 33 जिलों द्वारा इस बार 11860962 गतिविधियों की एंट्रीज की गई। जबकि दूसरे स्थान पर रहे छत्तीसगढ़ के 33 जिलों द्वारा 10951961 गतिविधियों की एंट्रीज की गई है। वहीं तीसरे स्थान पर रहें महाराष्ट्र के 36 जिलों द्वारा 6712236 गतिविधियों की एंट्रीज की गई है।

उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को कड़ी मेहनत से हासिल की गई इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'पोषण अभियान' का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका उद्देश्य देश में ''जन आंदोलन के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना'' है।

जज्बे और प्रतिभा को कोई नहीं रोक सकता : देवनानी

- सेरेब्रल पालसी रोग से ग्रसित बच्चों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं संगोष्ठी
- 'विशेष योग्यजन व्यक्ति में एक कमी के बावजूद दूसरी क्षमता अपार होती है, जिससे उनका जीवन उज्ज्वल बन सकता है'

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विशेष योग्यजन राष्ट्र की पूंजी और धरोहर है। लोगों को इन्हें सम्मान देना चाहिए। परिवार समाज और चिकित्सा के सहयोग से ही हम वातावरण को बदल सकते है। उन्होंने कहा कि दिवयांग्ता अभिशाप नहीं है। यह चुनौती है। विशेष योग्यजन व्यक्ति में एक कमी के बावजूद दूसरी क्षमता अपार होती है, जिससे उनका जीवन उज्ज्वल बन सकता है। ऐसे बच्चों को प्यार, स्नेह, सम्मान, समझ, समर्पण और समान अवसर दिये जाने की आवश्यकता है।

देवनानी शनिवार को यहां पंचायती राज संस्थान में शारदा शिक्षा एवं विकास समिति द्वारा आयोजित सेरेब्रल पालसी रोग ग्रसित विशेष योग्यजन बच्चों के उपचार हेतु आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर और संगोष्ठि को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता है, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस पुण्यदायि कार्य में प्रत्येक व्यक्ति को सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। समारोह को डॉ. तरल नागदा, वैध गोपेश बंसल और नीलम शर्मा ने भी सम्बोधित किया।

रीको ने 182 भूखंडों का आवंटन कर 300 करोड़ रुपये का लक्ष्य प्राप्त किया

- औद्योगिक भूमि आवंटन योजना में 650 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की भूमि बिक चुकी
- प्रत्यक्ष आवंटन योजना के दूसरे चरण के आवेदन 15 मई से प्रारंभ

जयपुर। रीको द्वारा चलाई जा रही प्रत्यक्ष भूमि आवंटन योजना के पश्चात् ई-ऑक्शन को भी निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' के तहत रीको की पहल से निवेशकों में भारी उत्साह देखने को मिला है। अब तक रीको द्वारा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 650 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की औद्योगिक भूमि का सफलतापूर्वक आवंटन किया जा चुका है।

रीको द्वारा 7 अप्रैल से प्रारंभ किए गए ई-नीलामी कार्यक्रम के तहत 197 भूखंडों के लिए 493 आवेदन प्राप्त हुए। इस नीलामी के माध्यम से लगभग 300 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित होने की संभावना है। साथ ही, रीको द्वारा 182 भूखंडों का आवंटन कर 300 करोड़ रुपये का लक्ष्य प्राप्त किया गया है।

'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' के दौरान विभिन्न निवेशकों के साथ हुए एमओयू के बाद औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया को गति मिली है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप, 'प्रत्यक्ष भूखंड आवंटन नीति-2025' के तहत भी निवेशकों को भूखंड आवंटन हेतु अवसर प्रदान किया जा रहा है। रीको द्वारा अब तक 350 करोड़ रुपये के भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें से 98 भूखंडों के लिए ऑफर लेटर जारी कर दिए गए हैं तथा शेष आवेदनों की कार्यवाही प्रगतिरत है।

उल्लेखनीय है कि रीको ने औद्योगिक भूखंडों के साथ-साथ अब वाणिज्यिक एवं संस्थागत उपयोग हेतु भी भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया अगले सप्ताह प्रारंभ हो जाएगी। इसके अंतर्गत होटल, हॉस्पिटल, शिक्षण संस्थान, रिटेल दुकानें आदि के लिए भी भूखंड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन एवं वाणिज्य के क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। लगभग 500 भूखंडों को वाणिज्यिक एवं संस्थागत उपयोग के लिए चिह्नित किया गया है, जिनके लिए भी शीघ्र ही ई-नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

देश की जांच एजेंसियां कर रही है निष्पक्ष कार्य : मदन राठौड़

- 'सोनिया, राहुल और वाड्रा सहित कई कांग्रेस नेता जमानत पर बाहर आकर आरोप लगा रहे हैं, यह उचित नहीं'

.। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जो लोग भ्रष्टाचार करेंगे, उन्हें सजा अवश्य मिलेगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो जांच की, उसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है और यह पूरी तरह से कानून का काम है, जिसमें भाजपा का कोई हस्तक्षेप नहीं है। राठौड़ ने कांग्रेस के नेताओं राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और सोनिया गांधी के जमानत पर आकर प्रताड़ना का आरोप लगाने पर कहा कि गलती करने के बाद मिथ्या आरोप लगाना, यह उचित नहीं है।

मदन राठौड़ ने कहा कि कानून सभी के लिए एक समान है। जांच एजेंसियां स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं और वे निष्पक्ष रूप से स्वतः निर्णय लेती हैं। किसी भी राजनीतिक पार्टी के आधार पर जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं करती है और न ही करनी चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक पार्टी को पुलिस, कानून या न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने गहलोत के बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा कि गहलोत स्वयं विधायक है, वे विधानसभा प्रस्ताव ला सकते है, तो उन्हें ऐसा करना चाहिए और सरकार उसमें विचार करेगी। केवल घड़ियाली आंसू बहाना सही नहीं है। सहानुभूति हासिल करने के लिए इस तरह के बयानबाजी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आतंकी हमलों में अपनों को खोने वालों के साथ खड़ी है और सभी को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। राठौड ने यह स्पष्ट किया कि पार्टी न्यायिक प्रक्रिया में पूर्ण विश्वास रखती है और सभी को जांच एजेंसियों के साथ हमारी न्याय प्रणाली पर विश्वास करना चाहिए।

डिलीवरी एजेंट ने चुराए साढ़े तीन लाख के पार्सल

जयपुर। मालपुरा थाना इलाके में डिलीवरी एजेंट द्वारा साढ़े तीन लाख रुपए के 100 पार्सल चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार नरेंद्र कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह ब्ल्यू डार्ट एक्सप्रेस का मैनेजर है। कम्पनी में काम करने वाले डिलीवरी एजेंट पिंटू चेजारा ने कम्पनी ने धोखाधडी कर करीब साढ़े तीन लाख रुपए के सामान के 100 पार्सल पार कर दिए।

सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने वाला चढा पुलिस के हत्थे

- पॉक्सो एक्ट के आरोपी को जमानत देने पर जमानती ने फर्जी आधार कार्ड और फर्जी असल जमाबंदी पेश

जयपुर। सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने वाले एक फर्जी जमानती को गिरफ्तार किया है।फर्जी जमानती ने पॉक्सो एक्ट के आरोपी को जमानत देने पर फर्जी आधार कार्ड और फर्जी असल जमाबंदी पेश की थी। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने वाले फर्जी जमानती 65 वर्षीय राज बहादुर निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर हाल करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पॉक्सो एक्ट के आरोपी को जमानत देने पर जमानती ने फर्जी आधार कार्ड और फर्जी असल जमाबंदी पेश की थी। जिसे जब्त कर जांच पड़ताल कर रही है।

थानाधिकारी निरमा पुनिया ने बताया कि आरोपी राजबहादुर से पूछताछ में सामने आया कि स्वयं का असल नाम राजबहादुर निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर हाल करणी विहार जयपुर बताया है और उसके कब्जे से खाता संख्या 09 खसरा नम्बर 122 ग्राम कोटखावदा की असल जमाबंदी मिली। जिसके बारे में पूछताछ करने पर सामने आया कि मुल्जिमों द्वारा अपने सहयोगी कादिर निवासी शास्त्री नगर जयपुर ई मित्र संचालक द्वारा तैयार कर सेशन कोर्ट में फर्जी जमानत देने के लिए बनाया गया है। वहीं न्यायालय के समक्ष पेश जमाबंदी फर्जी होना राजस्व रिकॉर्ड के मुताबिक पायी गयी। आरोपित राजबहादूर के कब्जे से मिले असल फर्जी जमाबंदी व रंगीन फर्जी आधार कार्ड को जरिये जब्त किये गये। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है। वहीं वांछित आरोपी कादिर अपने घर से फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है।

'लघु और मध्यम समाचार पत्रों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, जिनका उन्हें मुकाबला करना होगा'

- एसोसिएशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया के 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन और पांच दशक तक पत्रकारिता करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों का अभिनन्दन समारोह

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के सभागार में एसोसिएशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यजपेपर्स ऑफ इण्डिया के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन में विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एसोसिएशन की स्मारिका कलम कुम्भ और अनुराग शर्मा का काव्य संग्रह गूंजता एकांत का विमोचन किया। इस मौके पर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चंदोला मौजूद थे।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लघु और मध्यम समाचार पत्रों के सामने अनेक चुनौतियां है, जिनका उन्हें मुकाबला करना होगा। उन्होंने कहा कि पारदर्शी निष्पक्ष विज्ञापन नीति को अपनाने की जरूरत है। इसके लिए वे राज्य सरकार और केन्द्र सरकार को लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के लिए आवश्यक बिन्दुओं के बारे में अवगत कराएंगे। श्री देवनानी ने कहा कि समाचार पत्रों को राष्ट्रभक्ति और सनातन संस्कृति के साथ आगे बढना चाहिए।

देवनानी शनिवार को यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के सभागार में एसोसिएशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यजपेपर्स ऑफ इण्डिया के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन और पांच दशक तक पत्रकारिता करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों के अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने समारोह में 28 वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया। दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह के आरम्भ में पहलगाम की घटना में दिवंगत हुए लोगों के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। देवनानी ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ और जनतंत्र की नींव है। आजादी के आन्दोलन और आपातकाल में समाचार पत्रों ने मिशन के तौर पर कार्य किया। लोगों के भाव जागृत किये, मुद्दे उठाए जिनके आधार पर आज लोकतंत्र चल रहा है। आज के बदलते डिजिटल दौर में भी प्रिन्ट मीडिया का अपना महत्व है। समाचार पत्रों के सम्पादकीय पृष्ठ नई पीढी को आगे बढाने में बेहतर भूमिका निभाते है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि अब कोई भी राष्ट्र नायकों का अपमान नहीं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि कुछ दलों के नेतागण ने देश के नायकों के अपमान का सिलसिला जारी रख एक माहौल बनाने की कोशिश की थी। ऐसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुंह तोड जवाब मिला है।

विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि देश में विचित्र परिस्थितियों के साथ अनायस हमले ने भारत माता को चुनौती दी है। भारत हर चुनौती का मुकाबला करता रहा है। अब भी भारत चुनौतियों पर विजयी रहेगा और भारत माता की जय विश्व में गूंजेगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की साख को बढाने के लिए पत्रकारों ने ईमानदारी से कार्य किया है। राजस्थान की पत्रकारिता गौरवशाली रही है। छोटे अखबारों के पत्रकार भी पत्रकारिता के आदर्श है। समारोह को एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चंदोला, राष्ट्रीय महामंत्री शंकर कतीरा, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द छाबडा ने भी सम्बोधित किया। समारोह में देवनानी ने एसोसिएशन की स्मारिका कलम कुम्भ और अनुराग शर्मा का काव्य संग्रह गूंजता एकांत का विमोचन किया।

पांच दशक की पत्रकारिता करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों प्रवीण चन्द छाबडा, विनोद भारद्वाज, सुधीन्द्र पटेल, रामस्वरूप सोनी, एस.सी.जैन, वेदवृत शर्मा, आर.के.जैन राधेश्याम, ओम सैनी, गोपाल गीतेश, आनन्द शर्मा, बृहस्पति शर्मा, पदम मेहता, गुलाब बत्रा, प्रकाश भण्डारी, सत्य पारीक, सत्यनारायण शर्मा, आशा पटेल, एल.सी. भारतीय, जगदीश शर्मा, महेश शर्मा, महेश झालानी, अजय ढढडा और हरि सिंह सोलंकी को सम्मानित किया गया।

पीड़ितों के एलआईसी दावों का शीघ्र निपटारा होगा

जयपुर। एलआईसी ऑफ इंडिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष नागरिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। एलआईसी ऑफ इंडिया प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए दावों के निपटान में तेजी लाएगी। एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की। मृत्यु प्रमाण पत्र के बदले, आतंकवादी हमले के कारण पॉलिसीधारक की मृत्यु के सरकारी रिकॉर्ड में कोई भी सबूत या केंद्र/राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया गया कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि दावेदारों तक पहुँचा जाए।

शाम-ए-हसरत कार्यक्रम में प्रस्तुत गीतों पर श्रोता झूमे

जयपुर। संगीत ग्रुप अरुणाज़ गीत गाता चल की ओर से गा मेरे मन गा-सीजन 4 के तहत प्रस्तुत कार्यक्रम शाम-ए-हसरत में पेश बॉलीवुड के पुराने गीतों का श्रोताओं ने जमकर लुत्फ़ उठाया। एक के बाद एक सुपरहिट गीतों की प्रस्तुति पर दर्शक झूमते नजर आये। गा मेरे मन गा-सीजन 4 जाने-माने गीतकार हसरत जयपुरी को समर्पित किया गया। कार्यक्रम में उनके द्वारा लिखे गए लोकप्रिय गीतों की महफ़िल सजाई गई। 1950 से 1980 के दशक के लगभग 30 मीठे-मधुर गीतों को गायक-गायिकाओं ने अपनी दिलकश आवाज में पेश किया। प्रारम्भ में कार्यक्रम की अध्यक्ष देवरंजनी म्यूजिक स्कूल की निदेशक सरिता द्विवेदी और विशिष्ट अतिथि कांता धवन, राजीव दीवान, महेश माहेश्वरी, अनुराग माहेश्वरी, आयुष कल्ला और रजनी कोठारी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।संस्था की तरफ से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। कथक नृत्यांगना निष्ठा जैन ने सरस्वती वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संयोजिका अरुणा जैन के साथ अजय कल्ला, वीनू मित्तल, अटल शर्मा, वर्षा श्रीवास्तव, श्वेता मिश्रा, पुखराज गांधी, शशि तिवारी, ऋतु माथुर, प्रेम भारती, दिव्या भारती, जया कल्ला, रेनू माथुर, विक्टर मोटवानी, संध्या शील, रजनीश उपाध्याय, शास्त्रीय गायक अंजन चौधरी, पी एन माथुर, इंदुमति, जितेंद्र नाग, इला नाग, अम्बे माथुर, रेनू जैन, देवेन्द्र सिन्हा और पी सी जैन ने अपने फ़न से सुरमयी गीतों की लड़ी पिरोई। संगतकारों में की-बोर्ड पर कपिल बालोदिया, गिटार पर अंशु सक्सेना और पवन बालोदिया, ढोलक पर पावन डांगी, तबला पर सावन डांगी और ऑक्टोपैड पर इरशाद ख़ान ने गायक कलाकारों का भरपूर साथ दिया।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में चूरू, झुंझुनूं शांतिपूर्ण बंद रहे

विहिप और बजरंग दल के आव्हान पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रखे

चूरू, (निसं)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा 27 पर्यटकों की निर्मम हत्या करने के विरोध में शनिवार को चूरू के बाजार पूर्णतया: शांतिपूर्वक बंद रहे। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आव्हान पर व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रखकर मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गढ़ चौराहे पर संगठन के कार्यकर्ताओं व सर्व समाज के लोगों ने इकट्ठा होकर इस्लामिक आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला फूंककर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष मेजर विनोद शर्मा ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद आतंकवादियों ने पहलगाम घाटी में पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मौत के घाट उतार दिया, जिसकी संपूर्ण देश ने निंदा की है। केन्द्र सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए पाकिस्तान के साथ हुए सिंधु समझौते को बन्द कर दिया। साथ ही पाकिस्तान के लोगों को 24 घण्टे में भारत छोड़ने के निर्देश भी दिए थे।

इस घटना को लेकर चूरूवासियों में भी व्यापक आक्रोश देखने को मिला। इस दौरान जिला संघ संचालक ओम प्रकाश सैनी ने भी आतंकवाद को जमकर कोसा और प्रशिक्षु एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर शहर के अनेक स्थानों पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद था। इस अवसर पर हरीश बजाज, महेश गौड़, विनोद राठी, कपिल चंदेल, विनोद औझा, गोपीराम शर्मा, बजरंग दल सह संयोजक कमलेश राव, सुनील भाऊवाला, सुरेश सारस्वत, मुकेश सैन, आशीष चोटिया, राकेश सोनी, प्रदीप सिंह ढाढ़र, विमला शर्मा, किशोर चंदेल सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

■ झुंझुनूं में मेडिकल, दूध व अन्य आवश्यक सेवाओं को बंद से बाहर रखा गया, लोगों ने आतंकी हमले की निंदा की

चूरू में व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रखकर मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी।

झुंझुनूं बंद को मुस्लिम संगठन और जनवादी संगठनों ने समर्थन दिया

■ बंद में निजी स्कूलें और आटो यूनियन भी शामिल रही, बंद के दौरान झुंझुनूं शहर में चारों तरफ सन्नाटा पसरा रहा

झुंझुनूं, (निसं)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध और मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को झुंझुनूं शहर बंद रहा। झुंझुनूं शहर बंद पूरी तरह से सफल रहा। इस बंद का आव्हान हिंदूवादी संगठनों ने किया था, जिसके बाद मुस्लिम संगठन और जनवादी संगठनों ने भी इस बंद को अपना समर्थन दिया। बंद में निजी स्कूलें और आटो यूनियन भी शामिल रही। बंद के दौरान झुंझुनूं शहर में चारों तरफ सन्नाटा पसरा रहा। मुस्लिम इलाकों में भी बाजार पूरी तरह से बंद रहे और सन्नाटा पसरा रहा।

बंद सफल के बाद सभी संगठनों के प्रतिनिधि रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और वक्ताओं ने इस घटना का बदला लेने के लिए केंद्र सरकार से अपील की। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह की घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए। इसके बाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। अब तक ऐसे किसी ज्ञापन को देने के लिए कलेक्टर के पास एक प्रतिनिधिमंडल जाता है, लेकिन बंद करवा रहे संगठनों के प्रतिनिधियों की भावना और मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर रामावतार मीणा खुद अपनी कुर्सी छोड़कर कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंचे और ज्ञापन लिया। कलेक्टर के इस कदम की सभी संगठनों ने प्रशंसा करते हुए झुंझुनूं कलेक्टर जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

इससे पहले दुकानें, बाजार, व्यावसायिक प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहे। हालांकि मेडिकल, दूध व अन्य आवश्यक सेवाओं को इससे बाहर रखा गया था। बंद के दौरान लोगों ने आतंकी हमले की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बंद में गौ संवर्धन संस्थान के जिलाध्यक्ष प्रवीण स्वामी, विश्व हिंदू परिषद के योगेंद्र कुंडलवाल, जिला मंत्री जयराज जांगिड़, बजरंग दल के सुशील प्रजापति, राजपूत समाज के रविंद्र तोलियासर, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संदीप गोयल, श्रीगणेश युवा मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा, हिंदू नागरिक मंच के धर्मेन्द्र तंवर, श्रीबालाजी व्यायामशाला के सोनू नायक की अगुवाई में शांतिपूर्ण किया गया। उसके बाद सर्व हिंदू समाज के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनियां, डॉ. राजेश बाबल, कुलदीप पूनियां, प्रमोद जानूं, रामगोपाल महमिया, कैलाश शर्मा टैक्सी यूनियन, भोपालसिंह बस यूनियन अध्यक्ष, सूरजगढ़ से नवीन रामबास, महेश जीनगर, अजीत जखोड़ा, पार्षद संजय पारीक, चंद्रप्रकाश शुक्ला, विजय कुमार सैनी, प्रमोद खंडेलिया, रणवीर झुरिया, पंकज टेलर, जगदीश गोस्वामी, सोनू पुरोहित, एडवोकेट पंकज बावलिया, सुनील प्रधान, नरेंद्र शर्मा, सौरभ पुरोहित, जयकिशन शर्मा, श्रीकांत पंसारी, अनूप गाडिया, कमल केजड़ीवाल, सौरभ जोशी, विजयशंकर जोशी की अगुवाई में आक्रोश रैली गांधी चौक से कलेक्ट्रेट तक निकाली गई। पहली बार झुंझुनूं में ऐतिहासिक बंद रहा। इसमें मुस्लिम समाज का भी योगदान रहा। उनके प्रतिष्ठान पूर्णतया बंद रहे। उन्होंने मीटिंग लेकर के बंद का समर्थन किया था।

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ ने सख्ती बढ़ाई

बीकानेर के देशनोक करणी मंदिर सहित सभी प्रमुख स्थलों पर पुलिस और गुप्तचर एजेंसियों की नजर

बीकानेर, (निसं)। पहलगाम में आतंकी घटना के बाद राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ ने सख्ती बढ़ा दी है। राजस्थान सेक्टर पर स्थित सभी पर्यटन स्थलों पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है।

राजस्थान सेक्टर के आईजी एमएल गर्ग ने कहा कि बीकानेर के देशनोक करणी मंदिर सहित सभी प्रमुख स्थलों पर पुलिस और गुप्तचर एजेंसियां नजर रखे हुए है। प्रशासन और पुलिस के साथ मिलकर निगरानी रखी जा रही है। आईजी ने कहा कि बीएसएफ हमेशा हर हालात से निपटने में सक्षम है। आईजी पश्चिमी राजस्थान से सटे बॉर्डर की चैक पोस्ट का निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान बीकानेर में मीडिया से बात करते हुए पहलगाम की घटना से जुड़े सवाल पर कहा कि घटना कहीं भी हो सकती है। हमें सरकार और फोर्स के साथ खड़े होना है। किसी भ्रम में नहीं पड़ना है। ऐसा नहीं है कि किसी चीज का जवाब नहीं दिया जाएगा। ये दो देशों के बीच का मुद्दा है, इसे अन्य किसी नजरिए से नहीं देखना चाहिए। पिछले दो दिन में जैसलमेर और बीकानेर सेक्टर की पोस्ट का निरीक्षण किया गया है। सभी पोस्ट अलर्ट हैं। कहीं किसी तरह की समस्या नहीं है।

आईजी ने पाकिस्तानी नागरिकों को निकालने के मुद्दे पर कहा कि ये काम प्रशासन कर रहा है। सीमा सुरक्षा बल की पोस्ट पर जवानों से मिलने और चर्चा करने के सवाल पर गर्ग ने कहा कि ये सामान्य गतिविधि है। दिल्ली से लेकर फ्रंटियर तक जवानों से मुलाकात हो रही है। अधिकारियों के साथ मीटिंग हो रही है ताकि कोई एक्शन हो तो सभी को सूचना रहें। कहीं किसी तरह की लापरवाही ना रहें। आईजी ने कहा कि क्या हुआ है, हम सभी को पता है। इस दौरान कई तरह की भ्रामक खबरें आती हैं। किसी तरह के बहकावे में न आएं और न ही उन पर किसी तरह का कमेंट करना चाहिए। गर्ग ने इशारा किया कि सभी तरह की सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। गर्ग ने बताया कि राजस्थान में तापमान बढ़ रहा है। इस बार पचास डिग्री से ऊपर जाएगा। ऐसे में सीमा पोस्ट पर बैठे जवानों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जा रही है। पोस्ट पर छाछ-दही इत्यादि हर रोज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जवान को गर्मी से बचाने की कोशिश हो रही है। वैसे बीएसएफ का जवान सर्दी और गर्मी दोनों की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी काम करने में सक्षम है।

बछार गांव में पैंथर पिंजरे में कैद हुआ

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के बछार गांव में शनिवार को एक लेपर्ड पिंजरे में कैद हो गया। कैली तालाब के पास वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में सुबह लेपर्ड को देखकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचित किया। वनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर लेपर्ड को रेस्क्यू कर उदयपुर भेजा।

ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में तीन लेपर्ड का आतंक था जो लगातार गांव के बाड़ों में घुसकर पशुओं का शिकार कर रहे थे। इससे परेशान ग्रामीणों ने वन विभाग में शिकायत की थी जिस पर विभाग ने शुक्रवार को पिंजरा लगाया था। ग्रामीणों का कहना है कि अभी भी दो लेपर्ड क्षेत्र में देखे जा रहे हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। शिकायत के एक दिन बाद ही पिंजरा लगाया गया, जिसमें लेपर्ड कैद हो गया। विभाग के अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में अन्य लेपर्ड की मौजूदगी की जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पिंजरे लगाए जाएंगे।

योग्यताविहीन अभ्यर्थियों ने डिप्टी कमांडेंट के आवेदन भरे

■ आरपीएससी की आवेदन दस्तावेजों की जांच में हुआ खुलासा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा उपसमादेष्टा (गृह रक्षा विभाग) भर्ती 2025 के निकाली गई डिप्टी कमांडेंट की भर्ती में बिना योग्यता आवेदन करने का मामला सामने आया है। इसका खुलासा आयोग की आवेदन दस्तावेजों की जांच में हुआ है। आयोग ने ऐसे में वांछित योग्यता न होने पर भी ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विड्रॉ करने का अवसर दिया है।

आयोग सचिव ने बताया कि 18 मार्च को उपसमादेष्टा (गृह रक्षा विभाग) भर्ती 2025 का विज्ञापन जारी कर 24 मार्च से 22 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। विज्ञापन में उल्लेखित अनिवार्य योग्यताओं अनुसार उक्त पदों के लिए आवेदन करने हेतु केवल सेना के कैप्टन स्तर के सेवानिवृत्त या त्यागपत्र देने वाले भूतपूर्व अधिकारी अथवा इमरजेंसी व शॉर्ट सर्विस कमीशन से मुक्त-विमुक्त ही पात्र हैं। भर्ती के लिए इस प्रकार की विशिष्ट योग्यता होने के उपरांत भी अनेक अयोग्य अभ्यर्थियों ने इस पद के लिए आवेदन किया है। अनपेक्षित संख्या में ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने पर प्राप्त आवेदनों की आयोग द्वारा जांच की गई। आयोग द्वारा योग्यता न होने पर भी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आगाह किया है कि वे अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र 9 मई तक विथड्रॉ कर लेवें अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

आयोग के सचिव ने बताया कि डिप्टी कमांडेंट पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने वाले विज्ञापन के अनुसार वांछित अनिवार्य योग्यताधारी अभ्यर्थियों को भी अपना सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ 9 मई तक अपलोड करना होगा। सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र अपलोड करने हेतु ऑनलाइन संशोधन एवं ऑनलाइन आवेदन विथड्रॉ करने का लिंक उक्त दिनांक तक सक्रिय रहेगा।

कुएं पर मोटर चलाते होद में गिरा युवक, मौत

युवक को तैरना नहीं आने से वह पानी में ही डूब गया

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के अजमेरों की ढाणी में शनिवार को कुंए पर पानी की मोटर चलाने के दौरान असंतुलित होकर पानी से भरे होद में गिरने व पानी में डूबने से युवक की मौत हो गई।

मिली जानकारी में सामने आया कि अजमेरों की ढाणी निवासी 20 वर्षीय युवक मनीष पुत्र अर्जुन वर्मा शनिवार की दोपहर अपने खेत पर पानी की मोटर चला रहा था। इसी दौरान पास ही बने तकरीबन 25 फीट गहरे पानी के होद की दीवार से असंतुलित हो युवक पानी में जा गिरा। युवक को तैरना नहीं आने से युवक पानी में ही डूब गया। धमाके की आवाज सुन दौड़े परिजनों ने खेतों में काम कर रहे लोगों के सहयोग से तत्काल बाहर निकाल 108 एम्बुलेंस की सहायता से मालपुरा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां परिजनों ने युवक को वार्ड में भर्ती करवाया। तकरीबन आधा घंटे तक वार्ड के इमरजेंसी में उपचार तो दूर ईसीजी तक की सुविधा नही मिली। मजबूरन परिजनों ने बाहर से ईसीजी मंगवा युवक की धड़कन जांची। रिपोर्ट के बाद चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित किया।

दो बहिनो पर इकलोते भाई की दर्दनाक मौत से परिवार मे कोहराम मच गया। द्वितीय वर्ष मे अध्ययनरत मृतक मनीष के पिता ने दो दिन पहले ही बेटे को उच्च शिक्षा ग्रहण करवाने के लिये कॉलेज की फीस जमा करवाई थी। परिवार में शादी होने के चलते युवक घर पर आया हुआ था।

हाइवे पर चोरी की योजना बनाते तीन गिरफ्तार

■ ट्रेलर व सोने-चांदी के जेवर बरामद

उदयपुर, (निसं)। खेरोदा थाना पुलिस ने हाइवे पर चोरी की योजना बनाते चोर गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से ट्रेलर व सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विश्नोई के नेतृत्व में गठित दल 25 अप्रैल को नवानिया पुलिया के पास हाइवे 48 पर नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान रोड़ किनारे ट्रेलर खड़ा था। मौके पर पहुंचने पर तीन व्यक्ति पुलिस को देख भागे जिन्हें पिछा कर दबोचकर पूछताछ की तो जयपालसिंह पुत्र घनश्याम निवसी चितावड़ा बिजौलिया भीलवाड़ा, सज्जन पुत्र राधेश्याम निवासी दुधीतलाई निवासी विजयपुर चित्तौड़गढ़, सिकन्दर पुत्र मांगीलाल निवासी हांडी पिपलिया मनासा नीमच एमपी बताया। जिनकी तलाशी ली तो ट्रेलर चालक की सीट नीचे पड़े बैग में सोने-चांदी के आभूषण व नकदी व लोहे के सरिये पड़े मिले। पूछताछ में आरोपियों ने जेवरात बनासकांठा गुजरात से चोरी करना कबूल किया। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि ट्रेलर साथ में रखते हैं तथा रात के समय सरिये से ताले तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं।

छत से गिरकर महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में मकान की छत से गिरने पर महिला की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजपोल थाना क्षेत्र मोगरावाड़ी में स्थित मकान की छत से गिरने पर रोजी सिनेमा के पिछे कालपुर अहमदाबाद निवासी फरजाना बानू (45) पत्नी युनुस खां की मौत हो गई। फरजाना अपने रिश्तेदार के यहां मोगरावाड़ी में शादी समारोह में आई थी। शुक्रवार रात में परिजनों के साथ मकान की छत पर सोई थी। दूसरे दिन तड़के जाग होने पर संतुलन बिगड़ने पर वह नीचे गिर गई। परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। सूरजपोल थाना एसआई विरमसिंह एमबी चिकित्सालय मोर्चरी पहुंच पुत्री नफीसा द्वारा रिपोर्ट देने पर बिना पोस्टमार्टम कराए शव परिजनों को सौंपा।

अपराध की योजना बनाने वाले छह युवक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर की गोवर्धन थाना पुलिस ने आमजन में भय पैदा करने व अपराध की योजना बनाने के मामले में छह युवकों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने अभियुक्त रोहित निमावत उर्फ आरडीएक्स पुत्र दुर्गेश निमावत निवासी होली घाटी फलासिया, हनी निमावत उर्फ डोमेशन पुत्र मांगीलाल निमावत निवासी खटीकवाड़ा धानमण्डी, अंश गहलोत पुत्र महेश गहलोत निवासी नाईवाड़ा धानमंडी, अक्षय खूबचंदानी पुत्र दीपक खूबचंदानी निवासी सिंधी कॉलोनी शिव मंदिर के पास प्रतापनगर, अरदीन उर्फ लाला पुत्र साईदखान निवासी शांतिनगर हिरणमगरी से. 5 हाल खांजीपीर सूरजपोल तथा इस्माईल उर्फ मन्नू उर्फ बड़ा मेवाती पुत्र मो. जलील मेवाती निवासी धोलीमगरी सज्जननगर को गिरफ्तार किया। रोहित के खिलाफ पांच, हनी निमावत के खिलाफ नौ, अंश गहलोत के खिलाफ आठ, अक्षय के खिलाफ तीन, अरदीन के खिलाफ 11 तथा इस्माईल उर्फ मन्नू उर्फ बडा मेवाती के खिलाफ 7 अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

गत दिनों मुखबीर से मिली सूचना के पर गोवर्धन विलास थानाधिकारी की टीम ने जोगी तालाब की पाल से आरोपी रोहित निमावत उर्फ आरडीएक्स को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से एक देशी पिस्टल बरामद किया, जिससे पूछताछ के बाद रोहित निमावत को गिरफ्तार किया। प्रकरण दर्ज होने पर की गई पूछताछ के आधार पर अंश गहलोत, हनी निमावत, अक्षय खूबचंदानी, अरदीन उर्फ लाला को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूर्व में विरेन्द्र निमावत निवासी खटीकवाड़ा हाथीपोल पर हमला कर घायल किया था। जिससे दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है।

लूट मामले में तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने हाइवे पर खड़े ट्रक के चालक के साथ मारपीट कर मोबाइल व नकदी लूट के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पीड़ित विरेन्द्र पुत्र नारायणलाल निवासी उड़ जीला सिरोही ने रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 30 जनवरी रात में परसाद से खेरवाड़ा की तरफ मुंगफली से भरा ट्रक लेकर जा रहा था। कागदर में बाइपास पर पैट्रोल पम्प के पास ट्रक खड़ा कर रस्सा खींच रहा था। इसी दौरान आए तीन युवक चाकू दिखाकर मेरा मोबाइल व 29 हजार रूपये नकदी जेब से निकाल ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर ऋषभदेव थानाधिकारी भरतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित दल ने पीड़ित से की गई पूछताछ एवं मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर सोमा पुत्र कचरा निवासी कागदर माण्डवा ऋषभदेव, बाबूलाल, चुन्नीलाल पुत्र नानका निवासी कागदर मांडवा ऋषभदेव को गिरफ्तार किया।

65.25 लाख का डोडा-पोस्त बरामद

जालोर जिले के नोसरा पुलिस ने अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया।

■ स्कॉर्पियो कार में भरे 4.35 क्विंटल अवैध डोडा-पोस्त को बरामद किया

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के नोसरा पुलिस ने शनिवार को मिठड़ी ग्राम सरहद में स्कॉर्पियो वाहन में भरे 4.35 क्विंटल अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया। बरामद डोडा-पोस्त की बाजार किमत 65.25 लाख रूपये आंकी गई है। अवैध डोडा-पोस्त के परिवहन में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त किया है।

महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार जोधपुर, रेंज जोधपुर के द्वारा रेंज में अवैध मादक पदार्थ व अवैध शराब परिवहन की रोकथाम के लिए "मिशन मदमर्दन" के तहत कार्रवाई करने के निर्देशानुसार ज्ञानचन्द्र यादव, जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों व अवैध शराब की बड़ी खेप की धरपकड़ एवं बड़े सरगनाओं तथा आपूर्तिकर्ताओं के विरूद्ध कार्रवाई के लिए चलाये जा रहे "ऑपरेशन भौकाल" के तहत नोसरा थानाधिकारी पन्नालाल के नेतृत्व में शनिवार को सुबह लॉकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्रवाई के लिए हल्का क्षेत्र में गश्त की जा रही थी, इस दौरान थाना हल्का क्षेत्र के गांव मिठड़ी से देसु जाने वाली मगडियां रोड के बीच-बीचों खड़ी स्कोर्पियो वाहन की सूचना मिलने पर मौके पर जाकर देखा जाने पर अवैध डोडा-पोस्त से भरी हुई पाई जाने पर स्कॉर्पियो वाहन से अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामद किया। पुलिस ने उक्त डोडा-पोस्त को बरामद आगे की कार्रवाई शुरु की।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने सपरिवार द्वारिकाधीश के दर्शन किये

राजसमंद, (निसं)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शनिवार को अपने शाही लवाजमे के साथ कांकरोली स्थित पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शन किए। यह अवसर इसलिए भी विशेष था क्योंकि द्वारिकाधीश मंदिर के पीठाधीश्वर मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के गुरु हैं और पाग दस्तूर की रस्म के बाद यह पहली बार था, जब लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ सपरिवार प्रभु द्वारिकाधीश के दर्शन करने पहुंचे थे। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ का मंदिर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

मंदिर के युवराज वेदांत कुमार और सिद्धांत कुमार ने उनकी अगवानी की। गोवर्धन चौक पर द्वारकाधीश मंदिर के सुरक्षा प्रभारी लक्ष्मीलाल खण्डेलवाल के नेतृत्व में जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जबकि मंदिर का बैंड मधुर ध्वनि बिखेर रहा था। यहां से डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ सीधे बैठक हॉल में पहुंचे, जहां उन्होंने विराजमान पीठाधीश्वर डॉ. वागीश कुमार महाराज को दंडवत प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात, उन्होंने प्रभु द्वारिकाधीश के राजभोग झांकी के दर्शन किए और प्रभु के समक्ष लेटकर प्रणाम किया। गोस्वामी वागीश कुमार महाराज ने आरती उतारी। इसके बाद, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनके परिवार ने छोटे मंदिर मथुराधीश और ठाकुलालजी के भी दर्शन किए और भेंट पूजा अर्पित की। इस दौरान गोस्वामी वागीश कुमार महाराज ने लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनके पुत्र हरितराज सिंह के गले में कंठी धारण करवाई। वहां से पूरा परिवार जनाना महल पहुंचा, जहां मेवाड़ राजवंश की परंपरा के अनुसार पीठाधीश्वर डॉ. वागीश कुमार महाराज सहित गोस्वामी परिवार के सदस्यों का फूलमाला, वस्त्र अर्पण और दक्षिणा भेंट कर स्वागत किया गया। दर्शनों के उपरांत, श्री द्वारिकाधीश मंदिर में पीठाधीश्वर गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार महाराज ने मंदिर की परंपरा के अनुसार डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को पान बीड़ा, इकलाई और प्रसाद प्रदान किया तथा उन्हें रजाई ओढ़ाकर सम्मानित किया।

राजसमंद में द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शन के उपरान्त डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ का सम्मान किया।

बाड़मेर के जेठानंद पंवार को पुरस्कार मिलेगा

बाड़मेर/जयपुर। राजस्थानी भाषा के संवर्द्धन और प्रोत्साहन में संलग्न प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा राजस्थानी भाषा के पैंतीस वर्ष से कम के युवाओं को दिया जाने वाला वार्षिक दुर्गेश युवा पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए बाड़मेर के युवा कवि जेठानंद पंवार को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष और जाने माने साहित्यकार डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि 23 अगस्त 2001 में बाड़मेर के गांव झाक में जन्मे जेठानंद पंवार को उनकी काव्यकृति 'थूं जाग मिनख' के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। संस्थान सचिव कमल शर्मा ने बताया कि युवा कवि पंवार को चूरू में प्रस्तावित समारोह में पुरस्कार स्वरूप इक्कावन सौ रुपये नगद, शॉल, श्रीफल और मानपत्र प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चूरू के दिवंगत साहित्यकार, लघु कथाकार और कार्टूनिस्ट दुर्गेश की स्मृति में संस्थान द्वारा वर्ष 2016 से प्रारंभ इस पुरस्कार से अबतक काळू-बीकानेर के कमलकिशोर पीपलवा, उदयपुर की रीना मेनारिया, सूरतगढ़ के सतीश छींपा, राजपुरा-तारानगर के उम्मेद धानिया, जैसलमेर के महेंद्रसिंह छायण, गुसाईंसर बड़ा-बीकानेर के पूनमचंद गोदारा आदि युवा साहित्यकार समादृत हो चुके हैं।

होटल में चल रही रेव पार्टी, 40 युवक-युवतियां गिरफ्तार

होटल संचालक को भी शराब परोसते गिरफ्तार किया गया है

जयपुर। बगरू थाना थाना इलाके में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक होटल में चल रही रेव पार्टी पर छापेमारी करते हुए चालीस युवक-युवतियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में शराब जब्त की गई। इसके अलावा होटल संचालक को भी शराब परोसते गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि बगरू थाना थाना इलाके में शुक्रवार-शनिवार की मध्य रात्रि को सूचना मिली थी कि इलाके के हिम्मतपुरा स्थित होटल कैएलम अथर्वा पैलेस एंड रेस्टोरेंट में रेव पार्टी चल रही है।

इसके बाद कुछ पुलिसकर्मियों को सादा वर्दी में मौके पर भेज कर तस्दीक कराई गई। जहां पुलिसकर्मियों के इशारा मिलने पर रात डेढ़ बजे बगरू और बिंदायका थाने का जाब्ता मौके पर भेजा गया। जहां पुलिस कार्रवाई के दौरान बडी संख्या में युवक-युवती नशे की हालत में मिले तो कुछ पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। जिन्हे पकड कर पूछताछ की गई और साथ ही होटल संचालक को मौके पर बुलाया गया।

बगरू थाना थाना इलाके में एक होटल में चल रही रेव पार्टी पर छापेमारी करते हुए चालीस युवक-युवतियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने होटल संचालक से शराब परोसने संबंधित आबकारी के दस्तावेज मांगे गए। लेकिन संचालक दस्तावेज नहीं दिखा पाया। इसके बाद होटल संचालक मुकेश गुर्जर को गिरफ्तार किया गया।

वहीं होटल में चल रही रेव पार्टी के दौरान सोयब निवासी शास्त्री नगर, रौनक निवासी वैशाली नगर, लोकेश निवासी सवाई माधोपुर, मोहर सिंह निवासी सांगानेर, मुकेश शर्मा निवासी बगरू, प्रदीप सुराणा निवासी बीकानेर, नवीन सैनी निवासी झुन्झुनू, चन्द्र प्रकाश गर्ग निवासी सवाई माधोपुर, अनिल केडिया निवासी महेश नगर, सतीश सैनी निवासी महेशनगर, शैलेन्द्र गोयल निवासी बारां, आशीष खंडेलवाल निवासी कोटा, सिराजुद्दीन निवासी शास्त्री नगर, आशिष शर्मा निवासी बगरू, निखिल माहेश्वरी निवासी यूपी, साबीर निवासी शास्त्री नगर, राजेन्द्र कुमार निवासी शाहपुरा, भागीरथ कुमार निवासी कोटपूतली, सुनील निवासी भीलवाड़ा, विकास खंडेलवाल निवासी कोटा, रामनिवास निवासी मुरलीपुरा, महिपाल निवासी नागौर, बनवारी लाल निवासी झोटवाड़ा, जितेन्द्र कुकरेजा निवासी कोटा, राहुल स्वामी निवासी कालवाड, रामसिंह निवासी झुन्झुनू, रामप्रकाश निवासी मुहाना, मंजित सैनी निवासी सवाई माधोपुर, महेन्द्र सैनी निवासी सवाई माधोपुर, विष्णु रैगर निवासी अजमेर, मुरलीधर निवासी टोंक, सोहन शर्मा निवासी बगरू, गिर्राज सैनी निवासी मानसरोवर, भोलानाथ शर्मा निवासी ज्योतिनगर, मोहनलाल शर्मा निवासी बगरू, रणजीत सिंह निवासी वैशाली नगर, नरपतराम निवासी नागौर और कपिल निवासी कोटा को गिरफ्तार किया गया। सभी लोगों को बिंदायका थाने में रखा गया है।

ई-रिक्शा चुराने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ब्रह्मपुरी थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा चुराने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया

- **दो ई-रिक्शा और 12 बैटरी सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन जब्त**

है और उनके पास से दो ई-रिक्शा और 12 बैटरी सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुन्दन कंवारिया ने बताया कि सीएसटी ने ब्रह्मपुरी थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा चुराने वाले शातिर बदमाश किशोर सिंह और राजेन्द्र शर्मा को गिरफ्तार किया है और दोनों ही बदमाश ब्रह्मपुरी थाना इलाके के रहने वाले है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो ई-रिक्शा, 12 बैटरी सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन (स्कूटी) जब्त की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित चोरी करने से पहले वाहनों की रेकी करते है और फिर वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते है। वहीं आरोपित नशा करने के आदि है और नशा पूर्ति के लिए नशा करते है।

ऋणी के साथ मारपीट कर गाड़ी छीनने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23 अप्रैल को एक ऋणी के साथ मारपीट कर गाड़ी छीनने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से छीनी गई गाड़ी भी जब्त

- **पुलिस ने छीनी गई गाड़ी भी की बरामद**

की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23 अप्रैल को एक ऋणी राजेश शर्मा के साथ मारपीट कर गाडी छीनने वाले आरिफ खान निवासी हिण्डौन सिटी जिला करौली,अनवर अली निवासी मालपुरा जिला टोंक, किशन हंस निवासी मदनगंज जिला अजमेर और राहुल राज मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

मानसरोवर थाना पुलिस ने एक ऋणी के साथ मारपीट कर गाड़ी छीनने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है कि परिवादी राजेश शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपनी गाड़ी से जा रहा था और उसकी गाड़ी पर एयू बैंक से फाइनेंस था। साथ ही गाडी की दो किस्त बकाया चल रही थी। जहां फाइनेंस वाले लडको ने आकर उसके साथ लोहे के पाइपो व डंडों से मारपीट कर रास्ते में पटक कर गाड़ी लेकर चले गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चिन्हित करते हुए पकड़ा है।

स्मैक की तस्करी करने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक

- **उसके पास से 1.65 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और ब्रिकी राशि के चौबीस सौ रुपये जब्त किए गए है**

महिला तस्कर को पकडा है और उसके पास से 1.65 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और ब्रिकी राशि के चौबीस सौ रुपये जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व)तेजस्वनी गौतम ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाली एक महिला तस्कर निशा सिंह निवासी फतेहपुर सीकर जिला आगरा(उत्तर प्रदेश) को थाना इलाके में स्थित टीला नंबर दो जवाहर नगर से गिरफ्तार किया है।

जिसके पास से 1.65 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और ब्रिकी राशि के चौबीस सौ रुपये बरामद किए है। पुलिस आरोपित महिला तस्कर से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

मालवीय नगर में श्रद्धांजलि सभा

जयपुर। मालवीय नगर के करधनी शॉपिंग सेंटर पर आज सर्व समाज ने एकत्र होकर पहलगाम नरसंहार में जान गंवाने वाले नागरिकों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर एवं शांति प्रार्थना कर अपनी भावनाएं प्रकट की। पार्षद गोविन्द सिंह छीपा ने बताया कि यह सभा स्वतः स्फूर्त थी। जिसका आयोजन और संयोजन आम जनता द्वारा ही किया गया। बड़े पैमाने पर लोगों के इकठ्ठा होने की खबर पाकर स्थानीय पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचा। हालांकि सभा शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गई और किसी तरह की कोई अप्रिय बात नहीं हुई।

कैफे की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर पुलिस ने मारी रेड

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने कैफे की आड़ में चल रहे अवैध हुक्का बार पर कार्रवाई करते हुए कैफे संचालक और मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है।

- **एक दर्जन से अधिक हुक्के, चिलम, पाइप, कटोरी, कई फ्लेवर जब्त**

पुलिस ने वहां से एक दर्जन से अधिक हुक्के,चिलम, पाइप, कटौरी व कई फ्लेवर जब्त किया है। यह हुक्का बार थाना इलाके में स्थित षिप्रापथ रोड मानसरोवर पर संचालित रोज़िल्यन स्काई लाउंज कैफ में चल रहा था।

इसके अलावा पुलिस ने कई मामलो मे वांछित पुलिस थाना आदर्श नगर का हार्डकोर अपराधी आनन्द शांडील्य को भी पकडा है। यह हार्डकोर अपराधी के आनन्दपाल गैंग व लॉरेंस बिश्नोई गैंग से सम्पर्क रह चुके है ।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आंनद ने बताया कि मानसरोवर थाना इलाके मे पिछले कुछ दिनों से रोज़िल्यन स्काई लाउंज कैफ की आड़ में नौजवानों को हुक्का पिलाने की सूचना मिल रही थी।

जिस पर एक पुलिसकर्मी को सादा वर्दी में भेज कर इसकी तस्दीक करवाई। इसके बाद पुलिस ने छापा मार कर कैफे संचालक अजय राज सिंह और मैनेजर हार्दिक सिंह राजावत को गिरफ्तार कर

मानसरोवर थाना पुलिस ने कैफे की आड़ में चल रहे अवैध हुक्का बार के संचालक और मैनेजर को गिरफ्तार किया है।

लिया। साथ ही पुलिस ने वहां से एक दर्जन से अधिक हुक्के, चिलम, पाइप, कटिंग व कई फ्लेवर जब्त किया है। कार्यवाही के दौरान कैफे से पुलिस थाना आदर्श नगर जयपुर पूर्व का एचएस व हार्डकोर अपराधी आनंद शांडिल्य निवासी आदर्श नगर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी आनंद शांडिल्य पूर्व में आनंदपाल गैंग व लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य रह चुका है। आरोपी आनंद शांडिल्य जयपुर शहर के चर्चित मर्डर केस हिम्मत सिंह राजपुरा में आरोपी रहा है तथा पुलिस थाना जवाहर नगर में दर्ज प्रकरण जिसमे लॉरेन्स बिश्नोई गैंग द्वारा शहर के बिल्डर से मांगी फिरौती में मुख्य आरोपी रहा है । आनंद शांडिल्य वर्तमान मे मिषू कम्पनी के प्रबंधकों को धमकी देने के सम्बन्ध में पुलिस थाना रामगंज में वांछित चल रहा था।

फिल्मी स्टाइल में ज्वैलरी शॉप लूटने वाले बदमाश गिरफ्तार

दो देशी कट्टे, तीन जिंदा कारतूस, दो बाइक सहित एक कंटेनर जब्त

जयपुर। बगरू थाना पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में ज्वैलरी शॉप लूट मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से अवैध हथियारों के साथ वारदात में यूज दो बाइक व एक कंटेनर जब्त किया है। पूछताछ में सामने आया है कि जेल से छुटकर आए दो दोस्तों ने जल्द पैसा कमाने के चलते प्लान बनाया था। फिल्मी स्टाइल में रैकी के बाद देसी बम फोड़कर मार्केट में दहशत फैलाने के साथ गोलियां चला ज्वैलरी शॉप लूटी। पुलिस को चकमा देने के लिए बाइक से वारदात करने के बाद कंटेनर में छिपकर भागे थे। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 22 अप्रेल को ज्वैलरी शॉप लूट मामले में आरोपित कन्हैया लाल शर्मा उर्फ चिकू पण्डित (20) निवासी तारानगर जिला चुरु, सोहेल पठान (20) निवासी नया शहर बीकानेर हाल गुलजारपुरा मोहल्ला उदय मंदिर जिला जोधपुर और प्यारे लाल लुहार (37) निवासी जहाजपुर जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। बदमाश कन्हैया लाल शर्मा बगरू रिको एरिया में रहकर आईएमएल कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में काम करता है। उसकी कंपनी में प्यारे लाल कंटेनर ड्राइवर है। वहीं इस मामले में फरार साथी कौशल निवासी बगरू की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो देसी कट्टा, तीन कारतूस, रेकी व वारदात में प्रयुक्त दो बाइक, फरारी में प्रयुक्त कंटेनर और लूटी गई ज्वैलरी बरामद की है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर डेटा बेस तैयार करने के साथ रुट मैप बनाया गया। लुटेरों की पहचान के बाद मुखबिर खास की सूचना पर जोधपुर में दबिश देकर सोहेल को पकड़ा गया। गिरफ्तार सोहेल से पूछताछ के बाद दबिश देकर कन्हैया लाल और प्यारे लाल को पकड़ा गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी कन्हैया लाल शर्मा और सोहेल पठान की जेल में मुलाकात हुई थी।

कन्हैया लाल पर पूर्व आर्म्स एक्ट के मुकदमे में उसका दोस्त कौशल केशवार है। सजा काटने के बाद कन्हैया लाल और कौशल जेल से बाहर आकर बगरू रीको एरिया में रहने लगे। बगरू रीको एरिया में स्थित आईएमएल कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में दोनों काम करने लगे। जल्द पैसा कमाने के चलते दोनों यारों ने बैंक या ज्वैलरी शॉप लूट की प्लानिंग बनाई। प्लान के तहत दोनों ने बगरू स्थित मुथुत फाईनेंस बैंक

बगरू थाना पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में ज्वैलरी शॉप लूट मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

की रेकी की। इसके साथ ही आस-पास की ज्वेलरी दुकान, बीकानेर की फेमस ज्वेलरी शॉप, तारानगर चुरू में पीएनबी बैंक के पास ज्वैलर्स की रेकी की। रेकी पूरी कर दोनों ने बगरू इलाके स्थित ज्वेलरी शॉप को लूटना तय किया। कन्हैया लाल ने कॉन्टैक्ट कर सोहल को जोधपुर से जयपुर बुलाया। प्लान बताते हुए बाइक से सोहेल को भी कई बार ज्वैलरी शॉप की रेकी करवाई गई। पुलिस को चकमा देने के लिए उन्होंने कंपनी के कंटेनर ड्राइवर प्यारे लाल को शामिल किया। पूछताछ में सामने आया है कि वारदात कर भागने के बाद पुलिस उनकी बाइक को चिन्हित कर पीछा करती रहती। कंटेनर में छिपकर आसानी से पुलिस को चकमा देकर वह फरार हो जाते। इस कारण उन्होंने प्यारे लाल को शामिल किया, जिसका काम उन्हें वारदातस्थल के पास छोड़ना और वारदात करने के बाद सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का था।

गौरतलब है कि बगरू के जुगल बाजार में मनमोहन शर्मा की रत्नेश्वरी ज्वैलर्स के नाम से ज्वैलरी शॉप पर लूट की गई। 22 अप्रेल की शाम को कंटेनर से वारदातस्थल के पास तीनों बदमाश पहुंचे। रोड किनारे कंटेनर को खड़ा कर ड्राइवर प्यारे लाल निगरानी रखने लगा। बाइक पर उसके तीनों साथी ज्वैलरी शॉप को लूटने निकल गए। ज्वैलरी शॉप पर पहुंचते ही तीनों बदमाशों ने देसी कट्टे निकाल लिए।

शॉप के बाहर निकलकर देसी बम फोड़े। एक हाथ में देसी कट्टा लहराते हुए आस-पास के दुकानदारों को पास में नहीं आने के लिए धमकाने लग गए। मार्केट में दहशत का माहौल फैलाने के बाद ज्वैलरी शॉप के काउंटर के पास आकर शीशे के गेट पर गोली चलाई। जिससे शॉप में मौजूद लोग डर गए। शॉप में रखे सोने-चांदी के गहनों को 2 बैग में भरकर तीनों बदमाश बाइक से भाग निकले। वारदातस्थल से कुछ दूरी पर खड़े कंटेनर में छिपकर वहां से फरार हो गए।

केयर टैकरों ने चुराए जेवर-नकदी

जयपुर। एक बीमार महिला की देखभाल के लिए कंपनी के माध्यम से लगाए केयर टेकरों ने घर से जेवरात व नगदी पार कर ली। इस पर पीड़ित ने गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार जीएडी फ्लैट्स गांधी नगर निवासी अनिल कुमार महर्षि ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी बीमार मां की देखभाल के लिए राहत हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से घर पर केयर टेकर लगाए गए थे। मां की देखभाल के लिए घर पर मनीष, ममता वर्मा, नीलम और ज्योति आती थी।

24 अप्रेल को घर पर एक निजी कार्यक्रम था तो इस पर अलमारी चैक की गई तो उसमें रखे 2 लाख रुपए, तीन जोडी सोने के कड़े, चांदी की चार जोडी पायजेब, सोने की 10 जोडी बाली सहित अन्य सामान गायब मिला। हमें शक है कि कम्पनी के द्वारा माता की देखभाल के लिए लगाए गए केयर टेकरों द्वारा ही इस वारदात को अंजाम दिया गया है। मामले की जांच एएसआई राज सिंह यादव कर रहे है।

सार-समाचार

शहर के 15 प्रमुख क्षेत्रों में लगभग 5000 बच्चे लेंगे समर कैंप का आनंद

जयपुर। बच्चों को रचनात्मक, तकनिकी और अभिव्यक्ति गतिविधियों में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एक्ट टू एक्शन समर कैंप 2025 का आयोजन होने जा रहा है। 25 मई से 15 जून तक चलने वाले अनोखे समर कैंप में इस बार 5000 से अधिक बच्चें हिस्सा लेने वाले है। ये कैंप शहर के 15 प्रमुख क्षेत्रों में आयोजित होगी। कैंप के समापन समारोह के लिए प मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। कैंप में 3 से 15 वर्ष तक के बच्चें के साथ ही 15 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के लिए मोबाइल फिल्म मेकिंग और इवेंट मैनेजमेंट जैसे स्किल ट्रेनिंग विषयों पर तैयार किया जाएगा। इस समर कैंप को बच्चों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी पोस्टर विमोचन के साथ अपना सहयोग दिया।इस अवसर पर एक्ट टू एक्शन संस्था के डायरेक्टर कृतेश, उनकी टीम, और अन्य सहयोगी सदस्य उपस्थित रहे। कैंप का आयोजन जयपुर के जगतपुरा, वैशाली नगर, झोटवाड़ा, कालवाड़ रोड, मानसरोवर, पुराना शहर, अंबाबाड़ी, सीतापुरा सहित 15 विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा। कृतेश ने बताया कि यह समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें तीन प्रमुख संस्थाएं क्रिआर, स्किलोनेशन किड्स और एक्ट टू एक्शन मिलकर बच्चों को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित करेंगी। क्रिआर संस्था कैनवास आर्ट के माध्यम से बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को विकसित करेगी। स्किलोनेशन किड्स रोबोटिक्स और कोडिंग के माध्यम से तकनीकी और तार्किक सोच को मजबूत बनाएगी। एक्ट टू एक्शन थिएटर प्रशिक्षण के ज़रिए बच्चों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता और टीम वर्क को प्रोत्साहित करेगी।

एनएसई ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना जताई

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। इस अमानवीय हमले में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों की सहायता के लिए एनएसई ने 1 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है, जिसके तहत प्रत्येक परिवार को लगभग 4 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। एनएसई इस दुःख और संकट के समय देश के साथ खड़ा है।एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ आशीषकुमार चौहान ने कहा,यह हमारे देश के लिए सामूहिक शोक का क्षण है। हमारी प्रार्थनाएं और भावनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। हम इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़े हैं और हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अपेक्स विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

जयपुर। अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर और सार्क जर्नलिस्ट फोरम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "दक्षिण एशियाई देशों में शांति और सद्भाव की स्थापना में पत्रकारिता की भूमिका" का भव्य आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस संगोष्ठी में विभिन्न देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और छात्रों ने भाग लिया है। इस अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में पांच तकनीकी सत्रों तथा दो ऑनलाइन सत्रों में 75 से अधिक शोध पत्र पढ़े गए। नेपाल तथा श्रीलंका से आये पत्रकार प्रतिनिधिमंडलों ने इसमें सम्मिलित होकर क्षेत्र के विकास को लेकर चिंताएं साझा की। दो दिनों तक चली इस संगोष्ठी में विविध सत्रों का आयोजन हुआ, जिनमें पत्रकारिता की भूमिका, शांति निर्माण के उपाय और क्षेत्रीय सहयोग पर गहन विचार-विमर्श हुआ। प्रोफेसर संजीव ने कहा कि मीडिया के माध्यम से सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देकर शांति के प्रयासों को मजबूत किया जा सकता है। डिजिटल मीडिया आज न केवल सूचना का सशक्त माध्यम बन चुका है, बल्कि यह युवाओं को जागरूक करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का जरिया भी बन रहा है। इस गरिमामयी सम्मेलन की अध्यक्षता एसजेएफ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजू लामा ने की। इस अवसर पर राहुल समंथा (अध्यक्ष-श्रीलंका चैप्टर), डॉ अनिरुद्ध सिद्धांशु(अध्यक्ष-भारत चैप्टर), डॉ. संजीव भानावत एवं डॉ. स्मिता मिश्रा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपेक्स यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ रवि जूनीवाल ने कहा कि अपेक्स विश्वविद्यालय एवं एसजेएफ के इस संयुक्त प्रयास ने दक्षिण एशिया में शांति, सहयोग और पत्रकारिता की सार्थक भूमिका को नए आयाम दिए हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में इस प्रकार के आयोजन का विशेष महत्व है।

जोधरावाला के संस्कृत विद्यालय का कायाकल्प

जयपुर। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, जोधरावाला के जर्जर भवन को मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान ने नैक आरसीएम कंपनी के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी प्रोग्राम के अंतर्गत जीर्णोद्धार कर एक आधुनिक, सुरक्षित और बाल-मित्र (चाइल्ड फ्रेंडली) शिक्षा स्थल में परिवर्तित कर दिया है। यह पुनर्निर्माण न केवल छात्रों के लिए प्रेरणादायक शैक्षिक वातावरण प्रदान करेगा, बल्कि ग्रामीण शिक्षा के स्तर को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में नैक आरसीएम कंपनी के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट सुजीत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। ट्रस्ट संरक्षक ओमप्रकाश पोद्दार, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता के.सी. वर्मा एवं प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी भी विशिष्ट अतिथियों में शामिल थे। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पारंपरिक साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया।स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य, ट्रस्ट के सदस्य व मीडिया प्रभारी, प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने जानकारी दी कि ट्रस्ट भामाशाहों, कंपनियों और बैंकों के सहयोग से राज्य के सरकारी विद्यालयों के जीर्णोद्धार का कार्य कर रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा में सुधार आया है।

#GENETICS

Are Twins Alike in Their Allergies?

Do identical twins share the same allergies, or do they develop their own unique reactions? Let's unravel the mystery of genetics and environment.

Twins, especially identical ones, often seem like they share everything, from physical traits to mannerisms. But what about allergies? Is it possible that identical twins share the same allergic reactions, while fraternal twins have completely different ones? The answer lies in a fascinating mix of genetics, environment, and a touch of unpredictability.

Genetics: The Blueprint of Susceptibility

Allergies are essentially a case of the immune system going into overdrive, reacting to harmless substances like pollen, pet dander, or certain foods. This overreaction is triggered by the production of immunoglobulin E (IgE), a specific antibody. While the cause of allergies isn't entirely understood, genetics plays a significant role. If parents have allergies, it's more likely their children will develop them too. But, as with all things related to genetics, the picture is more complex. In the case of twins, the type of twins, identical or fraternal, makes a big difference. Identical twins, who share almost identical genetic material, are often believed to be at greater risk of sharing similar allergies. However, that doesn't mean that they will have identical allergic reactions to the same allergens.

Identical Twins: Same Genes, Different Allergic Responses?

Given that identical twins come from a single fertilized egg and share the same genetic blueprint, you might expect them to have the same allergies. And indeed, studies show that identical twins are more likely to share allergies than fraternal twins. If one twin has an allergy to peanuts, the other is more likely to have the same reaction. However, identical twins aren't always mirror images of each other in terms of allergies. While they may be more predisposed to develop similar allergic conditions, environmental factors like where they live, their diet, and even how they were raised can influence whether they develop the same allergies. One twin might have a severe reaction to an allergen, while the other could have only mild symptoms or none at all.

Fraternal Twins: Less Alike, but Still Connected

Fraternal twins, who come from separate eggs and share about 50% of their genetic material (just like any other siblings), have a more unpredictable allergy experience. While they share some genetic similarities, their immune systems can react differently to the same allergens. As a result, fraternal twins might develop entirely different allergies, such as one being allergic to nuts while the other is allergic to pollen.

The Environment: The Wild Card in Allergy Development

While genetics is a key factor in determining susceptibility to allergies, the environment is the wild card. Whether it's pet dander, air pollution, or even the foods twins eat, external factors can have a significant impact on whether they develop allergies and which ones they develop.

Not Always a Perfect Match

While identical twins do have a higher likelihood of sharing similar allergies, they're not guaranteed to be allergic to the same things. Fraternal twins might have entirely different allergic reactions, even if they share a similar genetic background. Ultimately, allergies are a complex mix of genetics, environment, and timing, and while twins may have many things in common, their allergic reactions might not be one of them. So, while their bond is undeniable, allergies are one aspect where they might not always be in perfect sync.

The Unspoilt Kashmir

An illustration showing the Nala Mar way in 1870.

Bernier proceeds to extol Srinagar as emblematic of the valley's cultivated beauty, strewn as it was with lush orchards, paddy fields and quaint hamlets along the riverbanks. He admires aspects such as the king's Shalimar pleasure gardens with their tree-lined canals and fountains, the royal Takht-i-Sulaiman hill crowned with ancient Hindu and Muslim monuments, as well as the bustling timber houses and floating gardens on the iconic Dal Lake. Captivated by this 'enchanting scene,' he argues passionately that Kashmir merits its exalted sobriquet as the 'paradise of the Indies' and should rightfully hold Mughal sway over the neighbouring mountain kingdoms as far as Ceylon.

This is the Poonch side of the breathtaking Mughal Road as captured from Pir Ki Gali. KL Image: Bilal Bahadur

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Travels in the Mogul Empire is the first authoritative translation into English of Francois Bernier's Histoire de la derniere revolution des etats du Grand Mogol, published in Paris in 1670-71. Bernier witnessed firsthand the bloody civil war and succession struggle of 1656-59 in which Aurangzeb, a younger brother of Dara Shikoh, seized the Mughal throne. In 1664, Bernier traveled with Aurangzeb to Kashmir, 'commonly called the paradise of India,' becoming most likely the first European to visit the province. Bernier wrote several long letters to correspondents in France, in which he gave detailed descriptions of economic conditions and religious and social customs in northern India, including one to Jean-Baptiste Colbert, finance minister to King Louis XIV.

Bernier's writings reflect his access to the beating heart of the Mughal Empire. His frank impressions and shrewd observations shed light on the central personae that peopled the halls of power in 17th-century India. From the devoted Dara Shikoh, who bought Bernier his first elephant, to the coldly calculating Aurangzeb whose company Bernier kept for months, his accounts provide candid portraits of the emperors and princes who shaped the fate of the subcontinent.

Bernier's writings also present a vivid travelogue capturing the sheer wonder he felt at the marvels of the verdant vales of Kashmir, the pulsating bazaars of Agra, the imperial spectacle of Delhi's parades, and the wild majesty of a hunt with trained cheetahs. He describes himself as the wide-eyed foreign wanderer, permitted by happy accident to infiltrate exotic worlds beyond his wildest dreams.

The final years of Bernier's life were devoted to publishing his travels and cementing his legacy as one of the foremost chroniclers of Mughal India. Though Bernier is relatively unknown today, his writings were devoured by Europeans of his time, transporting armchair travellers into intoxicating worlds beyond their borders. More than just popular entertainment, Bernier's accounts shaped European ideas about the Orient. Scholars continue to mine his work for precious firsthand insights into the social, cultural and political life of the Mughal realm.

Kashmir As He Saw

In his firsthand account of travels across the Mughal Empire, the French physician François Bernier provides an insightful glimpse into the pomp and circumstance surrounding the Mughal court and its machinations. Through an evocative portrayal of his prolonged sojourn traversing the plains of North India and ascending into the fabled Kashmir, he unravels the spectacle of the Great Mughal procession in all its unhurried and ceremonious glory. The freedom to access the innermost sanctums of the court and army on a campaign that Bernier enjoyed was unprecedented and astonishing for a European traveller, allowing him to provide what is perhaps the most extensive eyewitness account of mobile Mughal governance. He leverages this privilege to stress the grandeur, wealth and might of Indo-Persian Mughal power at its apogee, memorably brought to life through striking descriptions of Kachemire's paradise and performative civilizational prowess. Through Bernier's descriptions, we traverse immense distances, experience extremes of heat and cold, witness the spectacular military encampments of the great Mughal ruler Aurangzeb, and ultimately arrive in the idyllic paradise of Kashmir.

His account transports us back to the scorching Indian summer, as Bernier joins the emperor's vast entourage departing Delhi in May 1658, at the onset of the hot season: "The heat was insupportable. There is not a cloud to be seen nor a breath of air to be felt. I feel as if I should myself expire before night." Bernier notes incredulously that despite the extreme conditions, the camp numbers at least 250,000 people and animals, a migrating city transporting the entire nobility and military of the empire, along with all their attendants, families, and possessions.

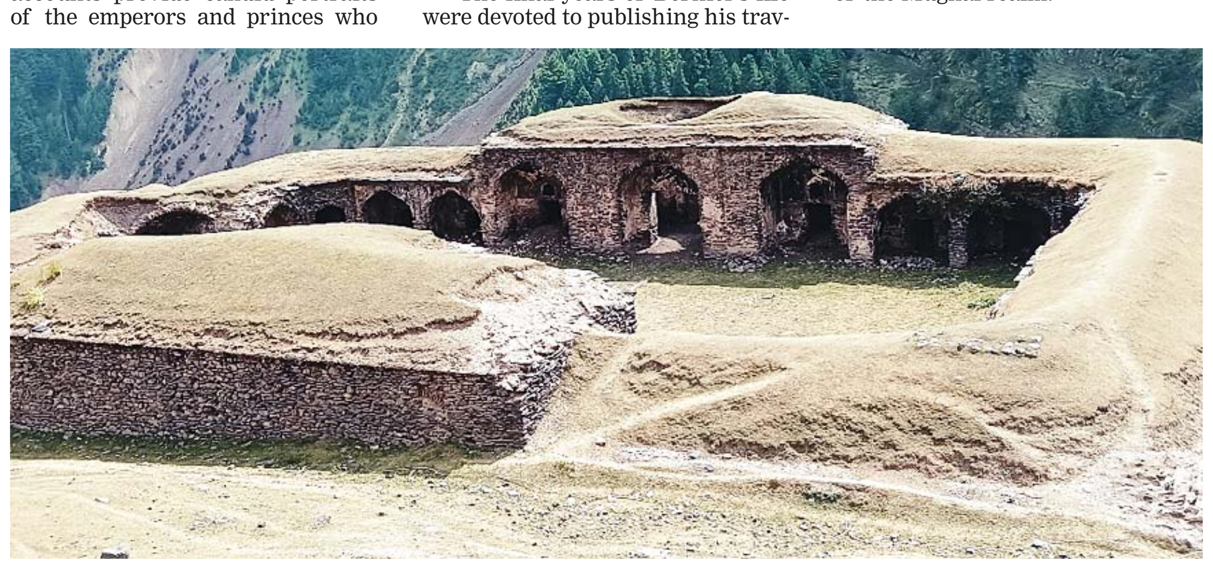

Relic from the Past: The Mughal Aliabad Sarai on the Mughal Road.

#FRANÇOIS BERNIER 1620-1688

The Caravan Moves On

Bernier's travelogue offers a vivid sense of the scale and extravagant pomp of the Mughal court, with frequent hunting parties and lavish displays of wealth contrasting with the ascetic lifestyles of their subjects. There are scenes of chaos and calamity, as when crossing swollen rivers on makeshift pontoon bridges: 'numbers of camels, oxen, and horses were thrown down, and trodden underfoot, while blows were dealt about without intermission.'

After eleven gruelling days under the baking summer sun, the terrain finally changes as the party approaches the entrance to the mountains of Kashmir near the town of Bhimbhar. Bernier evokes both the sublime beauty and ever-present danger of the high mountains, describing: "a steep, black, and scorched mountain...We are encamped in the dry bed of a considerable torrent, upon pebbles and burning sands, a very furnace."

The advance sections of the party have gone ahead, while stragglers will follow to avoid congestion on the narrow cliff-side tracks. Goods and supplies have been sent ahead for months. Transport switches from camels to legions of human porters. Bernier notes astonishingly that 30,000 local porters have been enlisted, with the emperor personally requiring 6,000.

An 1864 photograph of Kashmir's famed Mughal Garden, the Shalimar.

Bernier's wonder and curiosity permeate the letter, consciously risking his life to experience the allure of Kashmir firsthand: "What can induce a European to expose himself to such terrible heat, and to these harassing and perilous marches? It is too much curiosity, or rather it is gross folly and inconsiderate rashness." For Bernier, crossing the Pir Panjal mountains to experience the delights of the Kashmir valley compels him irresistibly forward, using this hazardous journey also as an opportunity to demonstrate his fortitude and powers of observation. As the terrain changes, so does Bernier's mood, the cooler climate restoring his vigour as the party finally encamps near Kashmir. "The atmosphere is cooler, my appetite is restored, my strength improved," he recorded. Like the archetypal hero returning triumphantly home, the epic journey culminates as Bernier approaches the semi-mythical earthly paradise of Kashmir, rendered glorious by the tribulations endured to reach it.

Through an extensive letter written to a friend after a three-month sojourn there, Bernier brings alive the beauty and abundance of this 'terrestrial paradise of the Indies,' explaining its unique geography, climate, flora, and fauna as well as extolling the industry and appearance of its inhabitants.

Europe Here

After traversing the 'frightful wall of the world' that is the steep, imposing mountain pass of Bember, Bernier is struck by the dramatic change in climate as he essentially transitions 'from the Indies to Europe.' He breathes cooler, fresher air and is surrounded by fir, oak and plane trees reminiscent of the forests of his native Auvergne rather than the tropical landscape left behind. This evocative personification of Kashmir as Europe transplanted continues as he elaborates on the valley's mild weather, fertile soil and the plethora of familiar flowers, fruits, and vegetables.

Central to his lavish portrayal is Kashmir's setting as an alpine valley cradled by the Himalayas, described poetically as 'mountains whose summits, at all times covered with snow, soar above the clouds and ordinary mist, and, like Mount Olympus, are constantly bright and serene.' He traces the origins of this valley lake according to legend, postulating more logically that it was formed by a sinking mountain and subterranean erosion rather than manually excavated by a saint. Crucially, it is now channelled by the outlets and canals into a peaceful river that winds through Kashmir's capital Srinagar, fringed by charming houses with pretty gardens. Bernier proceeds to extol Srinagar as emblematic of the valley's cultivated beauty, strewn as it was with lush orchards, paddy fields and quaint hamlets along the riverbanks. He admires aspects such as the king's Shalimar pleasure gardens with their tree-lined canals and fountains, the royal Takht-i-Sulaiman hill crowned with ancient Hindu and Muslim monuments, as well as the bustling timber houses and floating gardens on the iconic Dal Lake. Captivated by this 'enchanting scene,' he argues passionately that Kashmir merits its exalted sobriquet as the 'paradise of the Indies' and should rightfully hold Mughal sway over the neighbouring mountain kingdoms as far as Ceylon.

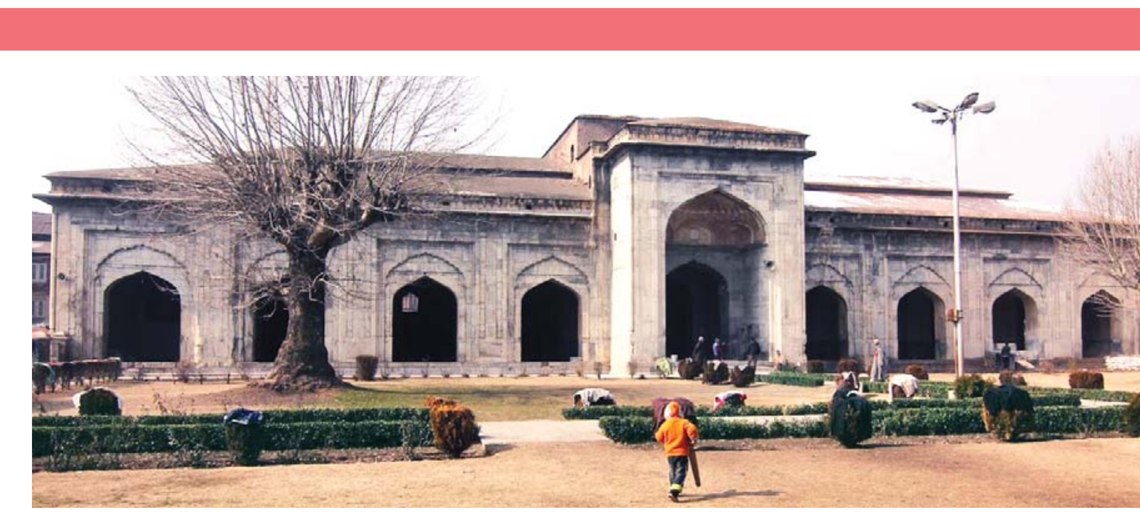

Pather Masjid in the heart of Srinagar is the only living monument of Mughal architecture in Kashmir. KL Image: Bilal Bahadur

Beyond panoramas, Bernier's account also spotlights the industrious character of Kashmir's inhabitants, especially commending their agricultural bounty. He notes approvingly their ingenious irrigation systems allowing cultivation even on the valley's hills and their prolific production of rice, saffron, fruits and vegetables. However, he singles out the manufacturing of Pashmina wool and shahtoosh shawls as Kashmir's prime glory, which generates vital trade. He describes different types of superior quality Kashmiri shawls, patterned and fringed, fashioned from the fine wool of native goats or imported from Ladakh and Tibet. Though competitive copying was attempted in Mughal capitals like Agra and Lahore, Bernier declares none could match Kashmir's artisanry, colour mastery or the secret locked in its waters.

Adventures Of The Anthropological Kind

Another dimension emphasised is the distinctive appearance and wit of the Kashmiri populace. Bernier asserts they have fairer complexions and more European-style features than other Indians, with the striking beauty of even lower-class women. He playfully recounts his covert efforts to catch glimpses of the city's exquisite but cloistered ladies through tricks like distributing sweets via a learned guide. These intelligent, poetic people also earned his admiration for technological and literary skills seen in carved woodwork, eloquent poetry, and artistic talent comparable to Persians. Since intermarriage with beautiful Kashmiri women was coveted to preserve the 'white' Mughal lineage, Bernier cheekily argues Srinagar likely boasted ladies as lovely as any European belle.

He presents Kashmiris as honourable partners in trade and culture with admirable qualities meriting respect. Thereby, while undeniably an outsider, he creates an immersive eyewitness account that largely transcends stereotyping to recognise Kashmir's multidimensional reality on its terms. Ultimately, through this lens of a traveller enraptured by Kashmir's beauty over three centuries ago, 21st-century readers gain insight into its enduring, if imperilled, magic. "Its (Kashmir's) physiognomy is perfectly Armenian, the men being very fair, with reddish hair and blue eyes. I was amazed to see a tall, handsome, white lad enter the little temple I have described, dressed as a woman."

Bernier's perspective remains philosophically detached as he explores the land 'penned in between lofty mountains' where 'opposite seasons are experienced within the same hour.' He climbs summits less for glorious vistas than to empirically deduce the cause of natural oddities, as with the intermittent sacred spring at Bawan. "Having made these observations, it occurred to me that this pretended wonder might be accounted for by the heat of the sun, combined with the peculiar situation and internal disposition of the mountain."

Likewise displaying only anthropological interest in the attention-seeking 'hermit' amidst Kashmir's Wular Lake, Bernier pointedly declines to 'fill up this letter by recounting the thousand absurd tales reported.'

Beyond busting supernatural myths, Bernier provides insight into the essence of Kashmir, the evocative vestiges of distant glorious eras contrasting with present decay and deprivation. "The wretched inhabitants of this charming country cluster, during summer, under wretched sheds of straw and sedges, enslaved and subjected to excess labour."

Spaces apart, Bernier records help readers scale Kashmir's passes and peaks and digress into Kashmir's mythic origins. He sifts through poetic legends surrounding the Verinag Springs to unearth traces of a queen who adorned sacred fish with golden rings. Quoting local tradition, he resurrects the memory of a paradisical city drowned beneath the lake for its ruler's sins. Such nostalgic episodes, like glimpses of forgotten grottoes and secluded vales, amplify the sublime mystique permeating his chronicle.

Bernier recounts a story about a supposed miracle performed by some Muslim clerics involving a heavy stone. Bernier exposes this as a sham by detailing how he joined the group in trying to lift the stone and felt them secretly using more than just their fingertips. This episode establishes Bernier's scepticism regarding superstitious claims and miracles, a mindset he brings to his documentation of Kashmir. After departing the staged miracle, Bernier wanders the countryside, depicting sites like a spring whose ebullience purportedly increases with loud noises, though Bernier determines natural causes underlie its bubbling. He climbs mountains rife with flowers and glacial lakes, searching for a 'grotto full of wonderful congelation,' but recedes once summoned back by his awaiting party.

Moses Is Mousa

The heart of the account examines Kashmiri heritage, especially possible Jewish ancestry. Prompted by inquiries from his friend, Bernier investigates claims of long-established Jewish communities possessing Old Testament texts. Though unable to validate such communities persisting, Bernier provides extensive evidence for prior Jewish presence.

He first notes the Jewish cast of features observed among frontier villagers. Corroborating this, he cites other Europeans struck by the same semblable. He also explains the prevalence of the name Mousa, meaning Moses, in the region's capital city. Ancient traditions holding that Solomon visited Kashmir and directed the construction of a throne structure offer further clues. Most compellingly, widespread belief holds that Moses himself died near the city, with his tomb located less than a league away.

While Bernier cannot definitively trace Kashmiri Jews back to Biblical times, he marshals considerable indications of early Jewish influx, with religious deviation occurring over prolonged ages of isolation. He suggests that conquest or conversion to Islam during Medieval periods may have assimilated remaining enclaves into the broader population. Nonetheless, he strongly disputes that no basis exists for supposing Jewish residence in the distant past, reinforced by the ethnocultural clues still evident among modern Kashmiris.

A painting showing the British seeking forgiveness from Emperor Aurangzeb after the Child's War.

Bernier also recounts political turmoil in 'Little Tibet' (Baltistan) and its entanglement with competing Kashmir and Mughal interests. Intriguingly, he provides early European notice of polyandry customs whereby brothers jointly marry one wife. He further notes the prevalence of Shia Islam in Little Tibet, reflecting Persia's religious and cultural influence reaching across the inner Asian highlands. Bernier's travelogue, recounting his curious forays into the Kashmir of bygone eras, remains intellectually daring and evocative centuries later. Masterfully contextualizing its traditions and hardships, splendour and contradictions, Bernier makes a spellbinding journey to 17th-century Kashmir, equally tantalising in the present. The seductive, elusive quality that so entrances him continues to entice and beguile today's readers, inviting them to immerse themselves in his vivid chronicle while kindling an imperative to rediscover the real Kashmir behind the exotic phantasm.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

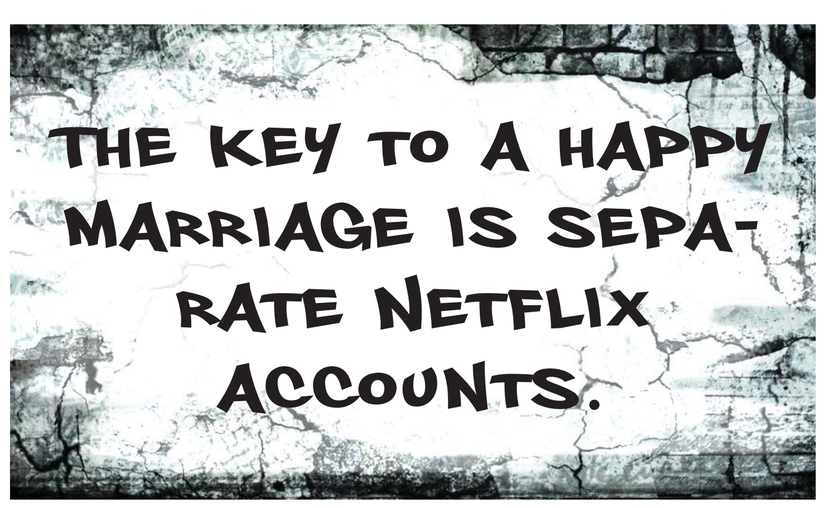

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

महिला की मौत मामले में भाई ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाये

भाई का आरोप है कि दहेज के लिए ससुराल वालों ने मेरी बहन को मार डाला

पावटा, (निसं)। पावटा के ग्राम खेलना की बेटी के साथ एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक भाई ने उसकी बहन को दहेज के लालच में ससुराल वालों पर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने व जान से मारने के आरोप लगाए हैं।

भाई मुकेश कुमार मीणा का कहना है कि उनकी बहन को आए दिन उसके ससुराल वाले दहेज के लिए परेशान करते रहते थे। उन्होंने अब बहन काजल से रुपयों पैसों व गाड़ी की मांग की थी, जिसकी मांग पूरी न करने पर ससुराल वालों ने उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर उसको मार दिया। मुकेश कुमार मीणा पुत्र कल्याण सहाय मीणा निवासी खेलना ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि बताया कि साल 2022 में उसकी बहन काजल की शादी भूपेंद्र कुमार मीणा पुत्र सुरेश कुमार मीणा निवासी जोधपुरा के साथ हुई थी। मुकेश ने कहा कि शादी के कुछ समय बाद से ही उसकी बहन काजल को उसके ससुराल वाले परेशान कर रुपए, पैसों व गाड़ी की मांग करने लगे। उन्होंने मांग पूरी करने या घर से निकालने की धमकी दी व उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया, जिस पर समझाइश करने पर उन्होंने गलती मानते हुए फिर से ऐसा नहीं करने की बात कही, लेकिन वो फिर से बहन काजल को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे, लेकिन बहन काजल लोक लज्जा के कारण चुपचाप सब सहन करती रही। अचानक गत 18 अप्रैल को मध्यरात्रि बहन काजल का फोन आया व उसने कहा कि मेरे सास, ससुर व पति मेरे साथ मारपीट कर रहे हैं आकर मुझे बचा लो, यह मुझे जान से मार देंगे। जिस पर रात अधिक होने

मृतका की फाइल फोटो।

के कारण अगले दिन सुबह जल्दी ही छोटा भाई अमित व भांजा गौतम जोधपुरा उदयपुरवाटी बहन काजल के ससुराल पहुंचे, जहां बहन काजल की

■ मृतका के भाई के बयानों पर पति, ससुर, सास आदि के खिलाफ मामला दर्ज हुआ

हालत खराब देख घर खेलना ले आए, लेकिन उसकी तबियत बिगड़ती देख उसे पावटा एक प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए वहां भी हालत गंभीर देख उसे जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। जहां जांच के दौरान पता चला कि वह गर्भवती है जिस पर उसे जानना अस्पताल जयपुर भेज दिया गया। वहां चिकित्सकों ने बताया कि बच्चा पेट में खत्म हो गया है।

मुकेश ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि बहन काजल के साथ बहुत ही दरिंदगी की गई है। जिस पर उसकी डिलेवरी कर उसे वापस जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया, जहां 24 अप्रैल मंगलवार को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। भाई मुकेश ने बताया कि उसके ससुराल वाले बहन काजल के साथ मारपीट व मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी करते थे। ऐसे में उन्होंने पुलिस में नामजद मामला दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। वहीं इस मामले में थाना उदयपुरवाटी झुंझनू में मृतक के भाई के बयानों पर आरोपी पति भूपेंद्र कुमार मीणा, ससुर सुरेश कुमार मीणा, सास सोमवती मीणा, रतन मीणा पुत्र फत्ताराम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मायका पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया काजल का पोस्टमार्टम करवाकर पीहर पक्ष परिजनों को सौंप दिया है। जहां पीहर पक्ष द्वारा मृतका का अंतिम संस्कार किया गया।

हत्या के प्रयास में फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने हत्या के प्रयास में फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब दो माह से फरार चल रहा था। प्रकरण में पूर्व में 3 आरोपियों को गिरफ्तार व 1 नाबालिग को निरुद्ध किया जा चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सदर मय टीम द्वारा पिछले करीब दो माह से हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। 22 फरवरी को प्रार्थी देवेन्द्र रेगर निवासी सरगांव ने पुलिस थाना सदर पर प्रकरण दर्ज करवाया कि आरोपी ने हमें सरगांलिया चौराहे पर बुलाया जहां डांस की बात को लेकर बोलचाल हो गई। हमें देखते ही रितेश गोरा जातिसूचक गाली- गलौच करते हुए हमें जान से मारने की नियत से चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिस पर प्रकरण दर्ज कर मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया जाकर टीम द्वारा प्रकरण में पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किये जा चुका है। प्रकरण में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हेतु सूचना संकलन व तकनिकी डाटा विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी का डिटेन कर गहनता से पूछताछ की। आरोपी ने बताया कि हमारे बीच शादी प्रोग्राम में किसी बात को लेकर विवाद हो जाने के कारण मैंने व मेरे दोस्तों ने मिलकर उक्त वारदात को अंजाम दिया। जिस पर आरोपी ग्राम देलवाड़ा निवासी रितेश गोरा पुत्र शंकरलाल जाट को गिरफ्तार किया गया।

शराब ठेके को लेकर क्षेत्रवासियों का प्रदर्शन

अजमेर, (कासं)। शहर में गली-मोहल्लों में खुले शराब ठेकों को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा प्रदर्शन किए जा रहे है। शनिवार को नारीशाला रोड स्थित अशोक नगर में शराब के ठेके के संचालन को लेकर क्षेत्रवासी महिला-पुरुषों ने विरोध प्रदर्शन किया। सड़क मार्ग जाम कर दुकान का बैनर जलाकर नारेबाजी की और जिला प्रशासन से शराब का ठेका शीघ्र हटाने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों क्षेत्रवासी महिला-पुरुषों का कहना रहा कि नारीशाला रोड स्थित अशोक नगर में जो शराब का ठेका संचालित किया जा रहा है शराब ठेके के पास ही एक स्कूल संचालित है, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव सागर मीणा ने बताया कि तीन साल पहले भी नारीशाला रोड सैनी स्वीमिंग पुल के पास शराब का ठेका खोला गया था, तब भी विरोध प्रदर्शन को देखते हुए ठेका बंद कर दिया गया, क्षेत्रवासियों की मांग की है कि क्षेत्र में ठेका नहीं खोला जाए, लेकिन जिला प्रशासन और आबकारी विभाग द्वारा हठधर्मिता अपनाते हुए पुन: शराब का ठेका

■ लोगों ने मुख्य मार्ग जाम कर दुकान का बैनर जलाया

खोला जा रहा है। मीणा ने कहा कि बस्तियों में इस प्रका के ठेके खोले जा रहे हैं, जिससे स्कूली बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इस ठेके को निरस्त किया जाए, निरस्त नहीं होने पर प्रदर्शन जारी रहेगा।

वहीं स्थानीय निवासी अनु शर्मा, जगदीश, चंचल चौहान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने कहा कि शराब ठेके को लेकर पहले भी जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ठेके को बंद करवाया था, लेकिन फिर से ठेके के संचालन की अनुमति विभाग द्वारा दी गई। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना रहा कि ठेके के कारण अराजकतत्वों की मौजूदगी से क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बन रहा है। महिलाओं का निकला दुश्वार हो रहा है, प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर से ठेके को बंद करने अथवा अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनकी मांग का निराकरण नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सड़क हादसे में महिला की मौत

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षेत्र स्थित हाइवे के पास खेत से ईधन लेकर लौट रही महिला को ट्रेलर ने टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौत हो गई।

मेहंदवास थानाधिकारी ने बताया कि मृतका भूली देवी सैनी पत्नी बद्री लाल निवासी मेहंदवास जो सुबह खेत पर गई थी, लौटते समय जलाने के लिए ईधन सिर पर रखकर आ रही थी। इसी बीच जयपुर-कोटा हाइवे पर सड़क किनारे चल रही भूली देवी को ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर मेहन्दवास पुलिस पहुंची तथा एम्बुलेंस से घायल भूली को सआदत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस नेपोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

आरोपी गिरफ्तार

बौली-बामनवास, (निसं)। नाबालिग बालिका को बहलाकर भाग ले जाने के आरोपी विशाल पटेल निवासी इंदिरा कॉलोनी जवाहर नगर थाना पंतनगर जिला उधमसिंह (उत्तराखंड) को बौली पुलिस ने गिरफ्तार किया। बौली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि 17 अप्रैल को परिवादी ने मामला दर्ज कराया था।

कार की टक्कर से एक की मौत

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह-बिसलपुर सड़क मार्ग पर काली मिर्ची खान के पास कार के पीछे से अन्य वाहन के द्वारा टक्कर मारने से कार सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं दो जने घायल हो गये। मृतक के भाई की ओर से थाना पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि मृतक गोविन्द वर्मा पुत्र पूरणमल निवासी छोटी डाबर जिला टोंक अपने दोस्त राहुल खटीक व रिशेदार सुरज वर्मा के साथ कार से टोंक जा रहे थे। इसी दौरान प्रधान नगर मोड़ के पास कार को अन्य वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे कार असंतुलित हो पुलिया से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक जने की मौत हो गई और दो जने घायल हो गये।

बिना मान्यता के चल रहे स्कूल के खिलाफ लोगों का धरना जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां सुखाड़िया सर्किल के सामने स्थित श्री चैतन्य स्कूल के खिलाफ अभिभावकों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिना मान्यता के संचालित हो रहे इस स्कूल के खिलाफ शुक्रवार को शुरू हुआ धरना शनिवार को भी जारी रहा। अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि स्कूल न केवल बिना मान्यता के चल रहा है, बल्कि 8 से 15 हजार रुपए तक की फीस वसूलने के साथ 1500 रुपए में अनिवार्य एप इंस्टॉल भी करवा रहा है। किताबें भी

■ अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है, स्कूल न केवल बिना मान्यता के चल रहा है, बल्कि 8 से 15 हजार रुपए तक की फीस वसूलने के साथ 1500 रुपए में अनिवार्य एप इंस्टॉल भी करवा रहा है

स्कूल से ही जबरन दिलवाई जा रही हैं। जब बच्चों की छुट्टी का समय हुआ तो स्कूल प्रबंधन ने मुख्य गेट बंद कर दिया, जिससे बच्चों को बाहर निकलने में परेशानी हुई। नाराज अभिभावकों ने पुलिस को बुलाया, जिन्होंने गेट खुलवाया। इस दौरान हंगामा भी हुआ। मौके पर पहुंचे शिक्षा विभाग के अधिकारियों और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने स्पष्ट किया कि श्री चैतन्य स्कूल के पास संचालन की वैध मान्यता नहीं है। डीईओ ने कहा कि स्कूल ने मान्यता के लिए आवेदन अवश्य किया है, लेकिन अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आज भी दर्जनों अभिभावकों ने स्कूल परिसर के बाहर प्रदर्शन जारी रखा। स्कूल प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है। वहीं शिक्षा विभाग ने जांच शुरू कर दी है और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

तलवार लहराते एक व्यक्ति गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने गश्त के दौरान शनिवार को धारदार तलवार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि एरिया डोमिनेशन अभियान की कार्रवाई अंतर्गत सूचना मिली कि राजगढ़ कस्बे में मोहल्ला नरडिान में पिलानी फाटक व बहल फाटक के बीच रेलवे लाइनों के पास एक व्यक्ति गलियों में धारदार तलवार लहरा रहा है।

सूचना मिलते ही एसआई धर्मेंद्र सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक व्यक्ति तलवार लहराता हुआ गलियों में घूम रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को दबोच कर नाम पता पूछा तो अपना नाम मोहम्मद हुसैन कायमखानी निवासी वार्ड नंबर 25 राजगढ़ होना बताया। तलवार का कोई लाइसेंस परमिट के बारे में पूछा तो नहीं होना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से धारदार तलवार बरामद किया है।

सट्टा खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं) जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी के निकट सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सिटी मय टीम ने रूपये पैसों का दांव लगाकर सट्टा खेलते तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं उनके कब्जे से

■ छक्कादाना से रूपये पैसे से दांव लगाकर सट्टा खेल रहे थे

36 हजार रुपये जब्त किये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सिटी को मुखबीर से सूचना मिली कि नगर परिषद के पास 3-4 व्यक्ति छक्कादाना से रूपये पैसों का दांव लगा कर सट्टा खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा तो तीन व्यक्ति बैठे नजर आये। तीनों व्यक्ति पुलिस जाप्ता देख भागने लगे, जिस पर घेरा देकर तीनों को डिटेन किया जाकर देखा तो उक्त तीनों छक्कादाना पर रूपये पैसों का दांव लगा कर सट्टा खेल रहे हैं। जिनकी तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 36,600 रूपये मिले जिनको जब्त कर ललित कुमार शर्मा पुत्र गिरधारी लाल शर्मा, शोयब छिपा पुत्र रफीक छीपा, मौहम्मद ऐजाज पुत्र ईकबाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने जुआ सट्टा के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मारपीट कर नकदी लूटी

उदयपुर, (निसं)। सुखेर थाना पुलिस ने मारपीट कर मौलाना से रूपये छीनने वाले दो आरोपियों को डिटेन किया। प्रकरण के अनुसार शुक्रवार रात में यूपी हॉल रूपनगर कच्ची बस्ती निवासी मुस्तकीम रजा पुत्र शहादत हुसैन के साथ आरोपी यूपी हॉल रूपनगर कच्ची बस्ती निवासी आकाश पुत्र वीरमा तथा सतिश पुत्र सीताराम मारपीट कर 25 हजार रूपये नकदी छीन ले गए। इस मामले की सूचना मिलने पर सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण के नेतृत्व में गठित दल ने आरोपी आकाश व सतिश को डिटेन किया है। मुस्तकीम रजा रूपनगर कच्ची बस्ती में मौलाना है जो रात में अपने भाई के मकान अलीपुरा जा रहे थे, जहां बीच रास्ते में आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे।

डॉ. गौरव गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर चिकित्सकों ने आपत्ति जताई

बीकानेर, (निसं)। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गोंबर के खिलाफ सदर थाने में दर्ज एफआईआर पर चिकित्सा समुदाय में असंतोष व्याप्त है। इस संबंध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), मेडिकल प्रैक्टिशनर्स सोसाइटी (एमपीएस) और उपचार संगठन के पदाधिकारियों ने जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आपत्ति जताई और इसे अनुचित बताया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि 4 मार्च को पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक द्वारा गठित पांच सदस्यीय विशेषज्ञ मेडिकल बोर्ड ने डॉ. गोंबर को किसी भी प्रकार की लापरवाही से मुक्त पाया था। इस बोर्ड में न्यूरोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिशियन, पीडियाट्रिक सर्जन और मेडिकल ज्यूरिस्ट शामिल थे। इसके बावजूद, 21 मार्च को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. पुखराज

■ प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से डॉ. गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने की मांग की

साध ने दो सदस्यीय बोर्ड का गठन किया, जिसमें खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुमार गुप्ता और सिटी डिस्पेंसरी नंबर एक के पीडियाट्रिशियन डॉ. मुकेश जनागल शामिल थे। इस बोर्ड ने उच्च स्तरीय जांच की सिफारिश की। हालांकि, 17 अप्रैल को इसी बोर्ड ने डॉ. गोंबर को लापरवाह ठहराया, जबकि दोनों रिपोर्टों में केवल तारीख और कुछ पंक्तियों का अंतर था।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि सीएमएचओ द्वारा गठित बोर्ड ने न तो डॉ. गोंबर को बुलाया, न ही उनका पक्ष सुना, जो प्रक्रिया की गंभीर अनदेखी है। उन्होंने यह भी बताया कि पीबीएम मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के बाद सीएमएचओ द्वारा की गई जांच का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि यह निचले स्तर की जांच है और उसमें विशेषज्ञ चिकित्सक भी शामिल नहीं थे।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि राजस्थान सरकार के गृह विभाग द्वारा 29 मई 2022 को जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार चिकित्सकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले उचित प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि एएसआई अशोक अदलान ने इस एसओपी का उल्लंघन करते हुए डॉ. गोंबर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और डॉ. गोंबर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि ऐसे मामलों में चिकित्सकों को निशाना बनाया जाता रहा, तो इससे चिकित्सा समुदाय में भय का माहौल बनेगा और समाज को योग्य चिकित्सकों की सेवाओं से वंचित होना पड़ेगा।

हत्या के प्रयास में बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। बडगांव थाना पुलिस ने हत्या करने के प्रयास में एक बदमाश को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 17अप्रैल को पीड़ित गुलाबसिंह पुत्र रामसिंह निवासी गुरू की पालड़ी बडगांव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 16 अप्रैल रात में पाली गांव में रोड़ पर दो व्यक्ति हल्ला कर रहे थे। जिनको टोकने पर एक व्यक्ति ने स्वयं को हुकमसिंह बेदला बताते हुए धमकाते हुए चले गए। आज

■ आरोपी के खिलाफ सात अपराधिक प्रकरण दर्ज है

सांय हुकमसिंह बेदला व साथी बाइक पर मेरे घर आए तथा सरिये से सिर पर हमला कर दिया। चिल्लाने पर आरोपी फरार हो गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र के सुपरविजन में बडगांव थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित दल ने आसूचना एवं तकनीकी अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी हुकमसिंह पुत्र मनोहरसिंह निवासी आस्था ट्रेनिंग सेंटर के पास बेदला को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास के तीन, डकैती का एक, मारपीट व हथियार रखने का एक प्रकरण सहित सात अपराधिक प्रकरण पूर्व में दर्ज है।

अवैध अफीम जब्त

उदयपुर, (कासं)। चित्तौड़गढ़ की बस्सी तहसील के संग्रामपुर गांव में एक घर पर छापा मारकर अवैध अफीम जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा ने बताया कि केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो जयपुर प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने 25 अप्रैल को चित्तौड़गढ़ जिले की बस्सी तहसील के संग्रामपुर गांव में एक घर पर छापा मारकर 1 किलो 085 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

वांछित दो जनों सहित सात संदिग्ध गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित दो व्यक्तियों सहित सात संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों से पूछताछ कर न्यायालय में पेश किया गया।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से चलाए गए एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी

■ सभी आरोपियों से पूछताछ कर न्यायालय में पेश किया गया

लाल के निर्देशन में गठित टीमों ने अलग-अलग जगह पर दबिश देकर हार्डकोर, भगोड़े, स्थाई वारंटी एवं मामलों में वांछित आरोपी व संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की। अभियान अंतर्गत वांछित आरोपी आर्म्स एक्ट अंतर्गत मोहम्मद हुसैन पुत्र नासिर खान कायमखानी को गिरफ्तार किया गया।

इसके अलावा बीएनएस में वांछित आरोपी ओमप्रकाश उर्फ बल्लू पुत्र मांगेराम नाई निवासी बिरही कलां पुलिस थाना दादरी जिला चरखी दादरी हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा शहर में संदिग्ध घूम रहे मीर सिंह जाट निवासी धीन्धवा बिचला पुलिस थाना पिलानी जिला झुंझुनूं, अरविंद कुमार जाट, राहुल जाट, नरेंद्र कुमार जाट निवासीगण दुधवा खारा चूरू, जैन पुत्र बाबूराम सांसी निवासी माता मंडी वार्ड नंबर 2 राजगढ़, रखमान उर्फ रुस्तम तेली निवासी वार्ड 33 राजगढ़, राम सैनी निवासी वार्ड नंबर 15 अग्रसेन नगर चूरू जिला चूरू को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों से पूछताछ कर न्यायालय में पेश किया गया।

न्यायाधिपति गर्ग ने चूरू न्यायालय के भवन का शिलान्यास किया

चूरू कोर्ट को मिलेगी आधुनिक भवन की सौगात, हाईकोर्ट के जजों ने आधारशिला रखी

चूरू (निसं)। पुलिस लाइन में आवंटित भूमि पर न्यायालय के नये भवन की आधारशिला शनिवार को समारोहपूर्वक रखी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति व चूरू न्याय क्षेत्र के संरक्षक मनोज गर्ग थे। वहीं न्यायाधिपति कुलदीप माथुर व जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्द्र कुमार कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सैनी ने की। इस अवसर पर आगंतुक अतिथियों ने भूमि पूजन कर भवन की आधारशिला रखी और शिलालेख पट्टिका का अनावरण किया। पं. रवि शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करवायी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जस्टिस मनोज गर्ग ने कहा कि न्याय व्यवस्था के आधुनिकीकरण में वर्तमान समय को देखते हुए भवन का वास्तु एवं नक्शा तैयार किया गया है। उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं व न्यायिक अधिकारियों को नवीन न्यायालय के निर्माण की शुभकामनाएं देते हुए लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण में अधिवक्ताओं से सहयोग का आव्हान किया। समारोह को संबोधित करते हुए जस्टिस कुलदीप माथुर ने कहा कि वर्तमान समय में मामलों का त्वरित निस्तारण करने वाले जज व वकीलों के आगे बढ़ने के अवसर ज्यादा होते हैं। चूरू के अधिवक्ता व न्याय विभाग को लम्बे समय से विशाल भवन की आवश्यकता थी, जो अब पूरी होने जा रही है। इस दौरान चूरू जिले से आये बार अध्यक्ष व अन्य प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी मांगों को लेकर चूरू न्याय क्षेत्र के संरक्षक मनोज गर्ग को ज्ञापन सौंपा।

कार्यक्रम में जिला संरक्षक बीरबल सिंह लाम्बा, आशाराम सैनी, अनंतराम सोनी, हकीम खान, पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शेखावत, रोशन सिंह राठौड़, वरुण सैनी, माणक चंद भाटी, जिला अभिभाषक संघ के प्रवक्ता ओमप्रकाश वर्मा, अभिषेक टावरी, ललित गौतम, धनराज सैनी, काशीराम शर्मा सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अन्त में पहलगाम के मृतकों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राज. केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मांगों को लेकर एबीवीपी का धरना जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव के रवैये, विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को छात्रावास से निष्कासित करने के तुगलकी फरमान के विरोध में विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के आगे चल रहा ए.बी.वी.पी. का अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन भी जारी रहा।

विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष रामुराम जानी ने बताया कि विद्यार्थी लगातार तीसरे दिन भी भयंकर तपती धूप में धरने पर बैठे हैं। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों की तबियत भी खराब हुई, लेकिन फिर भी विद्यार्थी विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ अब भी मजबूती से डटे हुए हैं। धरना प्रदर्शन शुक्रवार रात को

■ अभाविप के प्रदेश मंत्री जितेंद्र लोधा धरना स्थल पर पहुंचे

भी जारी रहा और छात्रावास से निष्कासित सभी विद्यार्थी रात को धरना स्थल पर ही सोए। इससे पूर्व इस मामले में आक्रोश रैली निकाली गई थी तथा अजमेर जिला कलेक्ट्रेट पर भी कुलपति का पुतला फूंक कर कार्यकर्ताओं ने अजमेर जिला कलेक्टर को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा था। इस दौरान एबीवीपी के प्रदेश मंत्री जितेंद्र लोधा ने चेतावनी दी थी कि जल्द मांगें नहीं मानी गई तो संपूर्ण राजस्थान में कुलपति के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। जितेंद्र लोधा आज धरना स्थल पर भी पहुंचे। इस मामले में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलसचिव अमरदीप शर्मा ने विद्यार्थियों की मांग सुनने एवं धरने पर बैठे विद्यार्थियों से चर्चा करने के लिए छह प्राध्यापकों की एक कमेटी का गठन किया। दोपहर बाद कमेटी धरना स्थल पर पहुंची तथा विद्यार्थियों से चर्चा कर लिखित में मांग पत्र मांगा। जिस पर एबीवीपी ने विद्यार्थियों के निष्कासन को वापस लेने, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा पारित 300 मीटर के दायरे में धरना प्रदर्शन प्रतिबंध के आदेश पर पुनर्विचार करने तथा हॉस्टल में पेयजल सहित विभिन्न समस्याओं के निवारण की मांग की।

विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने धरने को दबाने के लिए यहाँ पर आने वाले विद्यार्थियों की गेट पर डीटेल्स लिखवाना शुरू कर दिया है ताकि उन्हें टारगेट करके, दबाव बनाकर धरने में शामिल नहीं होने के लिए, डरा धमका सके। प्रदेश मंत्री लोधा ने कहा कि बड़ी साहब खुद ए.सी. की हवा में बैठे हैं और कैंपस की मूलभूत समस्याओं व प्रशासन की हीटलरगिरी को लेकर इस भीषण गर्मी में धरने पर बैठे विद्यार्थियों की सुध नहीं ले रहे हैं, ऐसे कुलपति को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। साथ ही कुलपति को चेताया कि अगर जल्द सभी मांगें नहीं मानी गई तो पूरे प्रान्तभर में कुलपति के पुतले फूंके जाएंगे। विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष रामुराम जानी ने बताया कि विश्वविद्यालय में वित्तीय अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रिया में धांधली, सरकारी पैसे के दुरुपयोग को लेकर एबीवीपी जल्द बड़ा खुलासा करेगी।

संक्षिप्त

जागरूकता रथ रवाना

टोंक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अय्यूब खान और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव दिनेश कुमार जलथुरिया ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रगांण में सिकोईडिकोन संस्था के बाल विवाह की रोकथाम हेतु एक विशेष जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रथ के माध्यम से संस्था गांवों में जाकर बाल विवाह के दुष्परिणामों, बच्चों के अधिकारों और इससे जुड़े कानूनी पहलुओं के बारे में लोगों को जागरूक करेगी। इस इवसर पर सिकोईडिकोन संस्था के प्रतिनिधि देवेंद्र कुमार, विमल कुमार बुंदेल, हनुमान मीणा, किरण शर्मा, राजेन्द्र बेनीवाल कई स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, एडीआर के कर्मचारी ,सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण नागरिक भी उपस्थित रहे।

बैठक आयोजित

कोटपूतली। कस्बे के भगवान श्री परशुराम मंदिर परिसर में शनिवार को तहसील ब्राह्मण सभा, नगर ब्राह्मण समाज व भगवान परशुराम मंदिर प्रबंध कमेटी कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें आगामी 30 अप्रैल को भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाये जाने का निर्णय लिया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने बताया कि 30 अप्रैल को प्रातः 07 बजे भगवान का जलाभिषेक व पूजा आरती कर कोटपूतली नगर के लिये शोभा यात्रा निकाली जायेगी। जिसमें विभिन्न प्रकार की झांकियों का भी प्रदर्शन किया जायेगा।

स्वाभिमान यात्रा का आयोजन

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के भारतीय संविधान व गणतंत्र में योगदान के प्रचार हेतु संविधान स्वाभिमान संगोष्ठी तथा स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. आर. के सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 14 से 28 अप्रैल तक संविधान स्वाभिमान पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें बाबा साहब के योगदान का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य ने स्वंयसेवकों व विद्यार्थियों को धार्मिक, जातिगत, लैगिक, क्षेत्रीय भेदभाव को दूर करने के लिये प्रेरित किया। इस दौरान संकाय सदस्य व स्वयंसेवक आदि मौजूद रहे।

अज्ञात कारणों से आग लगी

राजगढ़। बांदीकुई मार्ग स्थित औद्योगिक क्षेत्र पेट्रोल पंप के सामने श्रीनगर बांधेन पहाड़ी क्षेत्र में व बासडी गांव में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सूचना पाकर वन विभाग के कर्मचारियो एवं दमकल वाहन की मदद से आग पर काबू पाया। औद्योगिक क्षेत्र के अध्यक्ष गोपेश शर्मा ने बताया कि वन विभाग की पहाड़ी क्षेत्र में प्रातः शनिवार को आग लग गई। इसकी सूचना वन विभाग को दी। रेंजर राहुल फौजदार ने बताया कि वन रक्षकों ने परंपरागत तरीके से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। इधर दूसरी और फायर प्रभारी पिंकी मीणा ने बताया कि बांसड़ा लक्ष्मणगढ़ में खेत की मेड मैं आग लगने की सूचना पर अग्निशमन बाहर मौके पर पहुंचा, उसके बाद आग पर काबू पाया।

कलक्टर ने ली बैठक

कोटपूतली। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 की प्रगति समीक्षा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की कार्यान्वयन योजना पर चर्चा करने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अन्तर्गत अप्रारम्भ बीएलसी आवासों को आगामी एक माह में प्रारम्भ करने, छत स्तर पर निर्माणाधीन आवासों को मई 2025 तक पूर्ण करने, प्लिंथधलिंटल स्तर पर निर्माणाधीन आवासों को मई 2025 तक पूर्ण करने, लाभार्थियों को अनुदान में निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

स्वच्छता के क्षेत्र में अलवर मॉडल बनाने के लिए समन्वित प्रयास जरूरी : भूपेंद्र यादव

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में अलवर शहर के सुव्यवस्थित विकास एवं शहर को स्वच्छ शहरों में अग्रणी बनाने के संदर्भ में समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री यादव ने बैठक में कहा कि देश के स्वच्छ शहरों की तर्ज पर अलवर शहर का भी स्वच्छता में एक मॉडल बने, इसके लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। उन्होंने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा कर निर्देश दिये कि शहर की परिसीमा के नगर निगम, यूआईटी, रीको व ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई का एकीकृत मॉडल विकसित करने के लिए कार्य योजना बनाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि नगर निगम साफ-सफाई व्यवस्था की 300 दिवसीय विस्तृत कार्य योजना बनाए, जिसमें सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सिवरेज वाटर ट्रीटमेंट व इसके उपयोग तथा लीगेसी बेस वेस्ट का निस्तारण, कचरा संग्रहण व उसके ट्रांसपोर्टेशन के घटकों को शामिल करें तथा इसमें जन जागरूकता को भी शामिल करें। उन्होंने

प्रताप ऑडिटोरियम में तैयारीयों का जायजा लेते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव व राज्य मंत्री संजय शर्मा।

अलवर शहर में स्वच्छता को संस्कार में लाने व स्वच्छता संस्कृति को विकसित करने के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने शोधित जल के औद्योगिक उपयोग के लिए औद्योगिक इकाइयों से समन्वय कर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अग्यारा स्थित नगर निगम के म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट प्लांट के अपग्रेडेशन के प्रस्ताव तैयार करने तथा इसको पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने की कार्य योजना बनाने के साथ इस प्लांट का थर्ड पार्टी के द्वारा निरीक्षण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने शहर के विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार की बजट घोषणाओं एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वीकृत विकास कार्यों का एक एकीकृत फ्लो चार्ट बनाने के निर्देश दिये, जिसमें विकास कार्य का विवरण, कार्य की वर्तमान स्थिति, कार्य पूर्ण होने की स्थिति आदि की बिन्दुवार जानकारी रहे। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने केंद्रीय मंत्री यादव को विश्वास दिलाया कि बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर समयबद्ध रूप से कराई

■ सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर के 27 अप्रैल को अलवर आगमन पर प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर की जा रही तैयारीयों का जायजा लिया

जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक संजीव नैन, एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, यूआईटी सचिव धीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के उपरांत केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा के साथ प्रताप ऑडिटोरियम में पहुंचकर 27 अप्रैल को सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर की अलवर में प्रस्तावित यात्रा के तहत आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का बारिकी से जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अपराधियों को किया गिरफ्तार

कोटपूतली। राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु एरिया डोमिनेशन अभियान निरन्तर जारी है। इसी क्रम में एसपी राजन दुष्यंत के निर्देश पर कोटपूतली-बहरोड़ जिले में संचालित विभिन्न गैंग, हिस्ट्रीशीटर व आदतन अपराधी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, आबकारी आदि अधिनियम में वांछित अपराधी, डकैती व रंगदारी के मामलों के स्थाई वारंटी एवं उद्घोषित व ईनामी अपराधी, सोशियल मीडिया पर हथियारों की फोटो को वायरल कर भय फैलाने वालों एवं गैंगस्टरों को फॉलो व लाईक करने वाले एवं आमजन में डर फैलाने वाले अपराधियों के विरूद्ध विशेष प्रभावी कार्यवाही की गई। इसी के तहत शनिवार अल सुबह एसपी दुष्यंत के निर्देश पर कोटपूतली-बहरोड़ जिले में आदतन व वांछित अपराधियों के मकानों पर पुलिस की 36 टीमों द्वारा 125 ठिकानों पर एक साथ दबिश देते हुये 55 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की कार्यवाही से अपराधियों में हडकम्प मच गया।

बड़ी संख्या में अपराधी ईलाका छोडकर फरार एवं भूमिगत हो गये। पुलिस द्वारा आदतन व वांछित अपराधियों के मकानों पर दबिश के दौरान अवांछित वस्तुओं की गहनता से जाँच की गई। इस दौरान एएसपी कोटपूतली वैभव शर्मा, एएसपी नीमराणा शालनी राज के निर्देश पर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में उप पुलिस अधीक्षक व एसएचओ की विशेष पुलिस टीमों ने कार्यवाही की। एसपी दुष्यंत ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा समय-समय पर अपराधियों की धरपकड़ हेतु अभियान जारी रहेगा, निरन्तर दबिश से अपराधियों के हौंसले पश्त है, आगे भी राजस्थान पुलिस का यह अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

दिवंगत नागरिकों को दी श्रद्धांजलि

शाहपुरा। भाजपा युवा मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री राजकुमार देवायुष सिंह एवं भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, भाजपा पूर्व जिला मंत्री एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष रवीश खटाणा, पूर्व प्रधान एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू सैनी, शाहपुरा नगर मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद मालीराम सैनी, नगर परिषद सभापति बंशीधर सैनी के सानिध्य में भाजपा नगर मंडल शाहपुरा के कार्यकर्ताओं ने शहर के अनाज मंडी से पिपली बस स्टैंड तिराहा तक पहलगाम कायरतापूर्ण आतंकी हमले के खिलाफ गहरा विरोध प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद, हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारे लगाते हुए पैदल मार्च निकाला। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान आतंकवाद का पुतला जलाते हुए पहलगाम में दिवंगत हुए निर्दोष नागरिकों को मोमबत्ती जलाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मंडल प्रतिनिधि महेश पारीक, सहसंयोजक श्याम सुंदर राज जोशी, उपाध्यक्ष राजेश पलसानियां, उपाध्यक्ष राकेश दाधीच, पार्षद इंद्राज पलसानियां, पार्षद पुनीत भगेरिया, बिरदीचन्द गुर्जर आदि सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं शहरवासी उपस्थित रहे।

105 वर्ष पुराने शिवालय का करवाया पुनः जीर्णोद्धार

कोटपूतली। कस्बे के वार्ड नं. 20 स्थित मोरीजावाला मौहल्ले में 105 वर्ष पुराने प्राचीन शिवालय का मोरीजावाला परिवार द्वारा पुनरू जीर्णोद्वार समारोह बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। उल्लेखनीय है कि मोरीजावाला मौहल्ले में वर्ष 1921 में 16 अप्रैल को स्व. दुर्गाप्रसाद मोरीजावाला द्वारा प्राचीन शिवालय की स्थापना की गई थी। समय के साथ-साथ उक्त मंदिर जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गया था। जिसे स्व. दुर्गाप्रसाद के वंशज क्रमशरू कैलाश, पवन कुमार व एड. अभिषेक मोरीजावाला द्वारा मरम्मत करवाकर पुनरू जीर्णोद्वार किया गया। पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल ने भगवान का अभिषेक कर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पुराने मंदिर, देवालय, बावड़ी आदि समाज की प्राचीन धरोहर है। परम्परा, सभ्यता, संस्कृति के विकास एवं युवा पीढ़ी को इनका महत्व बताने के लिये इनका संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने मंदिर का जीर्णोद्वार करवाने के लिये मोरीजावाला परिवार की सराहना भी की। कार्यक्रम में युवा गुर्जर महासभा के तहसील अध्यक्ष शिव पटेल, युवा व्यवसायी व उद्यमी आनन्द मित्तल, युवा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राकेश रावत, एड. प्रभु पटेल, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अरूण सैनी, युवा नेता विकास डोई, पार्षद प्रतिनिधि मनोज अग्रवाल व मुखिया पायला, भाजपा नेता राव जीतु यादव समेत बड़ी संख्या में अतिथियों ने शिरकत की।

इससे पूर्व शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन आचार्य पं. ललित शास्त्री के सानिध्य में विधि विधान से वेद मंत्रोच्चार के साथ हुआ। मूर्ति स्थापना एवं भण्डारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालूओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान अजय राय साहब, अयोध्या प्रसाद मोरीजावाला, एड. हरिराम यादव, आयुष अग्रवाल, शिव अग्रवाल, हरनारायण, शिम्भुदयाल, आनन्द मोरीजावाला, शशिकांत मिश्रा, मनोज यादव, हेमंत मोरीजावाला, कृष्ण कुमार खैतान, ओमप्रकाश, भवानी छीपी, सीए अजय जिंदल, अरूण यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

महोत्सव मनाया

निवाई। अष्ट जिनालयों से सुशोभित धर्म नगरी निवाई में सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका विशेषमति माताजी के सानिध्य में श्री शान्तिनाथ अग्रवाल दिगम्बर जैन मंदिर, श्री दिगम्बर जैन बडा मंदिर, नसियां मदिर, बिचला जैन मंदिर, चन्द्रप्रभु जैन मंदिर, बाबाजी का चैत्याल्य व शिवाजी कॉलोनी जैन मंदिर में नमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। चातुर्मास कमेठी के अध्यक्ष सुनिल भाणजा ने बताया कि महोत्सव को लेकर आयोजित कार्यक्रम में प्रातः काल मूलनायक शांतिनाथ भगवान का अभिषेक व शांतिधारा की गई एवं गाजे-बाजे के साथ निर्वाण पाठ बोलकर जैन धर्म के 21 वें तीर्थंकर नमिनाथ भगवान का निर्वाण लाडू धूमधाम से चढाया गया।

इस दौरान नमिनाथ भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। उन्होंने बताया कि रविवार की शाम श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर से महेन्द्रकुमार जैन शिवाड की भव्य गोद भराई एवं बिन्दोरी गाजे-बाजे के साथ निकाली जाएगी। इनको आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज व बालाचार्य महाराज, निपूणनन्दी महाराज द्वारा सावर में दीक्षा दी जाएगी।

2 करोड 28 लाख रूपये का चना व साढे चार लाख रूपये की सरसो खरीद

मालपुरा। राज्य सरकार द्वारा किसानो को कडी मेहनत से तैयार की गई उपज का पूरा दाम देने के उदेश्य को लेकर राजफेड व नेफेड द्वारा केवीएसएस के माध्यम से मालपुरा कृषि उपज मंडी परिसर मे शुरू किये गये सरकारी खरीद केन्द्र पर बीते दस दिनो मे 118 किसानो से 2 करोड 28 लाख रूपये का चना व साढे चार लाख रूपये की सरसो खरीद की गई। केवीएसएस प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी व व्यवस्थापक भंवर लाल विजय ने बताया कि सरकार के आदेशो पर मंडी परिसर मे 16 अप्रेल से सरसो व चने की समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू की गई है। इस बार चना 5650 व सरसो 5950 रूपये प्रति क्विंटल के दाम मे खरीद की जा रही है। समर्थन मूल्य पर चने की फसल बेचान के लिये 1356 किसानो ने पंजीकरण करवाया है। ऑनलाईन पंजीयन किसानो को अपने जिन्सो की तुलाई के लिये रोजाना 4० किसानो को मोबाईल पर मैसेज भेजा जा रहा है। जिसमे से 25 से 3० किसान सरकारी कांटे पर पहुंच रहै है। भंवरलाल विजय ने बताया कि 16 अप्रेल से 25 अप्रेल तक 8078 बैग

■ मालपुरा मे दस दिन मे समर्थन मूल्य पर 118 किसानो से केवीएसएस ने खरीदा दो करोड से अधिक का चना

चना व 152 बैग सरसो के तुलाई की गई है। जिन्है केवीएसएस को आवंटित वेयर हाऊस के गोदाम भेजा जा रहा है। दस दिन मे 2 करोड 28 लाख रूपये का चना व साढे चार लाख रूपये की सरसो सरकारी कांटे पर खरीदी गई है। इस बार कृषि मंडी मे समर्थन मूल्य से अधिक व्यापारियो की दाम होने से किसान सरसो को सरकारी कांटे के बजाय मंडी मे ही बेच रहा है। हालांकि इस बार मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र मे चने की बम्पर पैदावार होने के बावजूद समर्थन मूल्य पर सरकारी कांटे पर प्रति किसान महज 4० क्विंटल चना खरीदने की सीमा निर्धारित होने से मजबूरन किसान को चार से पांच रूपये प्रति किलो कम दाम मे चने की फसल मंडी मे बेचने पर मजबूर होना पड रहा है।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए रवाना किया जागरूकता रथ

निवाई। सिकोईडिकोन संस्था के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रमाण के तहत बाल विवाह की रोकथाम हेतु विशेष जागरूकता रथ को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अय्यूब खान व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव दिनेशकुमार जलथुरिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्था प्रभारी अनिता शर्मा ने बताया कि इस रथ के माध्यम से संस्था के कार्यकर्ता गांवों में जाकर बाल विवाह के दुष्परिणामों, बच्चों के अधिकारों व इसके कानून के पहलुओं के बारे में लोगों को जागरूक करेंगे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अय्यूब खान ने कहा कि

बाल विवाह समाज के लिए एक गंभीर समस्या है, जो बच्चों के भविष्य को अंधकारमय करता है। बाल विवाह न केवल बच्चों की सुरक्षा को खतरे में डालता है, बल्कि यह उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी रुकावट

सचिव दिनेश कुमार ने रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

डालता है। उन्होंने बताया कि यह जागरूकता रथ गांव-गांव जाकर बाल विवाह के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाएगा और लोगों को बाल विवाह के कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी देगा। रथ के माध्यम से बैनर, पोस्टर और सार्वजनिक संदेशों के माध्यम से लोगों को इसके खिलाफ जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधि देवेंद्र कुमार, विमल कुमार, हनुमान मीणा व किरण शर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी, एडीआर के कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता व कई ग्रामीण मौजूद थे।

देवली के हॉस्पिटल में माइनस छह नंबर आंखो का ऑपरेशन सफल

देवली । आंखों की गंभीर समस्या से पीड़ित महिला का यहां माहेश्वरी आई हॉस्पिटल में ऑपरेशन सफल हुआ है। खास बात तो यह है कि जयपुर निवासी महिला ज्योति कवर ने जयपुर जैसे बड़े शहर में ऑपरेशन करने की बजाय देवली शहर के माहेश्वरी आइ हॉस्पिटल में ऑपरेशन करवाए जाने भरोसा जताया। जानकारी के अनुसार पिछले कई समय से आंखों पर लगे चश्मे की समस्या को लेकर उक्त महिला परेशान चल रही थी।

इस पर डॉक्टर एस एस लाठी ने बताया कि ज्योति की आंखों पर माइनस 6 नंबर का चश्मा कई समय से लगा हुआ था । ऐसे में पीड़ित महिला ने देवली शहर के माहेश्वरी आइज हॉस्पिटल में डॉक्टर एस एस लाठी से परामर्श लिया। और अपनी आंखों बढ़ती समस्या के बारे में बताया की आंखों पर माइनस 6 नंबर का चश्मा लगा हुआ है। जिससे उन्हें काफी तकलीफ हो रही है। ऐसे में डॉ एस एस लाठी ने उनकी आंखों का चेक अप करते हुए उन्हें आंखों का ऑपरेशन करवाने की सलाह दी । इस पर पीड़ित महिला ने चिकित्सक को ऑपरेशन करने की अनुमति दे दी । इसके बाद डॉक्टर लाठी ने उनकी आंखों का सफल ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद आंखों पर लगे माइनस 6 नंबर के चश्मे से महिला को राहत मिल गई और आंखों पर लगा चश्मा हट गया। डॉक्टर लाठी का मानना है कि आंखों पर लगे इस तरह चश्मे की समस्या से निजात पाने के लिए अधिकांश बड़े शहरों में ही ऐसे ऑपरेशन ज्यादा होते। ऐसे में, इस तरह का पहला ऑपरेशन देवली शहर के माहेश्वरी आई अस्पताल में होना खुशी की बात है । ऐसे में गौर करने वाली बात तो यह है कि डॉक्टर लाठी ने सफलता पूर्ण यह ऑपरेशन करके छोटे शहर के उक्त समस्या से मरीजों को राहत का भरोसा दिलाया है।

‘पशु चिकित्सा दिवस का उद्देश्य पशु क्रूरता को रोकने के लिए जागरूकता फैलाना है’

पावटा। पाथरेड़ी स्थित कृषि महाविद्यालय में विश्व पशु चिकित्सा दिवस पशु चिकित्सा अधिकारी भूरी भड़ाज डॉ. पुष्पेंद्र सिराधना के मुख्य आतिथ्य व अधिष्ठाता डॉ. सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया। इस दौरान डॉ. पुष्पेंद्र सिराधना ने पशु चिकित्सा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दिवस का उद्देश्य पशु स्वास्थ्य देखभाल व पशु क्रूरता को रोकने के लिए जागरूकता फैलाना है।

वही यह दिवस हमे पशुओं के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। अधिष्ठाता डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष पशु चिकित्सा पेशे में विविधता, समानता और समावेशिता को बढ़ावा देना है। पशु चिकित्सा विज्ञान का महत्व, पशु

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पशु चिकित्सा अधिकारी भूरी भड़ाज डॉ. पुष्पेंद्र सिराधना के मुख्य आतिथ्य व अधिष्ठाता डॉ. सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में मनाया।

चिकित्सकों द्वारा किये कार्यों को प्रोत्साहन देना, पशु रोग दवाओं की जानकारी के साथ पशु स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरुकता लाना है। वही हमारे जीवन में पशुओं के महत्व को जानकर उनकी सेवा में समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए।वही लोग जानवरों के साथ होने वाले तरीके व्यवहार, प्रेम, अहिंसा, शांति व विकास के प्रति जागरुक

■ कृषि महाविद्यालय में विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया

रहें। वही इस दिवस पर महाविद्यालय परिसर में बेजुबा पक्षियों के लिए गर्मी के मौसम को देखते हुए परिंडे लगाए गए। अंत में डॉ. डी.के बैरवा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वही मंच संचालन द्वितीय वर्ष छात्रा हेमलता पचार ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राध्यापक डॉ. वी.एस. मीणा, डॉ. पार्वती दिवान, डॉ. सुशीला ऐचरा, डॉ.एन. के. मीणा, डॉ.ओमेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. प्रवीण हटवाल, सहित अशैक्षिणक वर्ग में दीपक, अजय, कुंदन, दुलाराम, अंकित, सचिन, चेतना, सुमन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म **मैसर्स श्री बालाजी टूल्स** पता जे-1104, रीको इण्डस्ट्रियल एरिया, सीतापुरा फेज-III, टोंक रोड, जयपुर पंजीयन संख्या 13/571/2010 की भागीदार श्रीमती संतोष पारीक पत्नी श्री सुरेश पारीक की दिनांक 03.11.2023 को मृत्यु हो जाने के कारण फर्म से रिटायर किया गया है एवं श्री सुरेश पारीक को नवीन भागीदार नियुक्त किया गया है। सूचित रहे। यदि किसी को आपत्ति हो तो 07 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर (शहर) में आपत्ति दर्ज करावे।

मैसर्स श्री बालाजी टूल्स, पार्टनर

कार्यालय ग्राम पंचायत आकोडिया
पंचायत समिति कोटखावदा, जिला जयपुर (राज.)
क्रमांक-ग्रा. पं./आकोडिया/2025/215
दिनांक-25/04/25

आपत्ति आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि स्वामित्व योजनान्तर्गत भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग से राजस्व ग्राम भादडवास के संशोधित सर्वे प्रपत्र व मैप 2.1 को आमजन के लिये प्रदर्शित किया जाकर आपत्ति आमंत्रित की जाती है। साथ ही उक्त सर्वे प्रपत्र व मैप 2.1 ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रत्येक भूखण्ड के विवरण मय भूमि नक्शा सहित सर्वजन हेतु अवलोकनार्थ भी उपलब्ध है। इस सर्वे प्रपत्र व मैप 2.1 में किसी प्रकार की आपत्ति/संशोधन हेतु आपत्तियां ग्राम पंचायत कार्यालय में 07 (सात) दिवस के भीतर प्रस्तुत करें।
आवादी भूमि की सीमा अथवा नक्शों में ड्रोन सर्वे द्वारा प्रदर्शित प्रापर्टीज की सीमा व नाम के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
यदि आपत्ति दर्ज नहीं होती है तो ग्राम पंचायत द्वारा प्रापर्ट्रीज पार्सल मय पट्टा वितरित किया जावेगा।

(घनश्याम शर्मा)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत आकोडिया
पं.स.कोटखावदा (जयपुर ग्रामीण)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकद्दमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/200
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री SWAPNIL VERMA, B 23 SHREE JI NAGAR, BEHIND HOTAL ROYAL ORCHID, DURGAPURA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्पोर्टिवा विंग्स फाउंडेशन, 23, 24 SHREE JI NAGAR, DURGAPURA, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01/07/2025

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकद्दमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/184
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री ASHOK KUMAR BALODIA, 18, PRINTERS NAGAR II, SITABARI TONK ROAD, SANGANER, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास इंद्र कंवर चैरिटेबल ट्रस्ट, PLOT NO 4 A, PAWAN PUTRA COLONY A, BAJRI MANDI ROAD PANCHYAWALA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01/07/2025

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग जयपुर-प्रथम

खोया पाया

मेरे फ्लैट नंबर 52/137 फर्स्ट फ्लोर प्रताप नगर सांगानेर का ओरिजनल नो ड्यूज ,लीज सर्टिफिकेट कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें नवल किशोर अग्रवाल 9928088998

नाम परिवर्तन

मैं जोगेन्द्र कुमार तनेजा पुत्र श्री लक्ष्मण दास निवासी 284, गली न. 5, व्यास मार्ग, राजापार्क जयपुर राज. 302004 ने अपना नाम जोगेन्द्र कुमार से बदलकर जोगेन्द्र कुमार तनेजा कर लिया है तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये

मै राखी गुप्ता पत्नी श्री परेश कुमार गुप्ता निवासी 1351 बरकत नगर, टोंक रोड, जयपुर हूं, मैने विवाह के बाद अपना नाम राखी/ राखी जैन से बदलकर राखी गुप्ता रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

मैने अपना नाम खुशप्रीत सिंह से बदलकर खुशप्रीत सिंह कपूर पुत्र रविन्द्र सिंह कपूर कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये निवासी-141-148, कृष्णा मार्ग, गोविन्द नगर पूर्व, आमेर रोड, जयपुर 302002

मैं, प्रेरणा गर्ग पत्नी श्री मयंक गुप्ता, निवासी ए-180, जेडीए कॉलोनी, ब्लॉक-ए, सालिगरामपुरा, बीलवा कलां, जयपुर। मैंने अपना नाम प्रेरणा गुप्ता से बदलकर प्रेरणा गर्ग रख लिया है। भविष्य में इसी नाम से जानी जाऊँगी।

I Sajjana garhwal legally wedded spouse of service no 179446H Ex POME (NAVY) Gopi Ram s/o Moti Ram resident off F-4 nainath residency plot 76-A-77 shivpuri kalwar road jhotwara jaipur that have changed my name From SAJJANA GARHWAL is wrong entered in my husband service record TO SAJJANA vide affidavit dated 25/4/2025 before district notary Jaipur

I no 179446H Ex POME (NAVY) Gopi Ram S/O Moti Ram resident off F-4 nainath residancy, plot 76-A-77 shivpuri, kalwar road jhotwara jaipur that have changed my son name from RAHUL KUMAR is wrong entered in my service record To RAHUL CHOUDHARY & Daughter MAHEEMA KUMARI is wrong entered in my service record To MAHIMA CHOUDHARY vide affidavit dated 25/4/2025 before district notary Jaipur

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मोहम्मद असलम पुत्र मोहम्मद उमर, निवासी-23, मिलन कॉलोनी, चार दरवाजा बाहर, बास बदनपुरा, जयपुर का है तथा मेरे अभिभाष्य के पुत्र मोहम्मद अरशद मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है तथा आये दिन लडाई झगडा व गाली गलौच व अपमानित करता है जिस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र मोहम्मद अरशद को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति मोहम्मद अरशद से कोई संव्यवहार व लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
जयपुर (ताज मोहम्मद खान) एडवोकेट
दिनांक-25/4/25 मो.9828554625

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश (व.ख.) एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-8 जयपुर महानगर प्रथम-जयपुर
शम्भू दयाल सर्राफ व अन्य **विरूद्ध** विनोद कुमार मिश्रा व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र अवमानना
प्रार्थना-पत्र संख्या 3/2017 सन्
नाम बनवारी लाल शर्मा पुत्र श्री किशोरी लाल शर्मा जाति शर्मा पता (1) सब रजिस्ट्रार पंजीयन एवं मुद्रांक, जयपुर शहर द्वितीय (2) तहसीलदार अम्बापुरा-307001 जिला-बांसवाड़ा (3) एस.डी.एम. एण्ड तहसील ऑफिस कचहरी रोड, अग्रवाल नगर, गंगापुर सिटी (राजस्थान) 322201
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि ....
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 28 माह 05 सन् 2025 को 7:30 AM पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 24 माह 04 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-08 जयपुर महानगर प्रथम, जयपुर

संक्षिप्त

किसानों का धरना प्रदर्शन जारी

निवाई। किसान महापंचायत के तत्वावधान में मांगों को लेकर शनिवार को लगातार पांचवें दिन भी किसानों का धरना प्रदर्शन जारी रहा। प्रशासन ने किसानों की अभी तक कोई भी मांगों को नहीं माना है। जिससे किसानों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि किसानों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसके लिए गांव-गांव से किसानों को जागरूक करके ट्रैक्टर रैली निकालने व प्रशासन के खिलाफ पुतला जलाने सहित कई प्रकार का अन्दोलन किया जाएगा। इस अवसर पर युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, प्रदेश मंत्री रतन खोखर, लोकसभा प्रभारी भारतराज मीणा, जिला अध्यक्ष गोपी चौधरी, उपाध्यक्ष सीताराम चौधरी, जिला महामंत्री शंकर धाकड़, प्रचार मंत्री राधेश्याम चौधरी व पीपलू अध्यक्ष दुलाराम प्रजापत सहित कई किसान मौजूद थे।

पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

शाहपुरा । कांग्रेस विधायक मनीष यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की याद में कैंडल मार्च का आयोजन किया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मोमबत्तियाँ जलाकर शांति की अपील की और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह मार्च शहर के पॉवर हाउस से से शुरू होकर मैं बस स्टैंड तक निकाला गया। इस दौरान विधायक मनीष यादव ने आतंकवाद की निंदा करते हुए सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की। विधायक यादव ने कहा कि यह हमला मानवता के ऊपर एक करारा प्रहार है, जिसने देश को झकझोर कर दिया है। हमारे दिलों में असहनीय पीड़ा है। हम इस दुखद घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ खड़े हैं। हम सब पूरी मजबूती के साथ आतंक के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे।

वाहन दुर्घटना में चालक घायल

निवाई। शनिवार की सुबह करीब 3 बजे एनएच 52 पर वाहन दुर्घटना हो गई। इस दुर्घटना में चालक व परिचालक घायल हो गया। सूचना पर हाईवे पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को लाकर राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई में उपचार के लिए भर्ती करवाया। सदर थाना प्रभारी हीरालाल ने बताया कि जयपुर टोंक रोड पर लक्की रिसोर्ट के समीप दुर्घटना होने की सूचना मिली। सूचना पर ड्यूटी ऑफिसर हिम्मतसिंह जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचा। इसके बाद हाईवे पुलिस ने मोबाईल जाप्ता की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को रोड से हटवाया और यातायात सुचारू करवाया। उन्होंने बताया कि घायल नफीस पुत्र नजीर खां उम्र 35 साल निवासी पावटा गद्दी थाना वजीरपुर जिला सवाई माधोपुर और खलासी अकरम का उपचार कर छोड़ दिया।

दो बहिनो का नेशनल पर चयन

मालपुरा। केन्द्रीय विद्यालय अविकानगर मे अध्ययनरत मालपुरा निवासी किरण शर्मा पुत्री रवि शर्मा निवासी बृजलाल नगर व छोटी बहिन एलवीन शर्मा का टेबिल टेनिस नेशनल प्रतियोगिता के लिये हुआ चयन। शाला परिवार से मिली जानकारी मे बताया कि अंडर 17 वर्ष टेबिल टेनिस मे बडी बहिन किरण शर्मा व अंडर 14 वर्ष मे छोटी बहिन एलवीन शर्मा का नेशनल प्रतियोगिता मे चयन होने पर विद्यालय परिवार व खेल प्रेमियो ने दोनो बहिनो को दी बधाई।

विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी आज

फुलेरा । कस्बे से निकलने वाली 220 जीएसएस 33 केवी रीको फीडर और 33 केवी सुरसिंहपुरा फीडर में आवश्यक मरम्मत सुधार कार्य के चलते प्रात: 7 बजे से 11 बजे तक क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। जिसमें : फुलेरा मुख्य बाजार, गणगौरी बाजार, जोबनेर रोड़, रिको एरिया, बालाजी रोड़, बड़ की ढाणी, अनुविहार कॉलोनी, काचरोदा, सुरसिंहपुरा, माल्यावास की विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। उपरोक्त जानकारी फुलेरा जेईएन उमेश यादव के द्वारा दी गई।

अध्यक्ष मनोनीत

दूदू । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर ने भाजपा जयपुर देहात मंडल दूदू के निम्न मंडल अध्यक्ष मनोनीत किए हैं गुर्जर ने जारी नियुक्ति पत्र में दूध पश्चिम से खुश राज सिंह दक्षिण से शिवजी राम भांभू उत्तर से श्रवण वैष्णव को मनोनीत कर संगठन को मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में श्रीमाधोपुर बंद रहा पूर्णत: सफल

श्रीमाधोपुर। कस्बे में शनिवार का दिन देशभक्ति और आतंकवाद के खिलाफ जनआक्रोश का प्रतीक बन गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में श्रीमाधोपुर सहित आसपास का सम्पूर्ण क्षेत्र स्वेच्छा से बंद रहा। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आव्हान पर बाजारों ने स्वत: बंद का समर्थन किया।

सुरक्षात्मक दृष्टि से प्रशासन ने चाक-चौबंद प्रबंध किए थे। एसआई दीप्ति के नेतृत्व में जगह-जगह पुलिस जाप्ता तैनात रहा, जिससे बाजारों और सभाओं में पूर्णत: शांति और व्यवस्था बनी रही। शाम पांच बजे मुख्य चौपड़ बाजार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। रामधुन के बीच मृतक पर्यटकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। स्वायत शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा, नगर पालिका अध्यक्ष हरि नारायण महंत, मंदिर श्री गोपीनाथ जी के महंत डॉक्टर मनोहर शरण दास, डा .माधव सिंह, युवा नेता कुनाल सिंह, श्याम चौधरी, रवि प्रजापत, अमित ठठेरा, मुकेश शर्मा , विशाल बोहरा,विनेश सैनी,विष्णु मिश्रा, सहित विहिप, बजरंग दल, व्यापार मंडल और सर्वसमाज के प्रमुख लोग इस सभा में शामिल हुए। आवश्यक सेवाओं के कारण बंद से बाहर रखे गए दवा विक्रेता में भी शाम को श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जनसैलाब ने देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजा दिया। भारत माता की जय, वंदे मातरम, आतंकवाद मुर्दाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में श्रीमाधोपुर सहित आसपास का सम्पूर्ण क्षेत्र स्वेच्छा से बंद रहा।

■ मुख्य चौपड़ बाजार में हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि, देशभक्ति के नारों से गूंजा बाजार

आंतकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा : श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने शहीदों को नमन करते हुए आतंकी घटनाओं की कड़ी निंदा की। यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने आतंकवाद का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब देश को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। वक्ताओं ने भारत सरकार से आतंकियों और उनके समर्थकों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की और 'खून का बदला खून' से लेने की आवाज बुलंद की।

श्रीमाधोपुर में आज का दृश्य तब और भी अनूठा बन गया जब समुदाय विशेष के लोगों ने अपनी धार्मिक रस्मों से पहले राष्ट्र के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। जोधपुर और सांगानेर (जयपुर) से आई दो बारातें निकाह से पूर्व पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने पहुंचीं।कचियागढ़ निवासी अहसान लुहार की पुत्रियाँ सानिया बानो और शिरीन बानो के निकाह से पहले दुल्हे सिकंदर जिंदराण पुत्र नौसाद और रिजवान पुत्र अब्दुल रहमान के साथ बारातियों और घरातियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिवंगत नागरिकों को दी श्रद्धांजलि

शाहपुरा । भाजपा युवा मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री राजकुमार देवायुष सिंह एवं भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, भाजपा पूर्व जिला मंत्री एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष रवीश खटाणा, पूर्व प्रधान एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू सैनी, शाहपुरा नगर मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद मालीराम सैनी, नगर परिषद सभापति बंशीधर सैनी के सानिध्य में भाजपा नगर मंडल शाहपुरा के कार्यकर्ताओं ने शहर के अनाज मंडी से पिपली बस स्टैंड तिराहा तक पहलगाम कायरतापूर्ण आतंकी हमले के खिलाफ गहरा विरोध प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद, हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारे लगाते हुए पैदल मार्च निकाला। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान आतंकवाद का पुतला जलाते हुए पहलगाम में दिवंगत हुए निर्दोष नागरिकों को मोमबत्ती जलाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अजीतगढ़ में 'एक परिंडा मेरा भी' अभियान का शुभारंभं

श्रीमाधोपुर। भीषण गर्मी में जब इंसान भी पानी को तरसता है ऐसे में बेजुबान पंछियों की प्यास बुझाने के लिए जीवनसुख परिवर्तन सेवा संस्थान अजीतगढ़ ने एक परिंडा मेरा भी अभियान का आगाज कर एक सराहनीय पहल की है। संस्थान के अध्यक्ष सोमेश राजोरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान द्वारा शहर अजीतगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में 251 जल परिंडे लगाए जा रहे हैं ताकि गर्मियों में पक्षियों को राहत मिल सके। शुक्रवार को श्रीकृष्ण गौशाला परिसर में गौशाला प्रबंधन अध्यक्ष चैतन्य कुमार मीणा की अध्यक्षता में 11 परिंडे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। पर्यावरण प्रेमी एवं बेजुबान पंछियों की मनोदशा को भांपने वाले युवाओं का अजीतगढ़ हाल निवासी मुम्बई सीए सुरेश आगीवाल ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत -अभिनन्दन- सम्मान किया। आगीवाल ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि इस भीषण गर्मी के दौर में पक्षियों के लिए परिंडे बांधना एक महान पुण्य का कार्य है।

युवाओं को ऐसे कार्यों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।इस दौरान श्रीकृष्ण गौशाला के पूर्व व्यवस्थापक रामकिशोर कारीगर, वर्तमान अध्यक्ष चैतन्य कुमार मीणा, गौशाला सचिव मूलशंकर गोठवाल, सह व्यवस्थापक जगदीश प्रसाद स्वामी, कार्यकारिणी सदस्य नीलकमल सिखवाल , कार्यकारिणी सदस्य पवन कुमार कुमावत , सुरेश कुमार अग्रवाल, मदनलाल अग्रवाल,हिमांशु, दिनेश शर्मा, कानाराम पटवा, जयप्रकाश जांगिड़, प्रिंस टेलर, कुशाल टेलर, पार्षद महेश सैनी, सुवालाल सैनी, अमन कुमावत समेत अनेक जागरुक टीम सदस्यों के अलावा अनेकानेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।''पंछी बचाओ,परिंडा लगाओ'' ''आओ हम सब अपने घर के आसपास एवं छतों पर बेजुबान पंछियों के लिए परिंडा लगाएं'' की थीम पर काम कर रहे युवाओं के दल का उत्साह देखते ही बन रहा है।आज शनिवार के दिन वार्ड नम्बर 4 में बरगद के पेड़ पर 5 परिंडे लगाए गए।सोमेश राजोरिया ने बताया कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और जीव सेवा, जीव दया के प्रति हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का एक हिस्सा मात्र है।पक्षु बोल नहीं सकते लेकिन उनकी प्यास भी इंसानों जैसी ही होती है।अगर हम सब थोड़ा ध्यान दें तो उनकी जान बचाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि इन जल परिंडों को ऐसी जगहों पर लगाया गया है जहां पक्षियों की ज्यादा आवा-जाही रहती है जैसे कि पेड़ों के नीचे, पार्कों , मंदिर परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर।साथ ही इन पात्रों की नियमित सफाई और जल भराव की जिम्मेदारी भी जीवनसुख परिवर्तन सेवा संस्थान अजीतगढ़ की टीम ने ली है।यह पहल समाज को यह सन्देश देती है कि इंसान होने के नाते हमें प्रकृति और उसमें रहने वाले हर जीव के प्रति करुणा और संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।विदित रहे कि जीवनसुख परिवर्तन सेवा संस्थान अजीतगढ़ हर साल पांच हजार पेड़-पौधों के वितरण एवं लगाने व परिंडे सहित अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य करती रही है।

'सरकार द्वेष की भावना से प्रेरित होकर कांग्रेस के खिलाफ षड्यंत्र रच रही है'

अलवर। जिला प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि बैठक में 28 अप्रैल को जयपुर में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह जी व विशिष्ट अतिथि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली जी तथा अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार विपक्ष को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान बचाने के लिए केंद्र सरकार के विरुद्ध पूरे देश में कांग्रेस पार्टी की ओर से अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ घर-घर जाकर कांग्रेस आम जन को जागरूक करेगी। मोदी सरकार द्वेष की भावना से प्रेरित होकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र रच रही है। देश के लोग कांग्रेस पार्टी की तरफ देख रहे हैं कांग्रेस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई, संविधान बनाया, हम सब की उस बलिदान की रक्षा करने की हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है ।उन्होंने कहा कि आतंकवाद का सफाया करने का दम भरने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार बातें तो बड़ी-बड़ी करती है लेकिन इनके राज में आतंकवादी आकर हमारे देश में नागरिकों की नृशंस हत्या कर आसानी से निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों की नाक के नीचे मौत का यह तांडव असहनीय है।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री आतंकवादियों के हमले के बाद बिहार चुनाव में व्यस्त है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह को देश से माफी मांगनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा की कृष्ण का उपदेश देने वाली भाजपा खुद शकुनी जैसे चाले चलती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा संविधान बचाओ अभियान के तहत पूरे देश भर में रैलियां आयोजित की जा रही है। सरकारी एजेंसी का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी मुद्दों में आग लगाते हैं और आरएसएस के लोग उसमें घी डालने का काम करते हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा की पूरे देश में भाजपा के विरुद्ध निकाली जा रही रैलियों का उद्देश्य सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय का संदेश देना है। भाजपा द्वारा मनमाने तरीके से कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध के रूप में की गई।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक हनुमान सर्किल स्थित होटल अनंता में आयोजित की गई ।

हिन्दु समाज ने किया प्रदर्शन, दी श्रद्धांजलि

आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों के लिए श्रद्धांजलि सभा एवं विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया

टोंक। जिला मुख्यालय स्थित घंटाघर पर शु क्रवार को सर्व हिंदू समाज द्वारा गत दिनों हुए पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों के लिए श्रद्धांजलि सभा एवं विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। जिसमें बीजेपी के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए, जंहां पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत हुए निर्दोष नागरिकों को कैंडल मार्च द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चैहान ने पहलगाम में हुई आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या करना आतंकवादियों की छटपटाहट है, इनको करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिए गए पांचों कठोर निर्णयों से पाकिस्तान बौखलाहट स्थिति में आ गया है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चैहान, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, प्रभु बाडोलिया, विष्णु शर्मा, राजेश शर्मा, शैलेन्द्र चैधरी, ओम पांडे, नीलिमा आमेरा, मनीष सिसोदिया, विनायक जैन, राधेश्याम चांवला, लोकेश गुप्ता, देवराज गुर्जर, तरुण टिक्कीवाल, रामचरण साहू, बीना छामुनिया, चरण सिंह चैधरी, बलवंत मराठा, पंकज पहाड़िया, विजय मलवानी, अंजली गुप्ता, अजय सांखला, हर्षिता जैन इत्यादि सर्व समाज के सैकडो गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कलेक्टर ने ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, त्वरित निदान के दिए निर्देश

किशनगढ़ बास। पंचायत समिति कोटकासिम क्षेत्र की ग्राम पंचायत गुणसार के राजकीय विद्यालय पर जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और मौके पर संबंधित अधिकारियों को समाधान करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान एडीएम शिवपाल जाट, एसडीएम कोटकासिम रेखा यादव, डीएसपी राजेंद्र निर्वाणा सहित अधिकारी मौजूद रहे।

रात्रि चौपाल में जनसुनवाई के बाद जिला कलेक्टर ने गांव के स्कूल में ही ग्रामीणों के साथ भोजन किया और उनके साथ बैठकर के गांव के विकास व गांवों में साफ सफाई की व्यवस्था पर बात की गांव को साफ सुथरा रखने और अधिक से अधिक गांव में छायादार पौधे लगाने व पानी, बिजली बचाओ को लेकर सुझाव दिए। पानी, पर्यावरण, स्वच्छता व पीएम सूर्य घर योजना के महत्व को बताया और स्कूल के कमरे में ठहराव कर रात्रि विश्राम किया।

रात्रि चौपल में आई ग्रामीण महिला की शिकायत पर एसडीएम रेखा यादव को निर्देश देते कलैक्टर किशोर कुमार।

जिला कलेक्टर के समक्ष 18 लोग परिवेदनाएं लेकर के पहुंचे जिसमें जीवन मिशन कार्य करवाने, पंचायत से पट्टे दिलाए जाने, दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनवाने, विवादित भूमि, रास्ते पर अवैध अतिक्रमण हटवाने , सड़क बनवाने, पानी, बिजली आदि के संबंध में थी। प्रत्येक परिवादी की परिवेदना को कलेक्टर ने पढ़ा और सुनने के बाद अधिकारियों से मौके पर ग्रामीण के सामने काम करने में हों रहे विलंब के कारण पूछे और त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने ग्राम वासियों को गांव का पानी गांव में तथा खेत का पानी खेत में रखने एंव जल संरक्षण के महत्व को बताया। घर-घर जल संरक्षण करने के साथ ही बरसात के पानी को संरक्षित करने की अपील की। उन्होंने सरकार द्वारा चलाए जा रही पीएम सूर्य घर योजना के बारे में विस्तार से बताया। किसानों को खेतों में डीएपी की जगह यूरिया और एसएसपी के मिश्रण का उपयोग करने के फायदे गिनाये। अधिकारियों को उन्होंने कहा कि विभागों की योजनाओं के बारे में आमजन को अधिकतम जागरूक करें ताकि सरकार की मंशानुरूप अंतिम छोर तक व्यक्ति को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। इसके लिए अधिकारी और कर्मचारी अपने विभाग की योजनाओं और सेवाओं का समुचित प्रचार-प्रसार करें।

■ पंचायत समिति कोटकासिम की ग्राम पंचायत गुणसार के स्कूल में हुआ रात्रि चौपाल का आयोजन। कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम तहसीलदार डीएसपी सहित विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

माचडी मे 80 हजार की लागत से बनी टंकी पानी भरते ही फटी

अलवर। क्या इसे ही कहते है ग्रामीण क्षेत्र में विकास जिस विकास को भ्रष्टाचार की दीमक ने चट कर लिया हो ऐसा ही मामला अलवर तहसील की माचडी ग्राम पंचायत में देखने को मिला जहां अस्सी हजार की लागत से बनी पानी की एक टंकी पहली बार पानी भरते ही पूरी तरह से फट गई है।

यहां पर आपको बता दें कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में पडने वाली अलवर तहसील अन्र्तत आने वाली ग्राम पंचायत माचडी में एक टंकी का निर्माण विधायक कोटे पंचायत के माध्यम से जाकिर प्रधान के खेत में करीब एक साल पूर्व किया गया था। इस टंकी के निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार किया गया पानी की टंकी के निर्माण में जो सरियों का उपयोग होता है वह भी नही किया गया और इस टंकी को निर्माण कर खड़ा रखा एक वर्ष बाद जब कल रात इसमे पानी भरा तो वह रात को फट गई और एक बडा छेद इस टंकी में हो गया यह तो भगवान का शुक्र था जो यह घटना रात को घटी जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है।

सार-समाचार

'पेयजल सप्लाई में कोताही बर्दाश्त नही'

सांभरझील, (निसं)। बीसलपुर से सांभर तक डाली जा रही नई पेयजल लाइन में हो रहा विलंब व पुरानी लाइन के आए दिन क्षित्रग्रस्त होने के कारण सप्लाई नियमित नहीं होने का लगातार बहाना बना रहे विभाग पर कई सवालिया निशान खड़े होने के बाद आखिरकार इस दिशा में ठोस समाधान हेतु प्रभावी कदम उठाते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार मोदी जो की श्री गोपाल गौशाला के महासचिव मी है व जितेंद्र डांगरा नागरिक विकास समिति के सचिव ने जनता की मार्मिक पीड़ा को समझते हुए जलदाय मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव व जिला कलेक्टर से मुलाकात कर ठोस पक्ष रखा। पवन कुमार मोदी ने बताया कि सांभर शहर के लिए पूर्व में जो 18 एमएलडी पानी मिल रहा था उसी मापदंड में सांभर को जल उपलब्ध हो, सांभर व सिवानिया क्षेत्रों में सरकारी कुओं को रिचार्ज करवाने, सांभर में अवैध जल कनेक्शन को तत्काल प्रभाव से काटकर ऐसे लोगों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने की खास जरूरत बताते हुए अनुरोध किया गया है। इसके अलावा बीसलपुर नवीन पेयजल लाइन के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए भी जलदाय मंत्री की ओर से आश्वस्त करना बताया गया है। सांभर के 25 वार्डों में जहां-जहां पानी की विकट समस्या है उन स्थानों पर निजी टैंकरों के माध्यम से एक दिन के अंतराल से सप्लाई की विकल्प व्यवस्था की जाएगी। मोदी ने कहा कि सप्लाई में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। जितेंद्र डांगरा ने बताया कि जब निजी कुओं में भरपूर मात्रा में पानी है और टैंकरों से पानी सप्लाई हो रहा है तो फिर सरकारी कुओं में पानी क्यों नहीं है, विभाग ने आज तक इस पर क्यों नहीं ध्यान दिया, अब इस मसले को भी जल्दी ही हल करवाया जाएगा, क्योंकि जनता की तकलीफ को हम और बर्दाश्त नहीं कर सकते।

प्रवेशोत्सव रैली निकाली

बौंली- बामनवास। क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय टिगरिया में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने प्रवेश कार्यक्रम के तहत हाथों में शिक्षाप्रद स्लोगन लिखी तखतियां लेकर नवीन प्रवेश हेतु प्रवेशोत्सव रैली निकाली। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक कांजी बैरवा ने बताया की रैली के माध्यम से अभिभावकों को सरकारी विद्यालय से प्राप्त विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी दी गई, प्रभारी शिक्षक कालूराम प्रजापत के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने रंग बिरंगी तखतियां सजाकर रैली निकाली। इस दौरान छात्र-छात्राएं सरकारी विद्यालय में आओ, निशुल्क शिक्षा पाओ, हम बच्चों का नारा है, शिक्षा अधिकार हमारा है, इस प्रकार के नारे लगाते हुए चल रहे थे। रैली के दौरान रूक्मकेश मीणा व धर्म सिंह खारवाल (रेलवे सेवा) द्वारा रैली निकाल रहे नन्हे मुन्ने बच्चे, बच्चियों को मिठाई वितरण कर उत्साहवर्धन किया गया । रैली में शिक्षक मोहनलाल ढोली, कालूराम प्रजापत, अर्जुन लाल यादव, सिराज खान व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

मेले में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाबं

नारायणपुर । ग्राम पंचायत बसई जोगियान में मुख्य बस स्टैंड पर स्थित परमानंद दास महाराज के मेले का आयोजन बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। मेले के अवसर पर विशाल भंडारा आयोजित हुआ, जिसमें आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की और धर्म लाभ अर्जित किया। दिन में रोशन और जगराम महासी द्वारा नेहड़ा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, वहीं रात्रि के समय सुरेश गोला एंड पार्टी द्वारा हरियाणवी रागनी का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक सुरेश गोला ने परमानंद दास महाराज का इतिहास रोचक ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर श्रोता भाव-विभोर हो उठे। इसके साथ ही कलाकार नानक चंद, बॉबी बदेल, राधा चौधरी और पूजा शर्मा ने वीर गौरा-बादल और सती पद्मावती के ऐतिहासिक प्रसंगों का जीवंत वर्णन किया। उनके प्रस्तुतीकरण ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। रात्रि भर चले इस भव्य आयोजन में डांसर सोनू शेखावाटी और पूजा भारती के शानदार नृत्य ने युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए थानागाजी पुलिस पूरी रात मौके पर मुस्तैद रही। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच श्याम सिंह तंवर, रामकुंवार प्रजापत, ठेकेदार महेंद्र भादू, जीएसएस चेयरमैन विश्राम गुर्जर, कृष्ण चंदेला, मुकेश गढ़वाल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

पुण्यतिथि मनाई

श्रीमाधोपुर । अपनों को याद को चिर स्थाई रखने हेतु प्रेम नगर (मऊ रोड) श्रीमाधोपुर के सीताराम सैनी ने अपने सुपोत्र स्व. राहुल सैनी पुत्र फूल चंद सैनी की प्रथम पुण्य तिथि पर श्रीराम नंदी गोशाला हांसपुर सती वाला जोहड़ा परिजनों व मित्रों सहित पहुंच कर गो माता की सेवा में गो सवामनी कर हरे चारे ओर पोष्टिक सब्जियों की व्यवस्था कर सेवा कार्य किया साथ ही पक्षियों हेतु परिंडा चुगा पात्र लगा कर पर्यावरण सरकंक्षन हेतु पेड़ लगाये। गोशाला की जरूरत को पूरा करते हुए 2000 लीटर की एक पानी की टंकी, एकावन मन चारे की व्यवथा की। सभी को प्रेरणा ले कर अपनों की याद को चिर स्थाई बना कर पुण्य कमाए ।इस अवसर पर सीता राम सैनी, रामकरण सैनी, श्री हरि नारायण सैनी, बाबू लाल सैनी , अनिल सैनी , नवीन नगल्या, गो शाला समिति अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, पार्षद विनेश सैनी, राजू बागवान ,बाबूलाल कटारिया, विश्वनाथ शर्मा , प्रकाश शर्मा, राकेश सिंगोदिया, सागर मल व्यापारी, वीरेंद्र सैनी, अशोक मीणा, शुभम सैनी, बाबू लाल, कैलाश, मीनू तंवर, राजेश पायलट, नांची देवी,आसा देवी, सुमित्रा सैनी, मीना सैनी, रूपा सैनी आदि परिजन उपस्थित रहे।

विविध कार्यक्रम आयोजित

निवाई। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली व राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढ़ाणी मालियान में जल संरक्षण व जल जागरूकता विषय पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीईईओ व प्रधानाचार्य डॉ.योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि 16 से 30 अप्रैल तक जल पखवाड़ा मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत राहोली पंचायत के जल पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य जल संचयन के प्रति जागरूकता लाने, जल संग्रहण के लिए कार्य योजना तैयार करना, जल संग्रहण ढांचों का निर्माण करना है। कार्यक्रम प्रभारी पूजा पाटीदार ने बताया कि जल पखवाड़ा के अन्तर्गत प्रतिदिन विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। जिनमें जल संरक्षण, जल जागरूकता विषय पर पोस्टर,भाषण व लघु नाटक प्रस्तुत कर बच्चों ने जल बचाने व इसको सही उपयोग में लाने का सन्देश दिया।

पेयजल की समस्या के लिए शहर में किये निस्तारण केन्द्र स्थापित

टोंक। शहर में ग्रीष्म ऋतु मे पेयजल एवं सीवरेज की समस्याओं के समाधान हेतु चार शिकायत निस्तारण केंद्र स्थापित किए गए हैं। आरयूआईडीपी के अधिशासी अभियंता प्रांशु विजयवर्गीय ने बताया कि टोंक शहर में शिकायत निस्तारण केंद्रों पर एमआईएस सिस्टम सॉफ्टवेयर लगा हुआ है, जिन पर शिकायत दर्ज करने के पश्चात उपभोक्ता को रजिस्टर मोबाइल नंबर पर मैसेज के द्वारा शिकायत का विवरण के साथ सम्बन्धित अधिकारी का मोबाइल नंबर भी सूचित किया जाएगा एवं समस्या का समाधान होने पर भी मोबाइल फोन पर मैसेज प्राप्त होगा।

अपमान शॉर्ट फिल्म हुई रिलीज़

चौमूं / कालाडेरा। संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म ''अपमान'' आज ''इंडिया'' यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ हुई। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने बटन दबाकर रिलीज़ किया। फिल्म के निर्देशक राम गोपाल सैनी ने बताया कि संस्कार सृजन संस्था पिछले 19 वर्षों से लगातार कला, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। शॉर्ट फिल्म ''अपमान'' एक गौरक्षक के जीवन की सच्ची घटना पर आधारित है। जिसमें दिखाया गया है कि कैसे एक बिजनेसमैन गौरक्षक बनता है और गौ माता की सेवा में तन, मन, धन से जुड़ जाता है। यह शॉर्ट फिल्म आमजन में गौसेवा की भावनाओं को जागृत करेगी।

नीरज चोपड़ा को न अपनी देशभक्ति साबित करने की जरूरत है और ना ही खुद को। एक खिलाड़ी और सैनिक ही विदेशी धरती पर तिरंगा लहराकर देश का नाम रोशन करता है। आप एक खिलाड़ी होने के साथ-साथ सैनिक भी हैं।

– योगेश्वर दत्त

भारतीय पहलवान, नीरज चोपड़ा के समर्थन में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

महेन्द्र सिंह धोनी

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पांच विकेट की हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी के लिए बेहतर हालात का फायदा उठाने में नाकाम रही और उन्होंने 15 से 20 रन कम बनाए। धोनी ने स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी के लिए बेहतर हालात का फायदा नहीं उठा पाई। धोनी ने मैच के बाद कहा, "मुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। एक और बात यह है कि पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 157 (154) रन उचित स्कोर नहीं था।

क्या आप जानते हैं ?... गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शनपास फिलहाल ऑरेंज कैप है। साई सुदर्शन ने 8 मैचों में कुल 417 रन बनाए हैं।

कोहली की विराट फार्म से भी जूझेगी दिल्ली

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूद सत्र में अब तक 392 रन ठोक चुके विराट कोहली की शानदार फॉर्म रविवार को यहां मेजबान दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अभियान का अहम हिस्सा होगी। अरुण जेटली स्टेडियम में कल शाम आईपीएल की दो शीर्ष टीमें आमने सामने होंगी। कोहली की शीर्ष पर निरंतरता आरसीबी के हालिया प्रदर्शन का आधार रही है, जिससे टीम को अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत मिली है। कोहली ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 70 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। कप्तान रजत पाटीदार इस लय का फायदा उठाने और दिल्ली के खिलाफ टीम के मजबूत रिकॉर्ड को जारी रखने की कोशिश करेंगे, जिसने दोनों टीमों के बीच पिछले सात मुकाबलों में से पांच में जीत दर्ज की है। दिल्ली को अपने खुद के प्रदर्शन से प्रेरणा लेनी होगी, जिसने लखनऊ सुपर जायंट्स पर 8 विकेट से जोरदार जीत दर्ज की है। कप्तान अक्षर पटेल फॉर्म में चल रहे केएल राहुल और अभिषेक पोरेल पर भरोसा करेंगे, जिन्होंने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था।

लखन ने दूसरे दिन जीते नौ स्वर्ण पदक

लखनऊ, 26 अप्रैल। लखनऊ के खिलाड़ियों ने यूपी स्टेट सब जूनियर, कैडेट, जूनियर कराटे चैंपियनशिप-2025 के दूसरे दिन शनिवार को नौ स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। वहीं गौतमबुद्ध नगर के खिलाड़ियों ने तीन और वाराणसी के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के तत्वावधान में कराटे एसोसिएशन ऑफ लखनऊ द्वारा चौक स्टेडियम स्थित लालजी टंडन बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप के दूसरे दिन लखनऊ के वेदांत सिंह, विवान आहूजा, इशिता, रूद्र आहूजा, साहिल यादव, अरहम खान, अनंत कुमार, अग्रिम दक्ष व अंश लोधी ने स्वर्णिम सफलता हासिल की। लखनऊ ने दूसरे दिन नौ स्वर्ण, 1 रजत व 4 कांस्य पदक जीते और अब तक 14 स्वर्ण, 3 रजत व 7 कांस्य सहित कुल 24 पदक के साथ तालिका में सबसे आगे चल रहा है। दूसरी ओर गौतमबुद्ध नगर ने 3 स्वर्ण, 4 रजत व 4 कांस्य और वाराणसी ने 2 स्वर्ण, 2 रजत व 2 कांस्य पदक जीते।

मेजबान चीन की नजर सुदीरमन कप खिताब पर

शियामेन (चीन), 26 अप्रैल। मेजबान चीन का लक्ष्य अपने सुदीरमन कप खिताब को बचाना और टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 14वां खिताब हासिल करना है। रविवार को पूर्वी चीन के फ़ुज़ियान प्रांत के शियामेन में विश्व बैडमिंटन मिश्रित टीम चैंपियनशिप शुरू हो रही है। 1989 में स्थापित, इस आयोजन के 19वें संस्करण में पुरुष और महिला एकल, युगल और मिश्रित युगल में 16 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। चीन, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया सहित केवल तीन देशों ने ही कभी ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया है, चीन ने 2019 से पिछले तीन संस्करणों को जीतकर हाल के वर्षों में दबदबा बनाया है। एक मजबूत रोस्टर का दावा करते हुए, चीन की टीम में महिला लाइनअप में चार ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई (महिला एकल), चेन किंगचेन, जिया यिफान (महिला युगल) और हुआंग डोंगपिंग (मिश्रित युगल) शामिल हैं। पुरुषों में दुनिया की नंबर एक शि युकी एकल में बढ़त बनाए हुए हैं, जबकि पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता जोड़ी लियांग वेइकेंग/वांग चांग पुरुष युगल में शीर्ष पर हैं। वांग झीयी, जियांग जेनबैंग और वेई याक्सिन जैसे उभरते सितारे भी चीनी पक्ष को और मजबूत करते हैं। टीमों को चार पूल में विभाजित किया गया है, जिसमें शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी।

आईपीएल में अब 300 रन बनाना भी संभव : रिंकू सिंह

मुबंई, 26 अप्रैल। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रतिनिधित्व कर रहे रिंकू सिंह का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अब उस मुकाम पर पहुंच चुका है जहां 300 रन बनाना असंभव नहीं है। जियो हॉटस्टार के कार्यक्रम 'जनरल बोल्ड' पर रिंकू ने कहा मैं आमतौर पर नंबर 5 या 6 पर बल्लेबाजी करता हूं मैंने यूपी और आईपीएल में ऐसा किया है, इसलिए मुझे इसकी आदत है। मैं फिटनेस पर बहुत ध्यान देता हूं क्योंकि आईपीएल में 14 मैच होने के कारण, अपने शरीर को बनाए रखना और अच्छी तरह से रिकवर करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं माही भाई (महेन्द्र सिंह धोनीद्ध से भी अक्सर बात करता हूं। वह मुझे शांत रहने और मैच की स्थिति के अनुसार खेलने के लिए कहते हैं। जब आप संयमित रहते हैं तो चीजें अपने आप ठीक हो जाती हैं। रिंकू ने कहा जब से मैंने आईपीएल में खेलना शुरू किया है, तब से मैं सीख रहा हूँ। मैं रसेल को करीब से देखता हूँ, खासकर कि वह अंतिम ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करता है और कैसे वह अपने शरीर का इस्तेमाल ताकत पैदा करने के लिए करता है। मैं उसे देखता रहता हूँ और उससे कुछ सीखता रहता हूँ। उन्होने कहा आईपीएल उस मुकाम पर पहुँच गया है जहाँ 300 रन भी संभव है। पिछले साल, पंजाब ने कुल 262 रन का पीछा किया था। इस सीज़न में सभी टीमें मज़बूत हैं और कोई भी 300 रन तक पहुँच सकता है।

कोलकाता में बारिश के कारण मैच रद्द

केकेआर और पंजाब को मिले एक-एक अंक

कोलकाता, 26 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग का पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला बारिश के कारण हार जीत के फैसले के बिना खत्म हो गया। पंजाब किंग्स ने पहले खेलते हुये चार विकेट पर 201 रन बनाये थे जिसके जवाब में कोलकाता ने एक ओवर में सात रन बना लिये थे जिसके बाद बारिश शुरु हो गयी। रात करीब 11 बजे अंपायरों ने बारिश के कारण मुकाबला रद्द कर दिया। इस मुकाबले में दोनो टीमो को एक एक अंक दिया गया जिसके बाद पंजाब 11 अंकों के साथ अंक तालिका के शीर्ष चार में पहुंच गया है जबकि कोलकाता सातवें स्थान पर है। आज के मैच का आकर्षण प्रभसिमरन सिंह (83) और प्रियांश आर्य (69) के बीच 120 रन की तूफानी शतकीय रही जिसकी बदौलत पंजाब किंग्स ने 44वें मुकाबले में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने जीत के लिये 202 रन का लक्ष्य रखा। ईडन गार्डन मैदान पर कप्तान श्रेयस अय्यर के टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी के फैसले को सही ठहराते हुये प्रियांश और प्रभसिमरन ने विस्फोटक शुरुआत की और पहले 50 रन मात्र 4.3 ओवर में ठोक डाले। प्रभसिमरन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये अपना अर्धशतक मात्र 27 गेंदो में पूरा किया वहीं प्रियांश भी पूरी लय में नजर आ रहे थे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद का सख्त रुख

अब बर्दाश्त नहीं, खत्म हो सभी क्रिकेट संबंध : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 22 अप्रैल, मंगलवार को कश्मीर घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ अपने सभी क्रिकेट संबंध तोड़ देने चाहिए और आईसीसी तथा एशियाई टूर्नामेंटों में भी उनके साथ नहीं खेलना चाहिए। दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि हर दूसरे साल भारतीय

धरती पर कोई न कोई आतंकी गतिविधि होती है और इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

सौरव गांगुली ने संवाददाताओं से कहा, "100 प्रतिशत, भारत को ऐसा करना चाहिए (पाकिस्तान के साथ संबंध तोड़ना चाहिए)। कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह एक मजाक बन गया है कि ऐसी चीजें हर साल हो रही हैं। आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।"

22 अप्रैल को एक बार फिर भारतीय धरती पर आतंक का कहर देखने को मिला, जब पांच से छह आतंकवादियों ने पहलगाम के बैसरन मैदानों में गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादी समूह द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली।

भारतीय दिग्गज फुटबॉलर विजयन केरल पुलिस से सेवानिवृत्त

मलप्पुरम, 26 अप्रैल। पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान और दिग्गज स्ट्राइकर आईएम विजयन पुलिस बल में 38 साल के लंबे करियर को समाप्त करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। मालाबार स्पेशल पुलिस में सहायक कमांडेंट के पद पर कार्यरत आईएम विजयन शनिवार को सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। एमएसपी ग्राउंड में आयोजित विदाई परेड में साथी अधिकारियों से सलामी लेने के बाद विजयन सेवा से सेवानिवृत्त हुए। विदाई परेड के बाद, फुटबॉल के दिग्गज ने अपनी खुशी व्यक्त की और सेवानिवृत्ति के बाद अपनी योजनाओं का खुलासा किया।

वानखेड़े में एलएसजी के खिलाफ नये आत्मविश्वास से उतरेगी मुंबई

मुंबई, 26 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चार मैचों में शानदार जीत से उत्साहित मुंबई इंडियंस (एमआई) रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ नये आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। यह मैच मुंबई के लिए प्लेऑफ में जगह बनाने के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मुंबई अब तक नौ मैचों में 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं वहीं एलएसजी ने इस सीजन में असंगत प्रदर्शन किया है और वह पांच जीत और चार हार के साथ छठे स्थान पर है। मुंबई की वापसी काफी हद तक उनके प्रमुख खिलाड़ियों के फॉर्म की वजह से है। सीजन की धीमी शुरुआत के बावजूद, एमआई ने हाल के मैचों में अपनी किस्मत बदल दी है। उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाइयों ने सही समय पर काम करना शुरू कर दिया है। रोहित शर्मा ने हाल के मैचों में लगातार दो अर्धशतक जड़कर अपनी लय फिर से हासिल कर ली है। उनके हालिया प्रदर्शनों में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 46 गेंदों पर 70 रन की पारी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

युवा खिलाड़ियों की निडरता से शास्त्री प्रभावित

मुंबई, 26 अप्रैल। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चमक रहे युवा बल्लेबाजों की नई पीढ़ी की तारीफ करते हुये कहा कि

आयुष म्हात्र,वैभव सूर्यवंशी,प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भविष्य उज्जवल है। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नये एपिसोड में मेजबान संजना गणेशन के साथ बातचीत मं कहा कि वह भारतीय युवा सनसनी के निडर रवैये से हैरान हैं जिन्होंने टूर्नामेंट में तूफान मचा दिया है। पूर्व भारतीय कोच ने चेन्नई सुपर किंग्स के आयुष म्हात्रे और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी के साथ-साथ पंजाब किंग्स की आक्रामक सलामी जोड़ी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह जैसे युवाओं की हिम्मत की दाद दी और कहा कि यह चौकड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस फॉर्म को अच्छी तरह से दोहरा सकती है। शास्त्री ने कहा, पंजाब के दो सलामी बल्लेबाज शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ये युवा खिलाड़ी जो अभी आए हैं, वे 14 साल या 17 साल के हैं और पहले छह ओवरों में ही रन बना लेते हैं। आर्य टूर्नामेंट की शुरुआत से ही शानदार फॉर्म में हैं। गौरतलब है कि 23 वर्षीय आर्य ने 8 पारियों में 201.58 की शानदार स्ट्राइक रेट से 254 रन बनाए हैं, जिसमें सीएसके के खिलाफ़ एक शानदार शतक भी शामिल है। आर्य को चोटिल रुतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में शामिल किया गया था, और उन्होंने सिर्फ़ 15 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे, उन्होंने मुंबई इंडियंस के स्टार खिलाड़ियों से सजी लाइन-अप के खिलाफ़ अपने बोल्ड स्ट्रोक्स से प्रशंसकों और विशेषज्ञों को हैरान कर दिया।

भारत, श्रीलंका और द. अफ्रीका के बीच ट्राई सीरीज

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। भारत, श्रीलंका और साउथ अफ्रीका रविवार, 27 अप्रैल से शुरू होने वाली ट्राई सीरीज में खेलेन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। श्रीलंका इस सीरीज की मेजबानी कर रहा है। वहीं कोलंबो का आर प्रेमदासा स्टेडियम टूर्नामेंट के सभी सात मैचों की मेजबानी करेगा।

रविवार, 11 मई को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला जाएगा, इससे पहले सभी टीमों को एक दूसरे के खिलाफ 4-4 मैच खेलने का मौका मिलेगा। पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पर रहने वाली टीमों के बीच खिताबी जंग होगी। ये ट्राई सीरीज

वनडे फॉर्मेट में खेली जाएगी।

इस सीरीज के लिए भारत ने पहले अपनी टीम का ऐलान कर चुका है। जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर शुचि उपाध्याय और श्रीचरणी व तेज गेंदबाज ऑलराउंडर काशवी गौतम को पहली बार इंटरनेशनल टीम में शामिल किया गया है। यास्तिका भाटिया और स्नेहा राणा की भी टीम में वापसी हुई है। श्रीलंका की टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर चमारी अटापट्टू के हाथों में होगी और टीम में अनकैप्ड स्पिनर माल्की मदारा के अलावा पिउमी वत्सला और डेवमी विहंगा को भी शामिल किया गया है। साउथ अफ्रीका टीम की कप्तानी विकेटकीपर कराबो मेसो, स्पिनर सेशनी नायडू और ऑलराउंडर मियान स्मिट को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है।

23वें कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप-2025

पिस्तौल स्पर्धा में राजस्थान के खिलाड़ियों को मैडल

जयपुर, 26 अप्रैल। राजस्थान राइफल एसोसिएशन को अपने प्रतिभाशाली एथलीटों पर गर्व हो रहा है जो की भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित 23 वें कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 पिस्तौल स्पर्धा और दिल्ली में आयोजित राइफल स्पर्धा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे है। यह आयोजन दिनांक 22 अप्रैल 2025 से 05 मई 2025 तक आयोजित किये जायेंगे इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर के शीर्ष निशानेबाजों की भागीदारी होगी और राजस्थान का दल अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। इस आयोजन में 10 मीटर एयर पिस्तौल मिक्स्ड जूनियर टीम इवेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे राज्य के प्रतिभाशाली निशानेबाज अंशुल और मोहिनी सिंह ने भाग लिया राजस्थान की इस जोड़ी ने मिलकर 578-11 अंको के साथ रजत पदक अपने नाम किया इस प्रतिस्पर्धा में सीनियर वर्ग मिक्स्ड टीम की जोड़ी में ओमप्रकाश मिठारवाल और मोहिनी सिंह ने मिलकर 573-13 अंक अर्जित किये और कस्य पदक हासिल किया। 10 मीटर एयर पिस्तौल सब युथ वीमेन इंडिविजुअल इवेंट में दीक्षिता चौधरी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, 10 मीटर एयर राइफल इवेंट की पैरा वीमेन इवेंट में रीना कुमारी ने 584.8 अंको के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया और 10 मीटर एयर राइफल सब युथ वीमेन इंडिविजुअल इवेंट में धुविशा चौधरी ने 628.8 अंक अर्जित किये और स्वर्ण पदक हासिल किया। नेशनल राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रकार के आयोजन पूरे भारत में खेल भावना को बढ़ावा देने और प्रतिभा के पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में राजस्थान के निशानेबाज उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने और राज्य को गौरवान्वित करने के लिए आश्वस्त हैं।

बीसीबी ने 250 करोड़ टका की निकासी पर दी सफाई

ढाका, 26 अप्रैल। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को नेतृत्व परिवर्तन के बाद से किए गए कुछ वित्तीय लेन-देन पर स्पष्टीकरण जारी किया है। बीसीबी ने दावा किया है कि ये लेन-देन बीसीबी के फंड की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किए गए थे ताकि संस्था को 'निहित स्वार्थों' से बचाया जा सके। बोर्ड ने यह सफाई तब जारी की है जब कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि फारुक अहमद के बीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद से वित्तीय लेन-देन में कुछ अनियमितताएं हुई हैं। बीसीबी ने एक प्रेस विज्ञिप्त में कहा, अगस्त 2024 में बीसीबी अध्यक्ष की भूमिका संभालने पर, फारुक अहमद ने बोर्ड के वित्तीय हितों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। विशेष रूप से पिछले वर्षों में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों और जुलाई-अगस्त 2024 के बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद देश द्वारा अनुभव किए जा रहे कठिन आर्थिक दौर के संदर्भ में बीसीबी ने कहा बोर्ड के धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, बोर्ड ने एक 'रणनीतिक निर्णय' लिया है कि बांग्लादेश बैंक द्वारा जोखिमपूर्ण श्रेणी में रखे गए बैंकों से 250 करोड़ टका वापस ले लिए जाएं तथा इसका अधिकांश हिस्सा ग्रीन और येलो जोन में वर्गीकृत बैंकों में पुनर्निवेशित किया जाए।

रक्षित के धुंआदार शतकीय पारी से सोनी क्रिकेट एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 26 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नारायणा क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी ग्राम पर खेले गये पूल-ई के मैच में रक्षित लुणावत 148 रन नाबाद (72 गेंद, 13 चौके 9 छक्के), की आतिशी पारी यश चौधरी 56 रन नाबाद की अद्धर्शतकीयपारी की बदौलत कोडाई स्पोर्टस एकेडमी को 138 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर सोनी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपना पहला विकेट 13 रन पर गवा दिया लेकिन दूसरे विकेट पर रक्षित लुणावत 148 रन नाबाद तथा यश चौधरी 56 रन नाबाद ने मिलकर 214 की नाबाद साझेदारी निभाकर अपनी टीम का स्कोर निर्धारित 20 ओवर में 1 विकेट खोकर 227 रन पहुँचा दिया। कोडाई क्रिकेट एकेडमी की ओर से शुभम निर्वाण 38 रन पर 1 विकेट लेकर एकमात्र सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में कोडाई स्पोर्टस एकेडमी के राहुल नायर 24 रन, गुणवंश निर्वाण 21 रन नाबाद, राज 13 रन, सुमित सैनी 10 रन ही सोनी क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों ललित शेरावत 10 रन पर 2 विकेट, जयकिशन 11 रन पर 2 विकेट हर्ष जाखड़ 26 रन पर 2 विकेट तथा परिक्षीत व यश चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट के समक्ष कुछ हद तक टीक सके, शेष बल्लेबाज कि विफलता के चलते पूरी टीम 19.3 ओवर में 89 रन पर सिमट गई। मैन ऑफ दा मैच रक्षित लुणावत 148 रन नाबाद (72 गेंद, 13 चौके, 9 छक्के) सोनी क्रिकेट एकेडमी रहे।

क्लार्क के पंजे की मदद से सरे ने समरसेट को 283 रन पर समेटा

लंदन, 26 अप्रैल। जॉर्डन क्लार्क ने (5-68) की घातक गेंदबाजी की बदौलत सरे ने ओवल में पहले दिन समरसेट की पहली पारी को 283 रनों पर समेट दिया।

समरसेट की ओर से टॉम लैमनबी ने सर्वाधिक 76 रन बनाए। एक समय समरसेट के दो विकेट पर 146 रन थे और उसकी स्थिति संतोषजनक थी मगर क्लार्क की सनसनाती गेंदो के चलते कुछ ही समय में उसका स्कोर सात विकेट पर 187 रन हो गया। हालांकि बाद में कप्तान लुईस ग्रेगरी (62) ने वापसी की और शुक्रवार को आखिरी तीन विकेटों के लिए 96 रन जोड़े। ग्रेगरी अंतिम ओवर में डीप में कैच आउट हुए और समरसेट 283 रन पर आउट हो गया।

आरसीए कन्वीनर जयदीप बिहानी ने आरसीए एकेडमी में चल रहे एनसीए अंडर-16 केम्प का जायजा लिया

जयपुर, 26 अप्रैल। बीसीसीआई द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ को एनसीए अन्डर-16 प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की जिम्मेदारी दी गयी है। राजस्थान क्रिकेट संघ तदर्थ कार्यकारिणी के संयोजक जयदीप बिहानी आज सुबह आरसीए एकेडमी पहुंचे एवं शिविर में भाग ले रहे खिलाड़ियों एवं स्टॉफ से रूबरू हुये। बिहानी से एनसीए स्टॉफ को आरसीए की तरफ से दी जा ही सुविधाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया एवं उन्हे आश्वस्त किया कि इस सेन्टर पर आपको किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आयेगी एवं बीसीसीआई के मापदण्डो के अनुसार हर सुविधा आपको प्रदान की जावेगी। बिहानी ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर आरसीए एकेडमी पर दिनांक 18 अप्रैल से प्रारम्भहुआ है जो कि दिनांक 14 मई, 2025 तक चलेगा। इस शिविर में अन्डर-16 विजय मर्चेन्ट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले देश के विभिन्न राज्यो के 25 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वही बीसीसीआई क्वालिफाईड 4 कोचेज, 2 फिजियो, 2 ट्रेनर द्वारा इन खिलाड़ियों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। साथ ही सम्पूर्ण गतिविधियों को विडियो एनलिस्ट द्वारा कैमरे में भी कैद किया जा रहा है एवं उसके उपरान्त खिलाडियों को क्लास में विड़ियों के अनुसार तकनीकी ज्ञान एक्शन इम्प्रूव भी किया जा रहा है। एक महीने के इस शिविर के दौरान खिलाड़ियों को नेट्स, फिल्डिंग प्रेक्टिस, मैच सिनारियो, जिम, पुल सेशन आदि दिये जाते है। पूरा कार्यक्रम बीसीसीआई / एनसीए द्वारा तैयार किया जाता है। शिविर के शुरूआत में खिलाडियों के विभिन्न मेडिकल टेस्ट कराये जाते है एवं फिट होने पर ही खिलाड़ियों को शिविर में शामिल किया जाता है। गौरतबल है कि आरसीए द्वारा दी जा रही बेहतरीन सुविधाओं के चलते बीसीसीआई द्वारा आरसीए को हर वर्ष अन्डर 16, अन्डर 19 अथवा महिला प्रशिक्षण शिविर की जिम्मेदारी दी जाती है। इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग ले चुके विभिन्न खिलाड़ी आज आईपीएल एवं भारत के लिए खेल रहे है जिसमें ध्रुव जुरैल, रियान पराग एवं संजु सैमसंग आदि शामिल है।

इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 26 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल सी के मैच में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को 10 विकेट से हराया। राजीव क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ज्यानील सदानानी के 22 रन, प्रथम गंगलानी के 13 रन, दक्ष जैन के 26 रन, निकेत मीणा के 14 रनों से 27 ओवर में मात्र 95 रन बनाकर आउट हो गई। इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब के लिए लोकेंद्र चौधरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 10 रन पर 6 विकेट लिए, देवांक सिंगोदिया ने 20 पर 3 व हर्षित गौर ने 11 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब की टीम ने गौरव तोड़ावत के नाबाद 75 रन व क्षितिज के 12 रन नाबाद से 8.3 ओवर में बिना विकेट 96 रन बनाकर मैच जीत लिया।

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

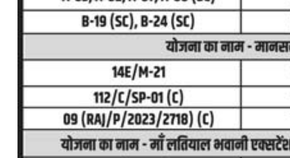

इस गर्मी में अपनी होगी छत, अपनी होगी छांव... आवासन मण्डल लाया अपने घर की सौगात

ई-ऑक्शन के माध्यम से आवासीय/व्यावसायिक प्रीमियम संपत्तियों को खरीदने का सुनहरा अवसर

ई-ऑक्शन की तिथि 26 से 28 मई, 2025

भूखण्ड संख्या	कुल भूखंड संख्या	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	न्यूनतम बोली मूल्य (रुपयों में)
योजना का नाम - रंगबाड़ी, कोटा (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
5-C-2	1	1178.92 sqm	80000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - न्यू आर.एच.बी.कॉलोनी, डीटीओ के पास, हनुमानगढ़ (बड़े व्यावसायिक भूखंड) RAJ/P/2023/2457			
A-53 (SC) (C), A-15 (C), B-08 (ST) (C)	3	30 sqm	51000/-प्र.व.मी.
A-26, A-27, A-30 (SC), A-35 (ST), A-36 (SC)	5	90 sqm	48500/-प्र.व.मी.
A-62 (ST) (C), A-08 (ST) (C), A-63(C), A-59 (SC) (C)	4	72 sqm	51000/-प्र.व.मी.
A-03, A-02, A-07, A-06 (SC)	4	54 sqm	48500/-प्र.व.मी.
B-19 (SC), B-24 (SC)	2	72 sqm	48500/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - मानसरोवर, जयपुर (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
14E/M-21	1	35.38 sqm	180000/-प्र.व.मी.
112/C/SP-01 (C)	1	2705.63 sqm	215000/-प्र.व.मी.
09 (RAJ/P/2023/2718) (C)	1	6282.01 sqm	216000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - माँ लतियाल भवानी एक्सटेंशन हाउसिंग स्कीम फलौदी, जोधपुर (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
C (Corner)	1	1578.85 sqm	20000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - न्यू आर एच बी कॉलोनी, डीटीओ के पास, हनुमानगढ़ (छोटे वाणिज्य भूखंड) RAJ/P/2023/2457			
B-02, B-03	2	21.60 sqm	48500/-प्र.व.मी.
B/K-06 (C)	1	6.25 sqm	51000/-प्र.व.मी.
B-30 (SC), B-38, B-31	3	16.20 sqm	48500/-प्र.व.मी.
A-51 (ST), A-16 (ST)	2	27.00 sqm	48500/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - मानसरोवर, जयपुर (छोटे वाणिज्य भूखंड)			
14E/M-22, 14E/M-23 (ST)	2	27 sqm	180000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - इंदिरा गाँधी नगर, जयपुर (आवासीय भूखंड)			
7/H/37 (Plinth Level)	1	324 sqm	13500000/-प्रति आवास
योजना का नाम - इंदिरा गाँधी नगर, जयपुर (निर्मित आवास)			
7/H/222, 7/H/228, 7/H/235, 7/H/238	4	128.92 sqm	8000000/-प्रति आवास
9/L/565	1	67.50 sqm	4000000/-प्रति आवास
14/H/184, 14/H/188	2	128 sqm	7000000/-प्रति आवास
8/HMM/66	1	216 sqm	8000000/-प्रति आवास
11/H/195-C (DUPLEX)	1	236.25 sqm	19500000/-प्रति आवास

*उपरोक्त भूखण्ड/आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे ।

नीलामी की विस्तृत जानकारी के लिए QR कोड स्केन करें

नीलामी में भाग लेने, विस्तृत शर्तों एवं अन्य जानकारी के लिए राजस्थान आवासन मण्डल की वेबसाइट https://rhb.rajasthan.gov.in देखें। तथा भवन निर्माण पेरामीटर्स भवन विनियम 2020 के अनुसार रहेंगे।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319, 6376868696 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in राज.संवाद/सी/25/1377 आवासन आयुक्त

प्रवासी राजस्थानियों का मातृभूमि को समृद्ध बनाने में योगदान है : मुख्यमंत्री भजनलाल

मुंबई में ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पानी, ऊर्जा, रोजगार व औद्योगिक विकास पर जोर दिया

मुंबई/जयपुर, 26 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार पानी, ऊर्जा, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस संकल्प को साकार करने में 8 करोड़ प्रदेशवासियों की भागीदारी के साथ ही राजस्थानी भाई-बहनों की भी अहम भूमिका होगी।

शर्मा शनिवार को मुंबई में आयोजित ''कर्मभूमि से मातृभूमि''

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि भामाशाहों व प्रवासी भाई-बहनों के सहयोग से राज्य में 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी समुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी देश-विदेश की विभिन्न यात्राओं के दौरान यह देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि हमारे प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के विकास में योगदान देने के साथ ही अपनी माटी से जुड़ाव रखते हुए राजस्थान को संवारने और समृद्ध बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुंबई में आयोजित ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रवासी राजस्थानी समुदाय से राजस्थान में निवेश करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने एक ऐसी ही पहल जल संचय के क्षेत्र में की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में हमें भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर न केवल जल उपलब्धता बढ़ाएगा बल्कि भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान में पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्षों से लंबित ईआरसीपी (राम जल सेतु लिंक परियोजना) से जुड़ा समझौता करके हमने इसके कार्य भी प्रारंभ कर दिए हैं। शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी समुदाय को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि राजस्थान में निवेश से उनका कारोबार तो बढ़ेगा ही, साथ ही प्रदेश की समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए राजस्थान सरकार हरसंभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों और देश के विभिन्न राज्यों में आईएएस अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है, जो कि राज्य सरकार और निवेशकों के मध्य समन्वय का कार्य करेंगे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जल संचय के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, घर-घर तक नल कनेक्शन के माध्यम से जल पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, वन राज्य मंत्री मुकेश भाई पटेल तथा जोधपुर विधायक अतुल भंसाली सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित थे।

सांसद हनुमान बेनीवाल अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

जयपुर, 26 अप्रेल। पुलिस उप निरीक्षक भर्ती को रद्द करवाने की मांग को लेकर शनिवार को जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू हुआ,आरएलपी अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल अपने समर्थकों के साथ जालूपुरा स्थित आवास से पैदल शहीद स्मारक पहुंचे और एसआई भर्ती को रद्द करने की मांग उठाई।

सांसद ने पीटीआई परीक्षा के छात्रों के दस्तावेज का पुनः सत्यापन कराने सहित कई विषयों पर भी अपनी बात रखी वहीं मीडिया से संवाद करते हुए भजनलाल सरकार पर कई आरोप लगाए और राजस्थान लोक सेवा आयोग में हुए भ्रष्टाचार की बात भी उठाई । दस्तावेजों के साथ आरएएस 2018 भर्ती को लेकर यह बात कही

सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ है, इसके कई प्रमाण है , इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पदमा चौधरी नामक एक अभ्यर्थी जिसकी आरएएस 2018 में 24 वीं रैंक थी और इस अभ्यर्थी ने आरएएस मैंस के 4 पेपर

■ उनकी मुख्य मांग, पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती को रद्द करने की है।

में अंग्रेजी के प्रश्न संख्या 34 का उत्तर भी नहीं लिखा , उसमें उस मूल्यांकनकर्ता ने पहले तो शून्य नंबर दिए मगर इसके बाद 7 नंबर दे दिए जिससे उसकी रैंक 24 हो गई। यह पूरी सांठ गांठ आरपीएससी के चेयरमैन व कई सदस्यों तथा कोचिंग माफियाओं व सत्ता में बैठे युवाओं के सपनो के सौदागरों के संरक्षण के बिना सम्भव नहीं था, इस अभ्यर्थी के साक्षात्कार में भी 72 मार्क्स दिए गए जो बहुत अधिक है और बिना सांठ - गांठ असंभव है।

बेनीवाल ने कहा कि जयपुर के एक बड़े कोचिंग संस्थान स्प्रिंग बोर्ड के फर्जीवाड़े से एसडीएम बनी इस पदमा चौधरी को रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया तथा अपनी कोचिंग के पब्लिकेशन से फर्जीवाड़े से आरएएस बनी पदमा चौधरी के नाम से हिंदी की बुक प्रकाशित करवाई तथा उसमें केवल उसके हिंदी का पेपर ही प्रकाशित किया क्योंकि अंग्रेजी के पेपर में तो खाली पेज में भी 7 मार्क्स दे रखें थे,सांसद बेनीवाल ने सीएम भजनलाल शर्मा व राज्यपाल के एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए प्रदेश के युवाओं के हित में राजस्थान लोक सेवा आयोग को भंग करके उसका पुनर्गठन करने तथा इस मामले की जांच सीबीआई से करवान तथा फर्जीवाड़े से आरएएस बनी पदमा चौधरी को तत्काल निलम्बित करने व साथ ही आरपीएससी के उस वक्त के तमाम उन सदस्यों और अधिकारियों को गिरफ्तार करने और उस वक्त के तमाम अभ्यर्थियों की कॉपियों को सार्वजनिक करने की मांग उठाई । शनिवार शाम पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत हुए नागरिकों को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने श्रद्धांजलि अर्पित की,सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। बेनीवाल ने पीएम मोदी से पाक अधिकृत कश्मीर को फिर से भारत के हिस्से में लेने की मांग उठाई, बेनीवाल ने कहा कि मोदी के लिए अब भाषण देने का नहीं बल्कि कुछ करने का समय है।

सुरक्षा विशेषज्ञों की राय में, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनावश्यक वृद्धि से बचा जा सके।

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेन्ट जनरल राकेश शर्मा ने भी जोर देते हुये कहा है कि जहाँ स्थानीय टकराव तथा भड़काऊ गतिविधियाँ सामान्य बातें है, वहीं दोनों देश आमतौर से रणनैतिक नियंत्रण से काम लेते हैं। उन्होंने कहा, ''ऐतिहासिक घटनाएं तथा अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव युद्ध छिड़ने की स्थिति को प्रभावी तरीके से रोकने का काम करते हैं।''

विश्लेषकों ने पाकिस्तान की खराब होती जा रही आर्थिक स्थिति, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसका अलग-थलग पड़ जाना तथा वहां की अंदरूनी अस्थिरता की ओर ध्यान आकृष्ट किया है तथा कहा है कि ये कारण इस्लामाबाद की लम्बे संघर्ष में पड़ने की संभावनाओं को और भी कम करते हैं। इसके अलावा, वैश्विक ताकतें, जिनमें अमेरिका तथा चीन भी शामिल हैं, से भी अपेक्षा है कि वे स्थानीय तनावों को विरासत बनने से रोकने के लिए अपने कूटनीतिक प्रभावों को काम में लेंगी।

इस बीच, खुफिया एजेंसियों से सचेत किया है कि कुछ समय के लिए आतंकी गतिविधियों में वृद्धि सम्भव है। लेकिन गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने इस बात को दोहराया है कि भारतीय सुरक्षा बल किन्हीं भी खतरों को निष्क्रिय करने में पूरी तरह सक्षम हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''सरकार पूरी तरह से सजगता बरत रही है तथा स्थिति की बारीकी से मॉनिटरिंग कर रही है, लेकिन बड़े पैमाने पर सैन्य लामबन्दी की योजनाओं का कोई संकेत नहीं है।''

एक सरकारी बयान में, विदेश मंत्रालय ने उस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की भारत के संकल्प को दोहराया है, साथ ही यह स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे से दृढ़तापूर्वक निबटा जायेगा तथा उसका माकूल जवाब दिया जायेगा।

विशेषज्ञों ने आम जनता को सचेत किया है कि वह अप्रमाणित अफवाहों पर धयान नहीं दे तथा सनसनीखेज बातों से कोई मतलब नहीं रखे। अजय साहनी ने धैर्य के महत्व पर जोर दिया है तथा दोनों देशों के बीच सुस्थापित कम्यूनिकेशन चैनलों पर ही विश्वास करने को कहा है। उन्होंने निष्कर्ष के रूप में कहा, ''ऐसी अपेक्षा है कि आगामी दिनों में स्थिति शान्त हो जायेगी, बशर्ते, दोनों पक्ष रणनैतिक धैर्य से काम लेते रहें।'' इस समय, जम्मू-कश्मीर के अधिकांश भागों में हालात सामान्य है, हालांकि संवेदन स्थानों पर सुरक्षा की बड़ी व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने पर्यटकों तथा वहां के बाशिन्दों से कहा है कि वे सजग तो रहें, लेकिन आश्वस्त भी रहें कि जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं।

पाक सेना ने रात भर सीमा पर फायरिंग की

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए कठोर निर्णयों से बौखलाए पाकिस्तान की सेना ने शुक्रवार पूरी रात कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर फायरिंग की जिसका भारतीय सेना ने जोरदार जवाब दिया। सेना के सूत्रों ने शनिवार सुबह बताया कि पाकिस्तानी सेना ने 25 और 26 अप्रैल की दरम्यानी रात कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर अनेक चौकियों से छोटे हथियारों से फायरिंग की । सूत्रों ने कहा कि भारतीय सेना ने भी इसके जवाब में जोरदार फायरिंग की। फायरिंग के दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

भारी ''इन्सैन्टिव'' देने के बावजूद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। ''ऐसा लगता है कि दोनों सरकारें सावधानी से देख रही हैं और व्यापार को पूरी तरह से रोकना नहीं चाहतीं,'' उन्होंने कहा। ''कुछ कंपनियाँ बता रही हैं कि वे कुछ वस्तुएँ बिना शुल्क के ला पा रही हैं। अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हम उसके इंतजार में हैं।''

फिर भी व्यापक निवेश परिदृश्य एक चिंताजनक तस्वीर पेश करता है। वर्ष 2024 में चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश साल-दर-साल 27.1 प्रतिशत गिर गया, जो कि 2008 की वित्तीय मंदी के बाद सबसे तेज गिरावट है। बीजिंग ने इसे स्थिर करने के लिए 20-बिन्दु की कार्य योजना शुरु की, जिसमें दूरसंचार, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों को खोलने की बात शामिल है, लेकिन कारोबारी समुदाय अभी भी संशय में है।

एम चैम चाइना के केवल 33 प्रतिशत सदस्यों ने निवेश माहौल में सुधार की बात कही- जो पिछले वर्ष से महज़ पाँच प्रतिशत की बढ़ोतरी है। वहीं, खराब होते माहौल की बात करने वाले कंपनियों की संख्या घटकर 28 प्रतिशत रह गई, जो सात प्रतिशत की गिरावट है, लेकिन फिर भी यह एक बड़ी संख्या है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अब 21 प्रतिशत सदस्य कंपनियाँ चीन को शीर्ष निवेश गंतव्य नहीं मानतीं। जो महामारी से पहले की तुलना में दोगुनी संख्या है।

इस समस्या का एक हिस्सा नीतियों को आगे भेजे जाने और कार्यान्वयन के तरीके में है। श्वेतपत्र कहता है, ''हमारे सदस्य कंपनियों के नजरिए से, नीति संबंधी उपायों को विदेशी उद्यमों तक बेहतर ढंग से पहुंचाया जाना चाहिए और सरकार के सभी स्तरों पर समान रुप से लागू किया जाना चाहिए।'' सदस्य कंपनियाँ ''खुले और स्पष्ट संवाद चैनलों'' की मांग कर रही हैं ताकि वे समय पर प्रतिक्रिया दे सकें और अपनी चिंताओं को साझा कर सकें।

व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं के अलावा, अमेरिकी कंपनियों ने संरचनात्मक चुनौतियों को भी उजागर किया, विशेष रुप से डेटा सुरक्षा और तकनीक व वित्त जैसे प्रमुख क्षेत्रों के रणनीतिक अलगाव को लेकर। इसके अलावा विदेशी निवेशित कंपनियों के साथ घरेलू कंपनियों के मुकाबले भेदभाव की भावना भी चिंता का विषय बनी हुई है, भले ही सरकार ने भेदभाव नहीं करने का वादा किया हो।

कुल मिलाकर, श्वेत पत्र एक सतर्क विमुखता की तस्वीर पेश करता है- यह कोई सामूहिक पलायन नहीं है, लेकिन चीन में नया पूँजी, मानव संसाधन या रणनीतिक योजना लगाने में बढ़ती हिचकिचाहट जरुर है। जैसे-जैसे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ जटिल विवादित संबंधों के बीच झूल रही हैं, सामान्य व्यापार की गुंजाइश तेजी से कम होती जा रही है।

अन्य देशों की बात करें, तो अमेरिका की नज़र वियतनाम, मैक्सिको, फिलीपींस, मलेशिया, थाईलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य पर भी है।

वियतनाम ''चीन प्लस वन की'' रणनीति से लगातार लाभ उठा रहा है। उसकी कम मजदूरी लागत, व्यापार समर्थक नीतियाँ और चीन से निकटता के कारण आपूर्ति शृंखला विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स और वस्त्रों के लिए आदर्श स्थान बन गया है।

मैक्सिको अमेरिका के लिए आपूर्ति शृंखला को छोटा करने का एक आकर्षक विकल्प बनता जा रहा है यूएसएमसीए समझौते, भौगोलिक निकटता और कम लॉजिस्टिक लागतों के चलते।

फिलीपींस, मलेशिया और थाईलैंड आउटसोर्सिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एसैम्बलिंग और सेवाओं के लिए हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं। ये देश प्रतिस्पर्धी श्रम, बेहतर हो रहे बुनियादी ढांचे और व्यवसाय के अनुकूल नीतियाँ पेश कर रहे हैं।

कुछ अमेरिकी कंपनियाँ, विशेष रुप से हाई-टैक और एयरोस्पेस क्षेत्रों में, पूर्वी यूरोप के देशों- खासकर पोलैंड और चेक गणराज्य -की ओर देख रही हैं, जहाँ कुशल श्रम, यूरोपीय संघ की पहुँच और यूरोप तथा यूरेशिया दोनों बाजारों की सेवा के लिए बेहतर रणनीतिक स्थिति है।

पी.डब्ल्यू.डी. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की थी। इस प्रावधान के चलते जो अफसर व कर्मचारी 30 जून को रिटायर हुए, उन्हें एक वार्षिक वेतन बढोतरी का लाभ नहीं मिला। इससे उनकी पेंशन व अन्य परिलाभ भी प्रभावित हुए। वहीं राज्य सरकार कर्मचारी को वेतन वृद्धि पूर्व में काम कर चुकी अवधि के आधार पर देती है ना कि अग्रिम अवधि के लिए। ऐसे में यदि कर्मचारी एक साल काम करने के बाद तीस जून को रिटायर होते हैं तो उन्हें भी एक जुलाई से लगने वाली सालाना वेतन वृद्धि प्राप्त करने का अधिकार है।

याचिका कर्ता के वकील ने कहा, हाईकोर्ट ने प्रार्थी के मामले में राज्य सरकार के संबंधित विभाग को निर्देश दिया था कि वह प्रार्थी को एक वेतन वृद्धि सहित अन्य परिलाभ एक महीने की अवधि में दें। लेकिन अदालती आदेश का पालन नहीं हुआ। हाईकोर्ट अदालती आदेश की पालना सुनिश्चित करे और दोषी अफसरों को दंडित किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

रेल अधिकारियों ने कश्मीर में नए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऊधमपुर श्रीनगर बारामुला रेललिंक के प्रमुख अधिकारियों, जिसमें प्रमुख सुरक्षा आयुक्त पंकज गंगवार और जम्मू डिवीजन के डिविजनल रेलवे मैनेजर भी उनके साथ थे। महाप्रबंधक और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण परियोजनाओं, जैसे कि चेनाब और अंजी खड पुलों का निरीक्षण किया, इसके अलावा बनिहाल सुरंग का भी निरीक्षण किया। सूत्रों के अनुसार, रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) और अन्य सुरक्षा कर्मचारियों की संख्या इन बिंदुओं पर बढ़ा दी गई है। स्टेशनों पर बैगेज स्कैनिंग के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए गए हैं, साथ ही सुरंगों और पुलों पर भी सुरक्षा कड़ी की गई है। वर्तमान में ट्रेनें दो मार्गों पर संचालित हो रही हैं: 184 किलोमीटर लंबा संगलदन से बारामुला मार्ग और 25 किलोमीटर लंबा उधमपुर-कटरा खंड। इसका 111 किलोमीटर लंबा कटरा-बनिहाल खंड सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाता है और इसमें अधिक सुरक्षा की आवश्यकता है, क्योंकि इस खंड में भारत की सबसे लंबी, 12.77 किलोमीटर रेल सुरंग (टी-50), दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल (चेनाब) और अंजी में पहला केबल-स्टे पुल है। इस खंड के 97 किलोमीटर - या 87 प्रतिशत - हिस्से में सुरंगें हैं, जिनमें आठ प्रमुख सुरंगें शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, आर. पी. एफ., जी. आर. पी. और राज्य पुलिस को रेल लाइन के साथ सुरक्षा सूचना साझा करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। सभी सुरंगों के सी. सी. टी. वी. फुटेज की निगरानी के लिए समर्पित केंद्रों को सक्रिय किया गया है।

'गिरफ्तारी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर दो साल से वो काबिज है। इस जमीन का एक व्यक्ति ने फर्जी पट्टा बना लिया। जिसकी सैंथल थाने में शिकायत की गई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर अदालती आदेश से मामला दर्ज किया गया।

दूसरी ओर सैंथल ग्राम पंचायत ने भी प्रार्थी के पट्टे को वैध बताया। परिवाद में कहा गया कि 19 दिसंबर, 2021 की रात आरोपियों ने पुलिस से मिलीभगत कर उसकी जमीन पर धावा बोल दिया और परिवादी व उसके परिजनों से मारपीट की। वहीं अपने अधीनस्थ कर्मचारी से प्रार्थी के खिलाफ एससी-एसटी व राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज करा दिया। इसके अलावा घर की महिलाओं को सूर्योदय के बाद बिना महिला पुलिस की मौजूदगी में गिरफ्तार किया और मेडिकल भी नहीं कराया।

मस्जिद पर पोस्टर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

काम करना गलत है। पुलिस से भी हमने विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस कमिश्नर ने हमसे दो दिन का समय मांगा है। विधायक लोगों में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। इससे पहले भी विधायक केवल मुस्लिम समुदाय को टारगेट करते रहे हैं, कभी अजान के नाम पर, कभी हिजाब के नाम पर, कभी इमामबाड़े पर, कभी आधार कार्ड के नाम पर, तो कभी मोहल्लों के यूनानी डॉक्टर्स, कभी खाने की होटलों पर पहुंचकर खुद ही गैर कानूनी तरीके से रेड करने लगते हैं।

विधायक रफीक खान ने कहा कि जयपुर हमेशा से अपनायत का शहर रहा है,अफसोस कि आज कुछ लोग इसे बिगाड़ने पर तुले हैं। जामा मस्जिद,जौहरी बाजार की सीढ़ियों पर चढ़ कर मुस्लिम समाज को उकसाने-चिढ़ाने एवं धार्मिक भावनाएं भड़काने का जो कुत्सित प्रयास विधायक बालमुकुंद आचार्य ने किया है, वह घोर आपत्तिजनक है, इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। पहलगाम के कायराना आतंकी हमले के कारण पूरा देश दुखी है,आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है।मगर कुछ लोग सिर्फ़ हिन्दू-मुसलमान करके देश को अंदर से कमजोर करने में लगे हैं।

'सैन्य अभियानों व आवाजाही की जानकारी का प्रसारण ना करे'

नयी दिल्ली, 26 अप्रैल। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण न करने की सलाह दी है और कहा है कि अभियानों के मामले में खबर देते समय अभियान पूरा होने और आधिकारिक ब्रीफिंग के आधार पर ही रिपोर्ट दी जाए। मंत्रालय ने सभी मीडिया प्लेटफार्मों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया का उपयोग करने वालों को इस विषय में वर्तमान सभी नियम कानूनों का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को भारत के निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तान प्रायोजित बर्बर

■ सूचना प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए गाइडलाइन्स जारी की

आतंकवादी हमले के बाद मंत्रालय ने शनिवार को जारी इस आशय के परामर्श में कहा है, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अत्यंत जिम्मेदारी के साथ काम करें और रक्षा एवं अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें। परामर्श में मीडिया मंचों से यह विशेष ध्यान रखने को कहा गया है कि रक्षा अभियानों या बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार का (तत्काल) रियल-टाइम (तत्क्षण) कवरेज, लाइव प्रसारण, या सूत्रों पर आधारित जानकारी का प्रकाशन नहीं किया जाना चाहिए।

बयान में कहा गया है कि संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और इससे अभियानों की प्रभावशीलता और सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसी संदर्भ में कहा गया है कि कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं के दौरान, अनियंत्रित कवरेज का राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था।

लंदन में पाक डिप्लोमैट ने की शर्मनाक हरकत

लंदन/नयी दिल्ली, 26 अप्रैल। पाकिस्तानी राजनयिक की ओर से लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे ब्रिटिश-भारतीयों का गला काटने का इशारा करने का मामला सामने आया है। लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर सैकड़ों ब्रिटिश और भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकवाद हमले के विरोध में प्रदर्शन

■ पाक उच्चायोग पर प्रदर्शन कर रहे ब्रिटिश भारतीयों की तरफ पहले तो उसने विंग कमांडर अभिनंदन की तस्वीर वाली तख्ती लहराई, उसके बाद उसने प्रदर्शनकारियों का गला काटने का इशारा किया

कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पाकिस्तानी राजनयिक ने उच्चायोग की बालकनी से प्रदर्शनकारियों की तरफ गला काटने वाला इशारा किया। ब्रिटिश-भारतीय प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में पाकिस्तान की भूमिका पर अपना गुस्सा जाहिर किया, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गयी थी। प्रदर्शन के दौरान कर्नल तैमूर राहत नामक पाकिस्तानी राजनयिक ने भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की तस्वीर वाली एक तख्ती पकड़ रखा थी।

ईडी 28 को महेश जोशी का और रिमांड ले सकती है!

महेश जोशी के पुत्र और उसकी कंपनी से जुड़े लोगों से भी ईडी पूछताछ कर रही है

जयपुर, 26 अप्रेल। जल जीवन मिशन (जेजेएम) में 900 करोड़ के घोटाले के मामले में ईडी की टीम पूर्व मंत्री महेश जोशी से पूछताछ कर रही है। पूर्व मंत्री महेश जोशी 28 अप्रेल तक ईडी की रिमांड में हैं। महेश जोशी ने कोर्ट में तीन डिमांड की थीं। कोर्ट ने तीनों बात मान ली है। उनकी डिमांड थी कि रिमांड के दौरान घर का खाना मिले, समय पर दवा मिले और उनकी पत्नी की तबीयत बहुत खराब है,उन्हें मिलने दिया जाए।

महेश जोशी से, पूर्व में गिरफ्तार हुए उनके परिचित और जलदाय विभाग के अधिकारियों के सामने बैठा कर पूछताछ की गई। महेश जोशी ने अपने बेटे रोहित जोशी की कंपनी में 50 लाख रुपए डाले थे, उसे लेकर भी ईडी, रोहित और उसकी कंपनी से जुडे लोगों से पूछताछ कर रही

■ ईडी के अनुसार उसके पास महेश जोशी के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। कहते हैं कि कुछ आरोपियों और इंजीनियर्स ने महेश जोशी का सीधे नाम लिया है।

है। ईडी के अनुसार महेश जोशी के खिलाफ उनके पास पुख्ता सबूत हैं। जेजेएम घोटाले को लेकर ईडी ने महेश जोशी से कई सवाल पूछे। साथ ही उन कंपनियों के बारे में भी जानकारी ली गई, जिन कंपनियों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर दिए गए। जानकारी के अनुसार, टेंडर जिनको मिले वह महेश जोशी के पारिवारिक रिश्तेदार और दोस्त निकले। सूत्रों के अनुसार, कुछ आरोपियों और इंजीनियर्स ने महेश जोशी का नाम सीधे तौर पर लिया है।

कानूनी प्रक्रिया के तहत हर दिन महेश जोशी का मेडिकल कराया जाएगा। उनके शुगर, बीपी की जांच सरकारी अस्पताल के डॉक्टर द्वारा की जाएगी। जानकारों का कहना है कि ईडी महेश जोशी का 28 तारीख को रिमांड कुछ और दिन का भी ले सकती है।

गौरतलब है कि जेजेएम घोटाला केंद्र सरकार की, हर घर नल पहुंचाने वाली जल जीवन मिशन योजना से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के 4 टेंडर हासिल किए थे। श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने फर्जी कार्य प्रमाण पत्रों से पी.एच.ई.डी. की 68 निविदाओं में भाग लिया था। उनमें से 31 टेंडर में एल-1 के रूप में 859.2 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे। वहीं, श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी ने 169 निविदाओं में भाग लिया और 73 निविदाओं में एल -1 के रूप में भाग लेकर 120.25 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे। घोटाले का खुलासा होने पर एसीबी ने जांच शुरू की। कई भ्रष्ट अधिकारियों को दबोचा। फिर ईडी ने केस दर्ज कर महेश जोशी और उनके सहयोगी संजय बड़ाया सहित अन्य के ठिकानों पर दबिश दी थी। इसके बाद सीबीआई ने 3 मई 2024 को केस दर्ज किया। ईडी ने अपनी जांच पूरी कर 4 मई को सबूत और दस्तावेज एसीबी को सौंप दिए थे।

भारत को चीन से सबक लेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंधू जल प्रणाली की पश्चिमी नदियां, और भारत से गुजरने वाली पूर्वी नदियों में गर्मियों में भारी मात्रा में पानी आता है, जब हिमालय की चोटियों और ग्लेशियरों में तापमान बढ़ता है। हिमालय की बर्फ के पिघलने से लाखों क्यूसेक पानी नदियों में आता है।

हिमालय को भौगोलिक रूप से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ताजे पानी का भंडार कहा जाता है, पहले दो भंडार है दोनों ध्रुवीय क्षेत्र। सर्दियों में जो बर्फ जमती है वह गर्मियों में पिघलकर उपमहाद्वीप की नदी में आ जाती है।

सिंधु जल प्रणाली में छह नदियां हैं - पूर्वी नदियां-व्यास, सतलुज और रावी- भारत को दी गई हैं। जबकि पश्चिमी नदियां सिंधू, झेलम और विनाब- पाकिस्तान के हिस्से में आती हैं। पश्चिमी नदियों को हिमालय की बर्फ पिघलने से भारी मात्रा में पानी प्राप्त होता है। लेकिन ऊपरी क्षेत्रों में बढ़ते जल प्रवाह को संग्रहित करने के लिए बहुत कम बांध या सरोवर बहुत कम हैं। इस पानी को रोकने की कोशिश विनाशकारी बाढ़ और अन्य खतरों को जन्म दे सकती है। इसके लिए बड़े पैमाने पर जल संबंधी क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होगी।

सामान्य जानकारी के अनुसार, वर्तमान में इस जल प्रवाह के एक बड़े हिस्से को संग्रहित करने के लिए कोई ठोस आधारभूत संरचना उपलब्ध नहीं है। वर्ष 1960 से अब तक हमने इस दिशा में कोई गंभीर योजना नहीं बनाई है। अगर कोई सुनियोजित योजना बनाई जाती, तो इसका व्यापक प्रभाव होता- केवल पाकिस्तान को नुकसान पहुंताना ही उद्देश्य नहीं होता। यह जल भारत के उत्तरी भागों में कृषि और पीने के पानी की आपूर्ति के लिए भी वरदान साबित हो सकता था।

अब, जब हमें समझ में आ रहा है कि यह पानी रणनीतिक हथियार बन सकता है, तो ऐसे कार्यक्रम के लिए एकीकृत योजना बनाना समय की मांग है। इसके लिए न केवल तकनीकी और इंजीनियरिंग क्षमता की आवश्यकता होगी, बल्कि भारी पूंजी भी लगानी पड़ेगी। हम पहले ही देख रहे हैं कि चीन किस तरह से हिमालय की ऊपरी जलधाराओं पर बांध बना रहा है ताकि वह वहां के विशाल जल संसाधनों का उपयोग कर सकें। हमें यह जानकर झटका लगता है कि चीन ब्रह्मपुत्र नदी को जल प्रवाह को उस जगह से बदलने की योजना पर पहले ही काम कर रहा है जहां से यह पूर्वी हिमालय में घूमती है और भारत में प्रवेश करती है। हमारे विरोधों के बावजूद, चीन इसे अपने मैदानों और खेतों की सिंचाई के लिए मोड़ने की योजना पर काम कर रहा है।

एक बार यह परियोजना पूरी हो गई, तो भारत का उत्तर-पूर्वी हिस्सा और बांग्लादेश के बड़े क्षेत्र रेगिस्तान बन सकते हैं। लेकिन चीन किसी भी देश के विरोध की परवाह नहीं करता।

हमें चीन से प्रेरणा लेकर सिंधू जल प्रणाली पर अपनी योजना बनानी चाहिए, ताकि इस पानी का अधिकतम लाभ उठाया जा सके। सिंधू जल प्रणाली के लिए संघर्ष अब शुरू हुआ है। अब जब हमने लंबे समय तक प्रवाह को नियंत्रित करने की प्रतिबद्धता जताई है, तो योजना बनाने और इसके क्रियान्वयन में बड़े प्रयासों की आवश्यकता है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो द्वारा भारत में ''खून की नदी बहाने'' की धमकी के बजाय, अब समय आ गया है कि भारत वास्तव में इन नदियों का नियंत्रण करे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908